Title Code :- RAJHIN27855

THE DAYSPRING NEWS

दैनिक द डेस्प्रिंग

@tdnnewsindia
@tdn_thedayspringnews
@the Dayspring news
@thedayspring
@tdnnewsindia

वर्ष: 4 | अंक:265 | मूल्य: 3 रू | पेज: 8 | जयपुर, शनिवार/ 18 अक्टूबर /2025 | जयपुर से प्रकाशित (सीकर, जोधपुर, कोटा, भरतपुर, सिरोही से प्रसारित)

पटना में सीएम योगी आदित्यनाथ की चुनावी सभा, कहा- राजद-कांग्रेस में केवल परिवार कल्याण है

पटना

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज बिहार दौर पर आ चुके हैं। पटना एयरपोर्ट पर भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने उनका स्वागत किया। वह पूर्व सांसद रामकृपाल यादव के नामांकन कार्यक्रम में शामिल हुए। इसके बाद दानापुर में उन्होंने चुनावी सभा को संबोधित किया। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बिहार के दानापुर विधान सभा क्षेत्र की जनता आस्था का सम्मान करने वाली एनडीए सरकार के साथ है। सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश और बिहार का संबंध केवल एक संबंध नहीं है बल्कि एक साझी विरासत है। एक आत्मा का संबंध है, एक संस्कृति का संबंध है और एक संकल्प का भी संबंध है। यह संबंध उसी प्रकार से अटूट है जैसे भगवान राम और मां जानकी का संबंध अटूट है। उन्होंने महागठबंधन पर हमला बोला। कहा कि राजद और कांग्रेस में सिर्फ परिवार कल्याण है। हमारा परिवार आप सब लोग हैं। उत्तर प्रदेश में माफिया तो जहन्नुम की यात्रा पर जा चुके हैं। राजद के सहयोगी सपा वाले वहां पर इस अराजकता को फैलाते थे। आज उनकी क्या दुर्गति हो रही है? यह सब आप जानते हैं। योगी ने सीएम नीतीश कुमार के कामों की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि पिछले 20 वर्षों में नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए की सरकार ने कर दिखाया है। 2005 से पहले बिहार की क्या स्थिति थी वह सब आप जानते थे। दानापुर में कार्यक्रम के बाद सीएम योगी सहरसा रवाना हो गए। वहां भाजपा प्रत्याशी व निवर्तमान विधायक डॉ. आलोक रंजन के नामांकन कार्यक्रम में शामिल होंगे। वहां भी सीएम योगी जनसभा को संबोधित करेंगे। प्रशासन ने मुख्यमंत्री के दौरे को देखते हुए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। पूरे दानापुर क्षेत्र में चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात किया गया है। ड्रोन कैमरों से निगरानी की जा रही है और ट्रैफिक नियंत्रण के लिए विशेष योजना बनाई गई है, ताकि किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो।

भाजपा कार्यकर्ताओं में काफी उत्साह

इधर, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आगमन को लेकर पटना और सहरसा में भाजपा कार्यकर्ताओं में काफी उत्साह देखा जा रहा है। भाजपा कार्यकर्ताओं ने पूरे शहर को भगवा झंडों और होर्डिंग्स से सजा दिया है। योगी आदित्यनाथ का यह चुनावी दौरा भाजपा के लिए एक बड़ा शक्ति प्रदर्शन माना जा रहा है। बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को लगभग 11.30 बजे पटना पहुंचे, जहां से वे सीधे दानापुर गए और एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। भाजपा के स्थानीय नेताओं का कहना है कि योगी आदित्यनाथ का यह दौरा कार्यकर्ताओं में नया जोश भर देगा। भाजपा जिला अध्यक्ष ने कहा कि सीएम योगी का आगमन हमारे लिए गर्व की बात है। रामकृपाल यादव जैसे जमीनी नेता के समर्थन में उनका यहां आना चुनावी माहौल को और मजबूती देगा। बता दें कि 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने पाटलिपुत्र संसदीय सीट से रामकृपाल यादव को मैदान में उतारा था, लेकिन वे राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की उम्मीदवार मीसा भारती से हार गए थे। इस बार बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में भाजपा ने दानापुर सीट से एक बार फिर रामकृपाल यादव पर भरोसा जताया है। वहीं रामकृपाल के खिलाफ राजद ने फिर से रीतलाल यादव को मैदान में उतारा है। दानापुर से पिछले चुनाव में रीतलाल यादव ने भाजपा प्रत्याशी आशा सिन्हा को हराया था। इस बार भाजपा ने आशा सिन्हा का टिकट काट दिया।

तेलंगाना सरकार को सुप्रीम कोर्ट से झटका, ओबीसी को 42 प्रतिशत आरक्षण पर रोक का फैसला बरकरार

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने तेलंगाना सरकार की उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें राज्य सरकार ने ओबीसी वर्ग को स्थानीय निकाय चुनाव में 42 प्रतिशत आरक्षण देने की मांग की थी। इससे पहले तेलंगाना हाईकोर्ट ने भी राज्य सरकार के इस फैसले पर अंतरिम रोक लगा दी थी। हाईकोर्ट के अंतरिम फैसले के खिलाफ तेलंगाना सरकार ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। हालांकि अब सुप्रीम कोर्ट से भी उसे निराशा हाथ लगी है और सर्वोच्च अदालत ने याचिका खारिज कर दी। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने राज्य सरकार की विशेष याचिका खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि उच्च न्यायालय को मेरिट के आधार पर फैसला करना चाहिए और उसे राज्य सरकार की याचिका खारिज होने से प्रभावित नहीं होना चाहिए। सुनवाई के दौरान जस्टिस विक्रम नाथ ने राज्य सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ. अभिषेक मनु सिंघवी से पूछा कि चुनाव अधिसूचना से पहले आरक्षण क्यों नहीं लाया गया? इस पर सिंघवी ने जवाब दिया कि राज्यपाल ने बिना अनुमति दिए विधेयक को लंबित रखा था। सिंघवी ने कहा कि तमिलनाडु राज्यपाल मामले में सर्वोच्च न्यायालय का फैसला आने के बाद, विधेयक को 'मान्य अनुमति के आधार पर' कानून बना। उन्होंने आगे कहा कि कानून को कोई चुनौती दिए बिना ही स्थगन प्राप्त कर लिया गया है। इससे पहले तेलंगाना उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार को निर्देश दिया कि स्थानीय निकाय चुनाव सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निर्धारित त्रिस्तरीय परीक्षण के ढांचे के भीतर होने चाहिए। राज्य सरकार ने तेलंगाना में ओबीसी आरक्षण बढ़ाकर 42 प्रतिशत कर दिया है, जिससे एससी (15 प्रतिशत) और एसटी (10 प्रतिशत) आरक्षण को मिलाकर कुल आरक्षण 67 प्रतिशत हो जाता है, जो ट्रिपल टेस्ट नियम का उल्लंघन है। उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार के उस सरकारी आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी है, जिसमें 42 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण के साथ 8 अक्टूबर को स्थानीय निकाय चुनाव कराने का आदेश जारी किया गया था।

हमारे ऊर्जा संबंध भारत के राष्ट्रीय हितों पर आधारित, ट्रंप की टिप्पणी के बीच रूस का बड़ा बयान

नई दिल्ली

भारत और रूस के ऊर्जा संबंधों पर, रूस के नई दिल्ली में राजदूत डेनिस अलिपोव ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के ऊर्जा संबंध भारत के राष्ट्रीय हितों पर आधारित हैं। उन्होंने ये भी कहा कि भारत और रूस के द्विपक्षीय व्यापारिक संबंध भी मजबूत हो रहे हैं। अलीपोव की यह टिप्पणी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इस दावे के कुछ घंटे बाद आई है, जिसमें ट्रंप ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें आश्वासन दिया है कि नई दिल्ली, जल्द ही रूसी कच्चे तेल की खरीद बंद कर देगा। ट्रंप की टिप्पणी को लेकर जब पत्रकारों ने रूसी राजदूत से पूछा कि क्या भारत रूसी कच्चे तेल की खरीद जारी रखेगा? तो इस पर रूसी राजदूत ने कहा, 'ये सवाल आप भारत सरकार से करें।' उन्होंने कहा कि भारत सरकार इस मामले से अपने राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखकर निपट रही है। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की टिप्पणियों के जवाब में, भारत ने कहा कि वह बाजार की परिस्थितियों के अनुसार अपने ऊर्जा स्रोतों का व्यापक आधार और विविधता बना रहा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने ट्रंप की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि 'अस्थिर ऊर्जा परिदृश्य में भारतीय हितों की रक्षा करना सरकार की प्राथमिकता रही है।' उन्होंने कहा कि भारत की आयात नीतियां पूरी तरह से राष्ट्रीय हित से प्रेरित हैं, लेकिन साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि भारत अमेरिका के साथ ऊर्जा संबंधों को बढ़ाने पर भी विचार कर रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को दावा किया कि भारत जल्द ही रूस से तेल की खरीद को कम कर देगा। ट्रंप ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें आश्वासन दिया है कि भारत रूस से तेल खरीदना बंद कर देगा। ट्रंप ने कहा, 'उन्होंने (पीएम मोदी ने) मुझे भरोसा दिया है कि रूस से कोई तेल खरीद नहीं होगी। आप जानते हैं यह तुरंत नहीं हो सकता। यह एक प्रक्रिया है, लेकिन यह प्रक्रिया भी जल्द खत्म हो जाएगी।' उन्होंने आगे कहा कि अगर भारत रूस से तेल खरीदना बंद कर देता है तो उनके लिए रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष विराम कराने में आसानी होगी। अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि संघर्ष खत्म होने के बाद भारत फिर से रूस से तेल खरीद सकेगा।

हमारी आयात नीति हितों के आधार पर..., रूस से तेल खरीद पर ट्रंप के दावों का विदेश मंत्रालय ने दिया जवाब

नई दिल्ली

भारत के विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के उन दावों को लेकर जवाब दिया, जिनमें कहा गया था कि भारत जल्द ही रूस से तेल की खरीद को रोक सकता है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि भारत तेल और गैस का एक महत्वपूर्ण आयातक है। अस्थिर ऊर्जा परिदृश्य में भारतीय उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करना हमारी निरंतर प्राथमिकता रही है। हमारी आयात नीतियां पूरी तरह इसी उद्देश्य से निर्देशित होती हैं। स्थिर ऊर्जा मूल्य और सुरक्षित आपूर्ति सुनिश्चित करना हमारी ऊर्जा नीति के दोहरे लक्ष्य रहे हैं। इसमें हमारी ऊर्जा आपूर्ति का आधार व्यापक बनाना और बाजार की स्थितियों के अनुरूप विविधता लाना शामिल है। विदेश मंत्रालय के बयान में आगे कहा गया, "जहां तक अमेरिका का सवाल है, हम कई वर्षों से अपनी ऊर्जा खरीद का विस्तार करने का प्रयास कर रहे हैं। पिछले दशक में इसमें लगातार प्रगति हुई है। वर्तमान प्रशासन ने भारत के साथ ऊर्जा सहयोग को गहरा करने में रुचि दिखाई है। इस पर चर्चाएं जारी हैं।" ओवल ऑफिस में पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उनके अच्छे मित्र हैं और दोनों के बीच शानदार संबंध हैं। आगे उन्होंने कहा कि भारत जल्द ही रूस से तेल की खरीद बंद कर देगा। उन्होंने यह भी दावा किया कि ऐसा आश्वासन खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें व्यक्तिगत रूप से दिया है। ट्रंप ने कहा कि भारत का यह कदम एक बड़ा कदम है। अब हमें चीन से भी यही करने के लिए कहना होगा। इस दौरान ट्रंप ने भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर और पीएम मोदी की हालिया बैठक पर भी प्रतिक्रिया दी।

प्रियांक खरगे की नई मांग, आरएसएस की गतिविधियों में शामिल सरकारी कर्मियों पर हो कार्रवाई

बंगलूरू

कर्नाटक में इन दिनों राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) की गतिविधियों पर प्रतिबंध के प्रस्ताव की मांग को लेकर देशभर में हंगामा मचा हुआ है। सिद्धारमैया सरकार ने सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों, सार्वजनिक मैदानों और राज्य सरकार की अन्य जमीनों पर आरएसएस की शाखाएं आयोजित नहीं करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने इन निर्देश को कैबिनेट मंत्री प्रियांक खरगे के अनुरोध पर दिया। वहीं अब खरगे ने मुख्यमंत्री से आरएसएस की गतिविधियों में शामिल सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई करने का आग्रह किया है। कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खड़गे ने गुरुवार (16 अक्तूबर) को मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को पत्र लिखकर आरएसएस के कार्यक्रमों में भाग लेने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने का अनुरोध किया है। उन्होंने कर्नाटक सिविल सेवा (आचरण) नियम, 2021 के नियम 5(1) का हवाला देते हुए यह मांग की। मालूम हो कि यह नियम सरकारी कर्मचारियों को किसी भी राजनीतिक दल का हिस्सा बनने और राजनीतिक गतिविधियों में भाग लेने की अनुमति नहीं देता है। प्रियांक खरगे ने आरोप लगाया कि सरकारी अधिकारियों ने आरएसएस की गतिविधियों में भाग लेकर नियम का उल्लंघन किया है। उन्होंने अपने पत्र में कहा, "कर्नाटक राज्य में सरकारी कर्मचारियों के लिए कर्नाटक सिविल सेवा (आचरण) नियम, 2021 के नियम 5(1) के अनुसार, नियम पहले से ही लागू है। कोई भी सरकारी कर्मचारी किसी भी राजनीतिक दल या राजनीति से जुड़े किसी भी संगठन का सदस्य या उससे संबद्ध नहीं होगा, या किसी भी राजनीतिक आंदोलन या गतिविधि में भाग नहीं लेगा, न ही उससे समर्थन मांगा जाएगा और न ही उसे कोई सहायता प्रदान करेगा। यह देखा गया है कि हाल के दिनों में स्पष्ट निर्देशों के बावजूद सरकारी अधिकारी और कर्मचारी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और अन्य संगठनों द्वारा आयोजित कार्यक्रमों और गतिविधियों में भाग ले रहे हैं।" उन्होंने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया से एक परिपत्र जारी करने का अनुरोध किया, जिसमें चेतावनी दी गई हो कि इन नियमों का उल्लंघन करने वाले अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने लिखा, "राज्य के सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और अन्य संगठनों द्वारा आयोजित कार्यक्रमों और गतिविधियों में भाग लेने से सख्ती से प्रतिबंधित करने और उल्लंघन करने वालों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करने का निर्देश देने वाला एक परिपत्र जारी करने का अनुरोध किया गया है।" इससे पहले प्रियांक खरगे ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया से सरकारी स्कूलों, कॉलेजों और सरकारी मंदिरों में आरएसएस की गतिविधियों पर रोक लगाने की मांग की थी। उन्होंने संगठन पर "युवाओं का ब्रेनवॉश" करने और "संविधान-विरोधी दर्शन" को बढ़ावा देने का आरोप लगाया था। उन्होंने यह भी दावा किया है कि सरकारी स्कूलों और कॉलेजों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने संबंधी उनकी टिप्पणी के बाद पिछले तीन दिनों में उन्हें धमकियां मिली है।

यहां से 'तारीफ' वहां से 'टैरिफ'...जयराम रमेश ने पीएम मोदी पर कसा तंज

नई दिल्ली

कांग्रेस ने डोनाल्ड ट्रंप के दावों के बीच एक बार फिर बीजेपी को जमकर घेरा है। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश गुरुवार को केन्द्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा भारत रूस से तेल खरीदना बंद करेगा ये सरकार ने लिया है पर इसकी घोषणा अमेरिका के राष्ट्रपति कर रहे हैं । कांग्रेस वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने एएनआई से बात करते हुए कहा कि केंद्र सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि यहां से उनकी तारीफ हो रही है और वहां से टैरिफ आ रहा है। उन्होंने आगे कहा कि पीएम मोदी को संसद के सामने अमेरिकी व्यापार समझौते के बारे में चर्चा करनी चाहिए और ये बताना चाहिए कि ये अभी तक क्यों नहीं हुआ। कांग्रेस महासचिव ने एएनआई से बात करते हुए कहा कि पीएम मोदी को बताना चाहिए कि रूस से तेल खरीदने के पीछे क्या सच्चाई है और अभी तक अमेरिका के साथ व्यापार समझौता क्यों नहीं हुआ। उन्होंने आगे कहा कि उन्हें आम सहमति बनाकर संसद को विश्वास में लेना चाहिए। ये बताती है कि हमारी विदेश नीति पूरी तरह से विफल रही है। राज्यसभा सांसद ने ट्रंप के झूठे दावों पर पीएम की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए कहा कि ट्रंप ने 51 बार दावा किए कि भारत-पाकिस्तान तनाव को रोकने के लिए वे जिम्मेदार थे। कल ट्रंप ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से कहा कि भारत को रूस से तेल नहीं खरीदना चाहिए, और भारत ने उन्हें आश्वासन दिया कि वह रूस से तेल नहीं खरीदेगा लेकिन प्रधानमंत्री इस पर चुप हैं! उन्होंने आगे कहा कि अगर भारत सरकार ने इसके लिए कोई फैसला किया है तो उसकी घोषणा करनी चाहिए । पीएम मोदी ट्रंप की प्रशंसा में ट्वीट करते हैं, लेकिन वही अमेरिका टैरिफ लगाता है। भारत सरकार अपने फैसलों की घोषणा क्यों नहीं करती है? आपको बता दें कि ट्रंप ने यह टिप्पणी ओवल ऑफिस में अपराध पर अंकुश लगाने के प्रशासन के प्रयासों के विषय पर प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान की।

संयुक्त राष्ट्र अभी भी 1945 में ही फंसा है, विदेश मंत्री जयशंकर ने फिर यूएन को दिखाया आईना

नई दिल्ली

भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने बुधवार को नई दिल्ली में आयोजित संयुक्त राष्ट्र सैन्य योगदान देने वाले देशों के सम्मेलन में शिरकत की। इस दौरान विदेश मंत्री ने एक बार फिर संयुक्त राष्ट्र में सुधार की मांग की। उन्होंने कहा कि आज का संयुक्त राष्ट्र भी 1945 के समय को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि यूएन को विकासशील देशों की आवाज बुलंद करनी चाहिए और इस पर ही यूएन की विश्वसनीयता टिकी है। अपने संबोधन में विदेश मंत्री ने कहा कि 'मैं अभी-अभी न्यूयॉर्क से 80वीं संयुक्त राष्ट्र महासभा में भाग लेकर लौटा हूं। उस अनुभव से कुछ महत्वपूर्ण बातें मैं आपके साथ साझा करना चाहता हूं। पहली बात, संयुक्त राष्ट्र आज भी 1945 की वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित करता है, 2025 की नहीं। 80 वर्ष एक लंबा समय है और इस समय के दौरान, संयुक्त राष्ट्र के सदस्यों की संख्या वास्तव में चौगुनी हो गई है। दूसरी बात, जो संस्थाएं बदलाव करने में विफल रहती हैं, उनके अप्रासंगिक होने का खतरा होता हैं। संयुक्त राष्ट्र के प्रभावी बनाने के लिए, इसे सुधारना होगा, इसे अधिक समावेशी, लोकतांत्रिक, सहभागी और आज की दुनिया का प्रतिनिधि बनना होगा। संयुक्त राष्ट्र को विकासशील देशों की आवाज को बुलंद करना होगा और उभरते वैश्विक दक्षिण की आकांक्षाओं को भी प्रतिबिंबित करना होगा। इस पर संयुक्त राष्ट्र की विश्वसनीयता टिकी है।' डॉ. जयशंकर ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देश भी बदलाव चाहते हैं और सुरक्षा परिषद में भी विस्तार होना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र शांति सेना को लेकर विदेश मंत्री ने कहा कि 'हमारे शांति सैनिक एक शक्तिशाली बल रहे हैं। मानवीय मदद पहुंचाने के लिए ये बहादुर बेटे बेटियां अपनी जान जोखिम डालते हैं। ये बहुपक्षवाद के सच्चे पथप्रदर्शक हैं। आज मैं उन 4000 से ज्यादा शांति सैनिकों को याद करना चाहता हूं, जिन्होंने कर्तव्य की राह पर सर्वोच्च बलिदान दिया। उन्होंने शांति अभियानों को लेकर कुछ सुझाव भी दिए, जिनके तहत उन्होंने कहा कि जिन देशों में शांति सेना भेजी जाती है और जिन देशों के सैनिक इस शांति सेना में होते हैं, उनसे भी शांति अभियानों को लेकर परामर्श किया जाना चाहिए।' विदेश मंत्री ने शांति मिशनों को संयुक्त राष्ट्र का सबसे अहम निकाय बताया। विदेश मंत्री ने कहा कि 'संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन की स्थापना के बाद से, भारत ने कुल मिलाकर तीन लाख से ज्यादा सैनिकों का योगदान दिया है, जिससे हम दुनिया में सबसे ज्यादा सैनिक भेजने वाला देश बन गए हैं। हमारे शांति सैनिकों ने दुनिया के कुछ सबसे चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों में विशिष्टता और पेशेवरता के साथ सेवा की है और कर रहे हैं। इनमें दक्षिण सूडान, लेबनान, सीरिया और डीआरसी जैसे देश शामिल हैं। यह निरंतर प्रतिबद्धता हमारे इस विश्वास से उपजी है कि 'कहीं भी शांति, हर जगह शांति को मजबूत करती है'।' उन्होंने कहा कि 'भारत शांति स्थापना को अपने सभ्यतागत लोकाचार से देखता है। हम विश्व को एक परिवार के रूप में देखते हैं, यह केवल सांस्कृतिक ज्ञान नहीं है, बल्कि एक दृष्टिकोण है जो हमारे वैश्विक दृष्टिकोण का आधार है। यही कारण है कि हम बहुपक्षवाद और अंतरराष्ट्रीय साझेदारी में अपना विश्वास रखते हैं।'

राजनीतिक पार्टियों को दूरदर्शन पर मिला प्रसारण समय, चुनाव आयोग की नई पहल; दिशा निर्देश जारी

नई दिल्ली

बिहार विधानसभा चुनाव के लिए चुनाव आयोग ने विभिन्न राष्ट्रीय और क्षेत्रीय पार्टियों को दूरदर्शन और ऑल इंडिया रेडियो पर प्रसारण समय आवंटित कर दिया है। इसके लिए चुनाव आयोग ने दिशा निर्देश भी जारी किए हैं। चुनाव आयोग ने जनप्रतिनिधि कानून, 1951 की धारा 39ए के तहत राजनीतिक पार्टियों को प्रसारण समय दिया है। आयोग ने एक आईटी प्लेटफॉर्म की मदद से राजनीतिक पार्टियों को डिजिटल टाइम वाउचर जारी किए हैं। राजनीतिक पार्टियां दूरदर्शन और ऑल इंडिया रेडियो की मदद से उम्मीदवारों की सूची प्रकाशित होने के बाद से मतदान से दो दिन पहले तक अपना प्रचार कर सकेंगी। राजनीतिक पार्टियों से प्रसारित किया जाने वाला कंटेंट एडवांस में ही लेकर उसे शेड्यूल कर दिया जाएगा। शेड्यूल ड्रॉ के माध्यम से होगा और ये ड्रॉ बिहार सीईओ की मौजूदगी में होगा। चुनाव आयोग ने बताया कि राजनीतिक पार्टियों को दूरदर्शन और ऑल इंडिया रेडियों पर 45-45 मिनट का प्रसारण और टेलीकास्ट समय मिलेगा। राजनीतिक पार्टियों के पिछले चुनाव नतीजों के आधार पर उन्हें अतिरिक्त प्रसारण समय भी दिया जाएगा। प्रसार भारती द्वारा डिबेट का भी आयोजन किया जाएगा, जिसके लिए राजनीतिक पार्टियां अपने-अपने प्रतिनिधियों को नामित कर सकेंगी। इन चर्चाओं का संचालन एक स्वतंत्र समन्वयक द्वारा किया जाएगा, ताकि निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से चर्चा हो सके। निर्वाचन आयोग का कहना है कि यह पहल चुनावी प्रक्रिया को पारदर्शी, संतुलित और लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप बनाए रखने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है।

पृथ्वी के लिए खतरा

हर दिन गिर रहे मस्क के स्टारलिंक उपग्रह

नई दिल्ली

आसमान में घूम रहे एलन मस्क के स्टारलिंक उपग्रहों में से कई अब हर दिन धरती पर गिर रहे हैं। ऐसे में चिंता वाली बात ये है कि कहीं अंतरिक्ष मलबे का ऐसा चेन रिएक्शन न शुरू हो जाए, जो भविष्य में पृथ्वी की निचली कक्षा के लिए असुरक्षा खड़ी कर सकता है। वैज्ञानिकों ने कहा कि पृथ्वी की निचली कक्षा के लिए मनुष्य धीरे-धीरे एक नया खतरा पैदा करता जा रहा है। अंतरिक्ष कंपनियां इस कक्षा में लगातार स्पेसक्राफ्ट और सैटेलाइट्स भेजती रहती हैं, जो ऑर्बिट में लगातार चक्कर लगा रहे हैं। यहां स्टारलिंक जैसे हजारों की संख्या में सैटेलाइट घूम रहे हैं जो पृथ्वी पर कई अहम जानकारियां भेजते रहते हैं स्मिथसोनियन के खगोलशास्त्री जोनाथन मैकडॉवेल ने कहा कि फिलहाल रोजाना एक से दो स्टारलिंक सैटेलाइट्स वायुमंडल में गिरकर नष्ट हो रहे हैं। आने वाले समय में यह संख्या पांच प्रतिदिन तक जा सकती है। उन्होंने बताया कि जैसे-जैसे स्पेसएक्स, अमेजन के प्रोजेक्ट क्यूपर और चीन की सैटेलाइट प्रणालियां अपने प्रोजेक्ट्स लॉन्च करेंगी, यह समस्या और बढ़ेगी। हालांकि, स्टारलिंक नेटवर्क ने दुनिया के कई दूरस्थ इलाकों में इंटरनेट पहुंचाने में क्रांति ला दी है, लेकिन इसकी तेजी से बढ़ती संख्या अब अंतरिक्ष यातायात और मलबे प्रबंधन के लिए बड़ी चुनौती बन गई है। मैकडॉवेल ने कहा, अभी 8,000 से ज्यादा स्टारलिंक उपग्रह कक्षा में सक्रिय हैं। जब सभी प्रणालियां पूरी तरह तैनात हो जाएंगी, तो इनकी संख्या 30 हजार से भी ज्यादा हो सकती है। अगर चीन के उपग्रह जोड़ दिए जाएं तो यह आंकड़ा 50 हजार तक पहुंच सकता है। प्रत्येक सैटेलाइट की उम्र करीब 5 से 7 साल होती है, इसके बाद वह या तो निष्क्रिय हो जाता है या तकनीकी खराबी और सौर गतिविधियों के कारण गिर जाता है। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि बढ़ते मलबे से 'केस्लर सिंड्रोम' की स्थिति बन सकती है। इसका अर्थ ये हुआ कि एक सैटेलाइट से टकराने के बाद बना मलबा दूसरे से टकराता जाता है और एक शृंखलाबद्ध तरीके से गिरना शुरू हो जाता है। इससे अंतरिक्ष का एक बड़ा हिस्सा उपग्रहों के लिए खतरनाक हो सकता है। कक्षा में मलबे की मात्रा इतनी बढ़ सकती है कि वहां नए सैटेलाइट्स भेजने की गुंजाइश न के बराबर रह जाती है।

उद्योगपति रमेश खंडेलवाल ने भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ से मिलकर दी दीपावली की शुभकामनायें

राजस्थान की सियासत में वैश्य शक्ति का नया अध्याय,उद्योग जगत की आवाज़ को मिली नई दिशा

द डेस्प्रिंग

जयपुर/मंडावर/मनोज खंडेलवाल । मंडावर की धरती से निकलकर राजस्थान के उद्योग जगत में अपनी अलग पहचान बनाने वाले खंडेलवाल ग्रुप ऑफ कंपनीज़ के चेयरमैन, अखिल भारतीय खंडेलवाल वैश्य महासभा के आजीवन संरक्षक और खंडेलवाल समाज मंडावर के अध्यक्ष उद्योगपति रमेश खंडेलवाल (मंडावर वाले) ने गुरुवार को भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ से उनके जयपुर आवास पर शिष्टाचार भेंट की। यह मुलाकात दीपोत्सव की पूर्व संध्या पर तो थी, लेकिन चर्चा का केंद्र रहा – राजस्थान की राजनीति में वैश्य समाज की सशक्त भूमिका और उद्योग जगत के हितों से जुड़ी नीतिगत दिशा। मुलाकात के दौरान उद्योगपति खंडेलवाल ने सबसे पहले प्रदेशाध्यक्ष की धर्मपत्नी के स्वास्थ्य का हाल जाना और उन्हें दीपावली

पर्व की अग्रिम शुभकामनाएं दीं। परंपरागत रीति से रामा-श्यामा करते हुए उन्होंने मदन राठौड़ को दुपट्टा पहनाकर सम्मानित किया। इस आत्मीय क्षण में प्रदेशाध्यक्ष राठौड़ ने भी मिठाई खिलाकर खंडेलवाल का अभिनंदन किया और भाजपा संगठन व जनहित में उनके योगदान की सराहना की। इसके बाद हुई बातचीत में उद्योगपति रमेश खंडेलवाल ने राजस्थान में वैश्य समाज और उद्योग जगत की नीतिगत सहभागिता पर खुलकर चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की नीतियों और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सरकार के प्रभावी निर्णयों ने प्रदेश के विकास को नई ऊँचाइयों पर पहुंचाया है। उद्योगों, निवेश और व्यापारिक माहौल को सशक्त बनाने के लिए जो फैसले लिए गए हैं, वे काबिले तारीफ हैं। खंडेलवाल ने भरोसा जताया कि वैश्य समाज और उद्योग जगत आगे भी भाजपा की नीतियों और जनहित के प्रयासों के साथ पूरी मजबूती से खड़ा रहेगा। उन्होंने आग्रह किया कि भजनलाल सरकार आने वाले समय में उद्योग जगत और व्यापारिक वर्ग के हितार्थ और भी ठोस निर्णय ले ताकि राजस्थान निवेश और विकास के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर उदाहरण बन सके। प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने इस अवसर पर कहा कि भाजपा हमेशा समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलने में विश्वास रखती है और वैश्य समाज पार्टी की रीढ़ है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सरकार उद्योग जगत और व्यापारिक वर्ग की सुरक्षा, स्थिरता और समृद्धि के लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है तथा आगे भी वैश्य समाज के सुझावों को प्राथमिकता दी जाएगी। भेंट के अंत में दोनों ने दीपावली पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं एक-दूसरे को दीं। इस दौरान प्रदेशाध्यक्ष राठौड़ ने उद्योगपति रमेश खंडेलवाल के माध्यम से प्रदेशभर के उद्योगपतियों, व्यापारियों और वैश्य समाज को भी दीपोत्सव की मंगलकामनाएं प्रेषित कीं। इस मुलाकात ने राजनीतिक गलियारों में नई हलचल पैदा कर दी है। भाजपा में वैश्य समाज की सक्रियता को यह मुलाकात एक नए संकेत के रूप में देखा जा रहा है। मंडावर के उद्योगपति रमेश खंडेलवाल की यह पहल प्रदेश की राजनीति में वैश्य समाज की सशक्त भूमिका को और मजबूती देने की दिशा में एक बड़ा कदम मानी जा रही है।

रानी मे एक एक मजदूर की संदिग्ध अवस्था मे मौत के तीसरे तीन बाद समझौता

द डेस्प्रिंग

रानी / नगराज वैष्णव । राजकीय सामुदाय अस्पताल में रामलाल पुत्र जेठाराम जी भील निवासी हरिजन बस्ती प्रताब बाजार जो भाटिया फैक्ट्री लोहा उद्योग में मौत होने पर पीड़ित परिवार सामाजिक संगठनों के साथ अपनी मांगों के साथ 3 दिन से धरने पर बैठा था जिसको लेकर आज पीड़ित परिवार और शासन प्रशाशन के साथ आपसी सहमति बनी और पीड़ित परिवार बॉडी का पोस्टमार्टम करवाने को तेयार हुआ।
पोस्टमार्टम करवाकर शव परिवारजन को सुपर्द किया गया।

धरने में शामिल

राजस्थान समग्र भील वर्ग आरक्षण मंच जिलाध्यक्ष जगदीश भील सादड़ी, गोडवाड आदिवासी भील समाज विकास समिति देसूरी बाली ब्लॉक जिला पाली अध्यक्ष रमेश कुमार भील फालना, उपाध्यक्ष बंशीलाल भील सरथुर, सचिव प्रकाश कुमार भील सरथुर, भरत भील लाटाडा, रानी से नगर पालिका उपाध्यक्ष भाजपा नेता डालचंद चौहान , प्रवीन ऐरन तथा राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी जिला उपाध्यक्ष हरीश देवासी, सुनील बैरवा पार्षद नगरपालिका रानी मदन , भानाराम, पुनाराम, मोहनलाल, सुखदेव, सुरेश, बाबूलाल, मुकेश, भास्कर, राजुभाई, विक्रम भील रानी, सोहन सरथुर, फुआराम इंद्रा, देलाराम वेनपुरा, छोगाराम जी चोंगवा, किशन जूणा, आदि पीड़ित परिवार के साथ सामिल रहे।।

पुलिस थाना बैजूपाडा की तेज़ कार्रवाई: 36 घंटे में गिरफ्तार हुआ भाई की हत्या का आरोपी

द डेस्प्रिंग

दौसा/मनोज खंडेलवाल । पुलिस थाना बैजूपाडा ने जिले में कानून और न्याय की सर्वोच्च प्रतिष्ठा बनाए रखने के लिए एक गंभीर और त्वरित कार्रवाई करते हुए 36 घंटे के भीतर ही हत्या के आरोपी प्रेमचन्द बैरवा को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी 12 अक्टूबर 2025 को हुई एक दर्दनाक घटनाक्रम के बाद की गई, जिसमें मृतक जयप्रकाश बैरवा के सिर में गंभीर चोट लगने से उसकी मौत हो गई थी। घटना की रिपोर्ट दिनांक 13 अक्टूबर को थाने में दर्ज कराई गई। प्रार्थी देवकरण बैरवा ने बताया कि उनका छोटा भाई जयप्रकाश बैरवा, अपने बड़े भाई प्रेमचन्द बैरवा द्वारा सिर में गंभीर चोट मारने के कारण घायल हो गया, और चिकित्सकीय सहायता के बावजूद उसकी मृत्यु हो गई। पुलिस ने तुरंत मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी। थाना बैजूपाडा के थानाधिकारी जगदीश प्रसाद के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने जंगल, नदीनालों और अन्य कठिन इलाकों में लगातार सघन घेरा बंदी और खोज अभियान चलाया। इस प्रयास के परिणामस्वरूप आरोपी को रुपवास नदी क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपी ने हत्या की वारदात को स्वीकार किया। गिरफ्तार आरोपी प्रेमचन्द

बैरवा, पुत्र प्रभूदयाल बैरवा, उम्र 40 वर्ष, निवासी खेडी, थाना बैजूपाडा, जिला दौसा है। आरोपी के खिलाफ पहले भी कई आपराधिक रिकॉर्ड दर्ज हैं, जिनमें धारा 323, 341 और 34 भादस के तहत चार्जशीट शामिल हैं। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को हत्या की धारा 103(1) भारतीय न्याय संहिता 2023 के तहत न्यायालय में पेश कर पीसी रिमांड पर लिया गया। पुलिस अब हत्या के कारणों और घटनाक्रम की गहनता से जांच कर रही है।

रोशनी व सफाई व्यवस्था को लेकर वार्ड 1 से 5 के ग्रामीणों ने एसडीएम व ईओ को सौंपा ज्ञापन

द डेस्प्रिंग

मंडावर / मनोज खंडेलवाल । नगरपालिका क्षेत्र के वार्ड नंबर 1 से 5 तक के ग्रामीणों ने अंधेरे में डूबे इलाकों और लगातार बढ़ती पैंथर की हलचल से चिंतित होकर गुरुवार को प्रशासन के दरवाज़े खटखटाए। ग्रामीणों ने उपखंड अधिकारी अमित कुमार वर्मा और नगरपालिका मंडावर के कार्यवाहक ईओ प्रकाशचंद मीना को संयुक्त रूप से ज्ञापन सौंपते हुए पूरे क्षेत्र में तत्काल सड़क लाइटें लगाने और सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग की। ग्रामीणों ने बताया कि वार्ड नंबर 1 से 5 तक के इलाकों में वर्षों से रोडलाइट की व्यवस्था नहीं है। रात के समय पूरा क्षेत्र घने अंधेरे में डूब जाता है, जिससे राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसी अंधेरे का फायदा उठाकर जंगली जानवर, खासकर पैंथर, आबादी वाले हिस्सों तक पहुंच जाते हैं। ग्रामीणों ने कहा कि पिछले कुछ दिनो से पैंथर को भी देखा गया है। जिससे महिलाएं-बच्चे भय के साए में हैं, लोग शाम ढलते ही घरों में कैद हो जाते हैं। ज्ञापन में ग्रामीणों ने मांग की कि लच्छीदासजी मंदिर परिसर (वार्ड नं. 3), शीतला माता मंदिर प्रांगण और वार्ड नं. 4 में स्थित मीणा श्मशान घाट पर हाई मास्क लाइटें तत्काल

लगाई जाएं ताकि अंधेरे में छिपा खतरा खत्म हो सके और लोग सुरक्षित आवाजाही कर सकें। साथ ही वार्ड 4 स्थित श्मशान घाट क्षेत्र में सफाईकर्मी झाड़ू तो लगाते हैं लेकिन कचरे के ढेर को उठाया नहीं जाता, जिससे बदबू और गंदगी से लोगों का जीना दूभर हो गया है। ग्रामीणों ने नगरपालिका प्रशासन से इस स्थान पर नियमित कचरा उठाने और साफ-सफाई व्यवस्था को सख्ती से लागू करने की अपील की। ग्रामीणों ने कहा कि दीपावली जैसे रोशनी के पर्व पर मंडावर पालिका के ये पांच वार्ड अंधेरे में डूबे हैं। इसे लेकर ग्रामीणों ने एसडीएम और ईओ से आग्रह किया कि इन सभी समस्याओ को प्राथमिकता पर लेकर शीघ्र समाधान कराया जायें।

पुलिस ने पांच दिन से लापता युवक को दुर्गा मंदिर से सुरक्षित किया डिटेन

द डेस्प्रिंग

दौसा/मनोज खंडेलवाल । जिले में कानून और सुरक्षा व्यवस्था की साख बनाए रखते हुए पुलिस ने गुरुवार को सुबह करीब 9.30 बजे एक महत्वपूर्ण और तेज़ कार्रवाई करते हुए गुमशुदा युवक को सुरक्षित डिटेन किया। सूचना राजस्थान पत्रिका दौसा के संवाददाता रोशन जोशी ने टेलीफोन पर दी कि एक व्यक्ति दुर्गा मंदिर में मौजूद है। सूचना मिलते ही ड्यूटी ऑफिसर रामकल्याण ने अपनी टीम के साथ तुरंत मौके पर पहुंचकर युवक को डिटेन किया। पूछताछ में युवक अपने नाम, पता और परिजनों के बारे में कोई जानकारी देने में असमर्थ रहा। पुलिस ने तत्काल राजकोप एप के माध्यम से फोटो मिलान किया, जिससे युवक की पहचान और उसके परिवार के संबंध में अहम जानकारी मिली। थाना कोतवाली दौसा के मिश्रीलाल ने तुरंत थानाधिकारी मौजमाबाद, रामवतार चौधरी से संपर्क कर पुष्टि कराई। थानाधिकारी ने बताया कि युवक के परिजन पिछले पांच दिनों से उसकी बरामदगी के लिए थाने पर धरना दे रहे थे। गठित टीम ने तत्पर कार्रवाई करते हुए शिवराम हैड कानि 410 व पूजा कवंर मकानि 2442 को सुरक्षित सुपुर्द किया। इस कार्रवाई में मिश्रीलाल ने विशेष भूमिका निभाई, जबकि रामकल्याण और प्रेमचंद कांस्टेबल ने टीम संचालन और बरामदगी में महत्वपूर्ण योगदान दिया। टीम में विमला महिला कांस्टेबल ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई।

करनीकोट उप डाकघर में इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक द्वारा विशेष शिविर का आयोजन हुआ

द डेस्प्रिंग

मुंडावर /हवासिंह चौधरी । उपखण्ड क्षेत्र के करनीकोट उप डाकघर में इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (IPPB) के द्वारा विशेष शिविर का आयोजन शुक्रवार को हुआ । शिविर में मंजीत सैनी ने कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। करनीकोट पोस्टमास्टर शिवदत्त यादव ने सभी ग्राहकों का सम्मान किया। शिविर में ग्राहकों के खातों की आधार सीडिंग, री-केवाईसी (Re-KYC) तथा दुर्घटना बीमा से संबंधित कार्य किए गए। शिविर में ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और बैंकिंग सेवाओं का लाभ उठाया। कार्यक्रम का उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को डिजिटल बैंकिंग और बीमा योजनाओं से जोड़ना रहा।

गुरु तेगबहादुर के शहीदी शताब्दी नगर कीर्तन पर की पुष्पवर्षा

द डेस्प्रिंग न्यूज़

केशोरायपाटन(मुकेश जैन)। राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष बुद्धिप्रकाश शर्मा के नेतृत्व में सिखों के धर्मगुरु तेगबहादुर साहिब की 350 वीं शहीदी शताब्दी के उपलक्ष में निकाले नगर कीर्तन पर पुष्पवर्षा की। संगठन के जिलामंत्री अंकित गौतम ने बताया कि संगठन द्वारा सामाजिक समरसता के अनेक कार्य किए जाते हैं। इसी श्रृंखला में सर्वधर्म समभाव के उद्देश्य से समाज व राष्ट्र को जीवन समर्पण करने वाले गुरुतेगबहादुर के सम्मान में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश माध्यमिक सचिव योगेश कुमार शर्मा, संभाग संयुक्त मंत्री अनिल सामरिया, संभाग मीडिया प्रभारी सुरेश बैरागी, सेवानिवृत शिक्षक प्रतिनिधि रामेश्वर दुबे, जिला प्राथमिक सचिव पुष्पेंद्र सिंह, शारीरिक शिक्षक प्रतिनिधि रवि गौतम ,पूर्व संभाग संगठन मंत्री महेश शर्मा, पूर्व संगठन मंत्री रामराज बराला, पूर्व जिलामंत्री मुकेश कुमार शर्मा, राकेश शर्मा, उप,शाखाध्यक्ष मनोज जैन, उप,शाखामंत्री मनोज शर्मा, मुरली मनोहर माथुर, राजेश कछवा, सीपी नामा, प्रसून जोशी, निक्की अग्रवाल, आशु दाधीच, योगेश मीणा, पार्थ जोशी, सोहनलाल कुम्हार, लाभचंद कुशवाह ,सत्यनारायण दाधीच आदि अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्तागण मौजूद रहे।

दीपावली पर्व सहित आगामी त्यौहारों के मद्देनजर जिला पुलिस ने की नाकाबंदी

धौलपुर विजय श्रीवास्तव द डेस्प्रिंग न्यूज़

पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के निर्देशन में जिले में दीपावली पर्व सहित अन्य आगामी त्यौहारो के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था को चाकचौबंद कर दिया गया है। कल देर शाम और रात्रि में सभी थानों की पुलिस टीमों द्वारा अलग अलग स्थानों पर विशेष नाकाबंदी की गई। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में दीपावली त्योहार के दौरान कानून-व्यवस्था की सुदृढ़ता और आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ज़िला पुलिस पूरी तरह से मुस्तैद हो गई है। उन्होंने बताया है कि जिले में पुलिस द्वारा नाकाबंदी की जा रही है, जो अगले कुछ दिनों तक जारी रहेगी। नाकाबंदी के दौरान ज़िले के प्रवेश और निकास मार्गों सहित प्रमुख चौराहों पर हर संदिग्ध व्यक्ति और वाहन की बारीकी से जांच की जा रही है। विशेषकर, रात के

समय आवाजाही करने वाले वाहनों पर पैनी नज़र रखी जा रही है। पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के निर्देशन में कल शाम को की गई नाकाबंदी के दौरान वाहनों की सघन चेकिंग की गई इस दौरान 20 बिना नंबरी वाहनों, 07 ब्लैक फिल्म/काले शीशे, 06 अनाधिकृत लिख हुए शब्द वाले वाहनों एवं 89 वाहनों के खिलाफ यातायात के अन्य नियमों के उल्लंघन पर की कार्रवाई की गई। पुलिस अधीक्षक ने बताया है कि दीपावली के समय चोरी, जुआ, नकबजनी, अवैध हथियार तस्करी, और मादक पदार्थों की तस्करी जैसी अवैध गतिविधियों में वृद्धि की आशंका रहती है। इसलिए जिला पुलिस की टीमें इन पर सख्त निगरानी रखे हुए हैं। पुलिस का लक्ष्य है कि त्योहार के दौरान किसी भी आपराधिक घटना को होने से पहले ही रोका जा सके। नाकाबंदी से पुराने और वांछित अपराधियों की धरपकड़ में भी मदद मिलेगी। रात के समय गश्त भी बढ़ा दी गई है। यह कदम अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए उठाया गया है। आमजन भी सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करें। यदि उन्हें कोई भी संदिग्ध गतिविधि या व्यक्ति दिखाई दे, तो तुरंत पुलिस को सूचित करें।

मुंडावर विधायक ललित यादव ने की सोड़ावास कस्बे में दीपावली के पावन त्योहार पर आमजन और व्यापारी बंधुओं से मुलाकात की

द डेस्प्रिंग

मुंडावर /हवासिंह चौधरी । मुंडावाई विधायक ललित यादव ने मुलाक़ात के दौरान कहा कि इस सौहार्दपूर्ण मुलाकात निश्चित रूप से दीपावली के शुभ अवसर पर व्यापारी साथियों से हाल चाल जानने का अवसर मिल जाता है, क्योंकि ग्राम चौपालों और गांव के सामाजिक अनुष्ठानों में व्यापारी भाइयों से मिलना नहीं हो पाता है। इस वार्षिक परंपरा से सभी क्षेत्रवासियों से और साथियों से मिलने का मौका मिलता है। व्यापारी समुदाय की समस्याओं को सीधा जान सकें क्योंकि ग्राम चौपालों या अन्य ग्रामीण सामाजिक आयोजनों में अक्सर व्यापारी साथियों की उपस्थिति कम होती है। जिससे उनके विशिष्ट व्यावसायिक मुद्दों को समझना मुश्किल हो जाता है। यह एक ऐसा अनौपचारिक मौका होता है जब हम सभी वर्ग

के लोगों से मिलकर क्षेत्र के विकास और हाल-चाल पर बात कर सकते हैं। इस सौहार्दपूर्ण त्योहार के माहौल में मिलना, राजनीतिक दायरों से परे जाकर व्यक्तिगत और सामुदायिक संबंधों को मजबूत करता है। इस मौके पर पूर्व प्रधान रोहिताश्व चौधरी, पूर्व सरपंच सूरजभान बोहरा, अनिल शर्मा सामाजिक कार्यकर्त्ता,जिला पार्षद भीमराज यादव , सरपंच सुभाष मेघवाल,सरपंच उमेश यादव,पूर्व सरपंच सरलाराम गुर्जर, पूर्व सरपंच सोमदत्त शामदिया, पूर्व पंचायत समिति सदस्य भूप मेघवाल,महेश युवा नेता,धाकड़ यादव, एवं समस्त क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

विधायक ने पंचायत भवन का उद्घाटन एवं सड़क का शिलान्यास किया:ग्रामीणों की वर्षों पुरानी मांग पूरी,

द डेस्प्रिंग

पाटोदा / पप्पू लाल शर्मा । तासर बड़ी ग्राम पंचायत में नवीन पंचायत भवन एवं मोल्यासी गांव से तासर बड़ी में सड़क का शिलान्यास किया। साथ में ग्राम पंचायत भवन, पानी ट्यूबवेल का उद्घाटन भी किया। यह सड़क ग्रामीणों की वर्षों पुरानी मांग थी, जिससे उन्हें बरसात के दौरान जलभराव की समस्या से निजात मिलेगी। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने मुख्य अतिथि धोद विधायक गोवर्धन वर्मा, वशिष्ठ अतिथि प्रधान प्रतिनिधि मूलचंद रणवा ओमप्रकाश बिजारणिया,सेवद मंडल अध्यक्ष गोपाल सिंह,सोम सिंह अनोखु, श्रीपाल खिचड, डॉ कुलदीप, सरपंच बसकरी मेधवाल, महेश कुमार, श्यामपुरा सरपंच प्रतिनिधि रघुनाथ थालौड़, प्रहलाद कुलहरी का माल्यार्पण कर और साफा पहनाकर स्वागत किया। विधायक ने बताया कि तासर बड़ी के लोग लंबे समय से इस सड़क की मांग कर रहे थे, क्योंकि बारिश में गंदे पानी के भराव के कारण पैदल

चलने वालों को काफी परेशानी होती थी। इस सड़क निर्माण कार्य के लिए ग्रामीणों ने विधायक का आभार व्यक्त किया।
उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि अच्छी सड़क किसी भी क्षेत्र के विकास का पैमाना होती हैं। आवागमन की अच्छी सुविधा होने पर क्षेत्र का सर्वांगीण विकास होता है। कहा कि ग्रामीण और शहरी इलाकों में यातायात और आधारभूत संरचना को मजबूत करने के लिए लगातार पहल की जा रही है। इन सड़कों के निर्माण और मरम्मत से क्षेत्र में आवागमन सुगम होगा और जनता को राहत मिलेगी। नवीन पंचायत भवन में अच्छी सुविधा मिलेगी। इस अवसर पर रिछपाल फोगावट,मदन कुलहरी, भंवर गढ़वाल,लीलाधर शर्मा, केशर कुलहरि, दानाराम चौधरी,विकास कुलहरी, नेमीचंद डीलर, मोती सैनी सेवद बड़ी,दीपक शर्मा,आशुतोष शर्मा, दिनेश कुलहरि, हेमाराम कुलहरि बनवारी कुलहरि,ओमप्रकाश बगडिया,अनेक ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

रेडक्रॉस द्वारा खिलाड़ियों को दी गई सीपीआर ट्रेनिंग

धौलपुर विजय श्रीवास्तव द डेस्प्रिंग न्यूज़

धौलपुर । इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी जिला धौलपुर ने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार द्वारा रेडक्रॉस सोसायटी के माध्यम से पूरे देश में चलाए जा रहे जीवन रक्षक प्रणाली सीपीआर जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत शुक्रवार को बड़ी फील्ड खेल मैदान धौलपुर पर नियमित खेलने वाले 100 से अधिक युवाओं खिलाड़ियों को सी पी आर ट्रेनिंग दी गई
रेडक्रॉस के सीपीआर प्रशिक्षक डॉ प्रज्ञादीप वर्मा ने युवाओं खिलाड़ियों को जीवन रक्षक प्रणाली सी पी आर की सम्पूर्ण जानकारी देते हुए जनहानि को रोकने के ट्रेनिंग देकर प्रत्येक खिलाडी से सी पी आर का अभ्यास कराया रेडक्रॉस के सचिव संजीव श्रीवास्तव ने बताया कि स्वास्थ्य मंत्रालय भारत सरकार द्वारा आयोजित आकस्मिक दुर्घटनाओं में जनहानि को रोकने ले लिए सम्पूर्ण भारत में चलाए जा रहे सी पी आर जागरूकता कार्यक्रम के माध्यम से स्कूली बच्चों, खिलाड़ियों, मजदूरों,महिलाओं एवं ग्रामीणों को सी पी आर की ट्रेनिंग देकर जनहानि को रोकने का कार्य किया जा रहा है
उन्होंने बताया कि आज बड़ी फील्ड खेल मैदान पर नियमित अभ्यास करने वाले 100 से अधिकारी क्रिकेट, हांकी, फुटवाल खिलाड़ियों एवं उपस्थित खेल प्रेमियों को सी पी आर ट्रेनिंग दी गई जिससे खेल के दौरान होने वाली आकस्मिक दुर्घटनाओं से जनहानि को रोका जा सके इस अवसर पर जिला क्रिकेट संघ,जिला फुटवाल संघ, जिला हॉकी संघ के प्रशिक्षक एवं पदाधिकारी एवं खेल प्रेमी आदि मौजूद रहे।

राजकीय कार्यालयों का जिला कलक्टर ने किया औचक निरीक्षण

पीएचसी, आंगनवाड़ी व उप तहसील में व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

द डेस्प्रिंग

बापिणी / ओमप्रकाश प्रजापत । जिला कलक्टर श्वेता चौहान शुक्रवार को बापिणी उपखंड के दौरे पर रहीं। इस दौरान उन्होंने इशरु व मतोड़ा ग्राम पंचायतों में विभिन्न राजकीय कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया तथा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिला कलक्टर ने इशरु स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) का निरीक्षण किया। उन्होंने दवाइयों की उपलब्धता, रजिस्टर संधारण, ओपीडी रजिस्टर, स्टाफ की उपस्थिति, स्वच्छता व्यवस्था, टीकाकरण व मातृ-शिशु स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी ली। उन्होंने उपस्थित कार्मिकों को नियमित रूप से ओपीडी सेवाएं

संचालित करने और मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इसके बाद इशरु स्थित आंगनवाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने बच्चों को परोसे जाने वाले पूरक पोषण आहार की गुणवत्ता, बच्चों की उपस्थिति, वजन रजिस्टर तथा शिक्षण-सामग्री की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए खेल आधारित शिक्षण गतिविधियां संचालित करने के निर्देश दिए। इसके पश्चात जिला कलक्टर ने मतोड़ा में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने चिकित्सक व नर्सिंग स्टाफ से क्षेत्र में संचालित स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में जानकारी ली तथा ग्रामीणों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने मतोड़ा उप तहसील कार्यालय का भी निरीक्षण किया। उन्होंने राजस्व प्रकरणों की प्रविष्टियां, नामांतरण, गिरदावरी, दस्तावेजों के संधारण और आमजन को दिए जाने वाले सेवाओं की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि राजस्व कार्यों में पारदर्शिता व समयबद्धता बनाए रखें ताकि ग्रामीणों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। निरीक्षण के दौरान कलक्टर ने उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी विभाग अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण जिम्मेदारी के साथ करें। उन्होंने उपखंड में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर की प्रगति के संबंध में जानकारी लेते हुए आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान उपखंड अधिकारी अमिता विश्नोई सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहें।

टेल क्षेत्र में 20अक्टूबर से नहरों में जलप्रवाह शुरू करने की मांग

प्रतिनिधि मंडल ने अधीक्षण अभियंता को सौंपा ज्ञापन

द डेस्प्रिंग

केशोरायपाटन(मुकेशजैन) । देईखेडा बायी मुख्य नहरों में जलप्रवाह सीएडी प्रशासन ने 23अक्टूबर से नहरों में जलप्रवाह शुरू का निर्धारित समय घोषित किया है जिसको टेल क्षेत्र का एक प्रतिनिधिमंडल सीएडी अधिक्षण अभियंता कोटा से मिला और ज्ञापन सौंपा और कहा कि 23अक्टूबर के जलप्रवाह करना टेल क्षेत्र के किसानों के हित में नहीं है इससे फिर किसानों को समय रहते आगामी फसल बुवाई व रेलने में परेशानी होगी टेल क्षेत्र के किसानों के हितों के मद्देनजर जलप्रवाह 20से ही शुरू किया जाये प्रतिनिधि मंडल में देईखेडा सरपंच राजकुमार मीना, किसान नेता नरेंद्र बहडावली, विधायक प्रतिनिधि अशोक मीना,नहर अध्यक्ष हनुमान मीना झालीजीका बराना, सुरेश मीणा आदि साथ थे। सीएडी अधीक्षण

अभियंता हरेत लाल ने कहा कि अभी टेल क्षेत्र की ब्रांचों में टेल क्षेत्र में पूरे वेग से जलप्रवाह चलाने को लेकर कुछ आवश्यक कार्य चल रहे है जिस कारण 23अक्टूबर से जलप्रवाह शुरू किया जायेगा साथ ही पहले टेल क्षेत्र में जलप्रवाह पूरी मोनिटरिंग व गेज मेंटेन के साथ किया जायेगा।

साहित्य साधना काशी मंच की आन लाइन कवि गोष्ठी संपन्नः तख़लीक ए अरुण पुस्तक का विमोचन

द डेस्प्रिंग

गोरखपुर / संजय कुमार । विश्व शांति मिशन से संबद्ध साहित्य साधना काशी मंच पर आभासी कवि गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विषय शुभकामनायें रखा गया कार्यक्रम का शुभारंभ पटल की संचालिका के द्वारा माँ वीणावादिनी की सुंदर वंदना से किया गया, कार्यक्रम का आयोजन अरुण कुमार श्री वास्तव की पुस्तक "तखलीक-ए-अरुण" के प्रकाशन के उपलक्ष मे शुभकामना विषय पर आधारित था। उपस्थित सभी काव्य मनीषियों ने अपने सुंदर काव्य पाठ द्वारा मंच को ऊंचाई प्रदान की।गोष्ठी में उपस्थित कवि गण मीरा माध्वी ने पढा,श्री पति रस्तोगी ने पढ़ा,राम अवतार शर्मा, ललित तिवारी

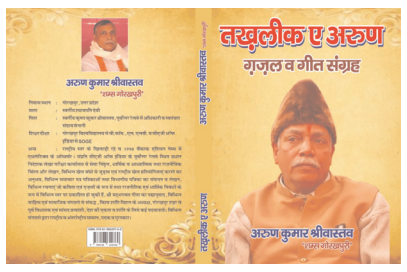

संजीदा खानम शाहीन, राम निवास तिवारी, राम अवतार शर्मा, सतीश शिकारी, कनक लता गौर ने अपनी सुंदर प्रस्तुति दी।ओमप्रकाश खरे अपनी बात कुछ यूं कही.खालिद हुसैन सिद्दीकी ने अपने जज्बात सुनाई ।

अरुण कुमार श्रीवास्तव ने पढा– पत्थर न फेक मेरी तरफ यूं उछाल कर,सुंदर काव्य पाठ किया। प्रेमलता रसबिंदु ने दुनिया पर बहुत सुंदर काव्य पाठ किया। कार्यक्रम का संचालन आदरणीय आलोक कुमार यादव व प्रेमलता रसबिंदु द्वारा किया गया। पटल की संरक्षिका सरोज विश्वकर्मा नलिनी ने कार्यक्रम का शुभारम्भ किया,और कार्यक्रम का समापन पटल के अध्यक्ष आदरणीय अरुण कुमार श्रीवास्तव द्वारा किया गया। अंत में आदरणीय। संचालिका प्रेमलता रसबिन्दु ने सभी काव्य मनीषियों का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम का समापन किया।पटल के अध्यक्ष अरुण कुमार श्री वास्तव की गजल संग्रह के प्रकाशन के शुभ अवसर पर शुभकामनायें विषय पर आधारित बहुत ही सुंदर-सुंदर मनमोहक गीत सभी काव्य मनीषियों ने पढ़े।

ओउमाश्रय सेवा धाम : सेवा, संस्कार और सहयोग का अद्भुत संगम

विविध सेवामूलक व आध्यात्मिक गतिविधियां संपन्न

ओउमाश्रय सेवा धाम – सेवा में ही जीवन है

द डेस्प्रिंग

जयपुर / अमरदीप शर्मा ओउमाश्रय ऑर्गेनिक किचन गार्डन का निरीक्षण पणेता डॉ. शिवराम मणि त्रिपाठी ने डेढ़ घंटे तक ओउमाश्रय ऑर्गेनिक किचन गार्डन का विस्तृत अवलोकन किया। उन्होंने नई रुंखड़ियां चिन्हित कीं, कई पेड़ों की पहचान बताई और उनकी औषधीय महत्ता समझाई। नई तरकारियां लगाने की सलाह देते हुए भावी कार्ययोजना तैयार की।

डॉ. त्रिपाठी ने फलों हेतु रू.500 भेंट किए।

आजीवन सदस्य का पर्यावरण सहयोग

मानसरोवर, जयपुर निवासी आजीवन सदस्य व पूर्व प्रिंसिपल श्रीमति विजयलक्ष्मी मजूमदार ने पांच बड़े पेड़ों के गमले एवं रू.500 की राशि भेंट की। सामग्री को सेवा साथी प्रदीप सैनी ई-रिक्शा से लेकर आए। ओउमाश्रय परिवार ने हार्दिक धन्यवाद और शुभकामनाएं व्यक्त कीं।

विदेशी अतिथियों का आगमन और यज्ञ में सहभागिता

संरक्षक सदस्य डॉ. दिनेश गुप्ता के पचास वर्षीय मित्र,
डॉ. क्रांति कुमार जैन (हेड ऑफ डिपार्टमेंट, फिजियोथेरेपी, ओस्लो, नॉर्वे)
अपनी धर्मपत्नी श्रीमति ऊषा जैन के साथ ओउमाश्रय पहुंचे।
साथ ही मित्र गया चरण गुप्ता, श्रीमति प्रयाग देवी (सवलगढ़, म.प्र.),
संरक्षक सदस्य इंजीनियर जगदीश गुप्ता व श्रीमति शकुंतला देवी गुप्ता भी उपस्थित रहे।

सभी ने यज्ञ में आहुतियां दीं

डॉ. जैन – रू.3101
इंजीनियर जगदीश गुप्ता –रू.1100
गया चरण गुप्ता – रू.1100
डॉ. दिनेश गुप्ता – रू.1000
ओउमाश्रय परिवार ने सभी अतिथियों का हार्दिक स्वागत एवं धन्यवाद किया।

बालक रघुवीर का तीसरा जन्मदिन ओउमाश्रय में मनाया गया

ओउमाश्रय संचालक देवेश गोयल, श्रीमति सीमा गोयल,
पुत्र ध्रुव गोयल व पुत्रवधू श्रीमति पोलोमी (बेंगलुरु) ने
पौत्र रघुवीर के तीसरे जन्मदिन पर यज्ञ में आहुतियां दीं।
फ्लाइट लेट होने के बावजूद परिवार ने समय पर भोजन प्रसादी वितरण किया।
परिजनों ने रू.5100 एवं प्रभुजनों को लड्डू भेंट किए।
ओउमाश्रय परिवार की ओर से बालक रघुवीर को आशीर्वाद प्रदान किया गया।

भामाशाहों का उदार सहयोग

वावूलाल (करीली, हिण्डोन) ने रू.2100 भेंट किए।
महू, हिण्डोन के आजीवन सदस्य रतिराम गर्ग ने दुकानों हेतु सफेद पल्लीयां, 5 लीटर फिनाइल तथा रू.500 प्रदान किए।
स्व. श्रीमति शारदा देवी की प्रथम पुण्यतिथि पर पुत्र कमलेश व कौशलेश मित्तल ने रू.11000 एवं पक्षियों के लिए मूंग, ज्वार, मक्का, बाजरा भेंट किया।

सेवा साथी जय सिंह का योगदान

सेवा साथी जय सिंह द्वारा प्रभुजनों की मस्ती का वीडियो तैयार किया गया,
जिसे सभी ने बड़े उत्साह के साथ देखा और सराहा।
ओउमाश्रय सेवा धाम परिवार ने सभी दाताओं, अतिथियों, सदस्यों एवं सेवा साथियों का हृदय से धन्यवाद प्रकट किया और सभी के उज्ज्वल, मंगल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

नगरपालिका परिसर मे शहरी सेवा शिविर का आयोजन किया गया

द डेस्प्रिंग

रानी । नगरपालिका खुर्द मे राज्य सरकार सेवा शिविर 2025 आयोजित किया गया ! इस शिविर मे पट्टा वितरण समारोह आयोजीत किया गया ! लगभग 10 पट्टो का वितरण किया गया ! रानी एस डि एम शिवा जोशी ने शिविर का निरक्षण किया तथा पट्टो का वितरण सामूहिक रूप से जन प्रतिनिधियों के साथ मिलकर किया ! इस अवसर पर रानी चैयर भरत राठौड , उपाध्यक्ष डालचंद चौहान , पार्षद ललीत सोनी , प्रतिपक्ष नेता ई लियाश चढ़वा , पार्षद तथा पूर्व

चैयर मैन घिसूलाल चौधरी , सिता देवी बंजारा , कपुराराम , जोधाराम, दिपचंद गर्ग , शिवीर मे एक विभाग छोड सभी हाजीर थे ! समाजीक न्याय / पेंशन विभाग तथा आंगड वाडी विभाग सभी शिवीरो मे पुरे दिन हाजीर रहा ! चिकत्सा विभाग के प्रकाश भटनागर ! पटवारी शंकर सिह , गजेन्द्र मिना ! रानी अधिशासी अधिकारी , जे ई यन , बाबूलाल कुमावात , धनाराम चौधरी, सुनील खीचड , श्रवणसिंह रहे उपस्थित !

ज़िला अग्रवाल अधिवेशन को लेकर की ऋषि कुमार मित्तल ने प्रेस वार्ता

धौलपुर विजय श्रीवास्तव द डेस्प्रिंग न्यूज़

धौलपुर। जिला अग्रवाल महासमिति के जिला अध्यक्ष ऋषि कुमार मित्तल ने प्रेस वार्ता के दौरान सभी जिले वासियों को दीपावली पर्व की शुभकामनाएं प्रेषित की।

प्रेस वार्ता में जिला अध्यक्ष ऋषि मित्तल ने बताया कि 26 अक्टूबर 2025 को बसेड़ी रोड़ स्थित निजी मेरिज होम शंभू रिसोर्ट बाड़ी मे होगा अग्र अधिवेशन एवं दीपावली स्नेह मिलन समारोह का आयोजन अग्रवाल महासमिति के जिला अध्यक्ष ऋषि कुमार मित्तल ने बताया कि अग्रवाल अधिवेशन के तहत समाज मे आर्थिक ,शिक्षा, संगठनात्मक एवं राजनीतिक उदेश्यों को लेकर दिया जोर. अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन पूर्वी

राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष गिरीश गर्ग,धौलपुर जिला अग्रवाल महासमिति के जिला मंत्री मुकेश बंसल ,अग्रवाल समाज संस्थान के अध्यक्ष मुकेश गोयल,संस्थान के मंत्री मनोज अग्रवाल,रजत अग्रवाल सहित हुए अन्य गणमान्य लोग मौजुद रहे ।

धोखाधडी करने के मामले में राशन डीलर गिरफ्तार

द डेस्प्रिंग

रुदावल / रामकुमार उपाध्याय। रुदावल थाना पुलिस ने फर्जी स्टांप लगाकर राशन डीलर का लाइसेंस बहाल कराकर धोखाधडी करने के मामले में आरोपी राशन डीलर को गिरफ्तार किया है। पुलिस उपाधीक्षक रूपवास नीरज भारद्वाज ने बताया कि गांव नारोली निवासी दिनेशचंद पुत्र बृजमोहन जाटव ने 8 जुलाई 2019 को गांव के ही राशन डीलर बनयसिंह पुत्र गोकुल जाटव के खिलाफ फर्जी स्टांप लगाकर राशन डीलर का लाइसेंस बहाल कराकर धोखाधडी करने का मामला दर्ज कराया था। पुलिस ने इस मामले में आरोपी गांव नारौली निवासी बनयसिंह पुत्र गोकुल जाटव को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। जहां उसे जेल भेज दिया है।

मुख्यमंत्री द्वारा दीपावली के दिन के कार्यक्रमों की तैयारियों का स्थलीय निरीक्षण

द डेस्प्रिंग

गोरखपुर / संजय कुमार । मण्डलायुक्त अनिल ढींगरा एवं डी0.आई0जी डॉ एस0 चेनप्पा के साथ वनटांगिया ग्राम में मुख्यमंत्री द्वारा दीपावली के दिन होने वाले कार्यक्रमों की तैयारियों का स्थलीय निरीक्षण करके वहां चल रही तैयारियों को देखा। प्रत्येक वर्ष की भांति मुख्यमंत्री दीपावली के दिन वनटांगिया ग्रामवासियों एवं उनके बच्चों के साथ दीपोत्सव मनाते है। इस दिन पर होने वाले प्रत्येक कार्यक्रम की बारीकी से समीक्षा मण्डलायुक्त द्वारा की गयी तथा कार्यक्रम स्थल एवं हैलीपैड का निरीक्षण कर सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि समय से सभी तैयारियां कर ली जायें तथा कार्यक्रम स्थल पर

आने वाले अन्य वनटांगियां ग्रामवासियों को सम्मान के साथ बैठाया जाये। इस अवसर पर जिलाधिकारी श्री दीपक मीणा, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री राजकरन, मुख्य विकास अधिकारी श्री शाश्वत त्रिपुरारी तथा आपूर्ति विभाग के जिला पूर्ति अधिकारी सहित कई अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहें।

रानी डाक विभाग द्वारा दुर्घटना बीमा जन जागरूकता शिविर आयोजित हुआ

द डेस्प्रिंग

रानी/नगराज वैष्णव । भारतीय डाक विभाग द्वारा इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक समूह व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा के अंतर्गत नगरपालिका परिसर में जनजागरुकता अभियान के अंतर्गत कैंप लगाकर आम जन एवं कर्मचारियों को योजना के फायदों की जानकारी दी। डाक निरीक्षक छिंदर सिंह ने बताया कि पालिका अध्यक्ष भरत जैन,उपाध्यक्ष डालचंद चौहान एवं अधिशाषी अधिकारी सुदर्शन जांगू के आतिथ्य में आयोजित कार्यक्रम में मेल ओवसीयर नारायण नाथ एवं ब्रांच पोस्ट मास्टर हिमांशु पलोड द्वारा योजना की जानकारी दी गई। इस अवसर पर शाखा डाकपाल महेंद्र कुमार चांचौड़ी ,दिनेश मीणा खिमेल,कैलाश मालवीय, राजवीर सिंह , नीतू खत्री ने सहयोग दिया।

सनाढ्य ब्राह्मण समाज बाड़ी के नवनिर्वाचित अध्यक्ष एवं युवा अध्यक्ष सहित गणमान्यों का किया स्वागत

द डेस्प्रिंग

बाड़ी/आशीष शर्मा । श्री सनाढ्य ब्राह्मण सेवा समिति बाड़ी के नवनिर्वाचित अध्यक्ष पवन चंसौरिया ट्रस्ट अध्यक्ष रवि पचौरी महामंत्री भुवनेश्वर शर्मा युवा अध्यक्ष संगीत शर्मा सहित ब्राह्मण समाज के गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत हरेश भंडारी के निज निवास पर किया गया। आयोजनकर्ता हरेश भंडारी ने और उनके परिवार ने निवास पर पधारे समाज के सुरेश दीक्षित, राधेश्याम चंसौरिया, सचिन दीक्षित, रघुवीर व्यास झिरी वाले, चन्दू पंडित धौलपुर,शैलेंद्र पचौरी सहित सभी आगुन्तकों का माला साफा एवं स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया।

इस अवसर पर पवन चंसौरिया ने कहा कि वह सभी समाज को साथ लेकर समाज में संगठन की मजबूती के लिए

पूरे दमखम से कार्य करेंगे।
युवा अध्यक्ष संगीत शर्मा एवं सचिन दीक्षित ने युवाओं को समाज में शिक्षा एवं एकता के लिए काम करने की बात कही। ट्रस्ट अध्यक्ष रवि पचौरी एवं भुवनेश्वर शर्मा द्वारा समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने पर चर्चा की। कार्यक्रम में ओमप्रकाश भण्डारी, जगमोहन भंडारी, हरिओम भंडारी, संजय भण्डारी,हरेश भण्डारी, कान्हा भण्डारी, सुरेश दीक्षित, राजेश मुद्गल ,मंयक पचौरी, अवधेश शर्मा, विवेक शर्मा, दीपक शर्मा आदि मौजूद थे।
कार्यक्रम के पश्चात ओमप्रकाश भण्डारी द्वारा सभी आगुन्तकों का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन राजेश मुद्गल नेताजी ने किया।

छात्राओं के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

द डेस्प्रिंग

गोरखपुर / संजय कुमार । महात्मा गांधी पी जी कॉलेज में आज थाना कोतवाली की पुलिस के द्वारा मिशन शक्ति कार्यक्रम के तहत महाविद्यालय की छात्राओं के लिए एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया । जिसमें छात्राओं की सुरक्षा हेतु शासन द्वारा दी गई विभिन्न सुविधाओं से संबंधित जानकारी प्रस्तुत की गई जिसमें मुख्यतः छात्राओं तथा बालिकाओं हेतु आपात स्थिति में उपयोग करने के लिए विभिन्न नंबरों जैसे 112 ,1090 के उपयोग पर चर्चा की गई तथा इसके अलावा साइबर अपराध से बचने के लिए विभिन्न उपायों की भी चर्चा की गई । व्याख्यान के उपरांत छात्राओं ने पुलिस कर्मियों के साथ व्यक्तिगत समस्याओं के निदान पर भी चर्चा की तथा अपने साथ होने वाले विभिन्न अनुभव को भी साझा किया अंत में पुलिस कर्मियों ने छात्राओं को उनके सुरक्षा हेतु भरोसा दिलाया । इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर अनिल कुमार सिंह तथा महाविद्यालय के मुख्य नियंता प्रोफेसर महेश यादव एवं डॉक्टर क्षमता श्रीवास्तव तथा डॉक्टर रविंद्र नाथ शुक्ला आदि मौजूद थे।

संपादकीय

लालू परिवार की मुश्किलें

बिहार चुनाव तपने लगा था, उसी दौरान सीबीआई की विशेष अदालत ने पूर्व रेल मंत्री लालू यादव, पत्नी राबड़ी देवी, पुत्र एवं नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव समेत 11 अन्य के खिलाफ आरोप तय कर दिए। अब चुनाव के दौरान ही 27 अक्तूबर से रोजाना अदालत सुनवाई करेगी, साक्ष्य पेश किए जाएंगे, बहस होगी और अंतिम चरण के मतदान 11 नवंबर से एक दिन पहले ही अदालत अपना अंतिम फैसला सुना सकती है। अर्थात लालू यादव और परिजनों को जेल भेजा जाएगा अथवा आरोप-मुक्त किया जाएगा। लालू पहले ही चारा घोटाले में, स्वास्थ्य के आधार पर, जमानत पर हैं। कई साल जेल की सजा भी काट चुके हैं। यह केस लालू यादव के रेलमंत्री कार्यकाल का है, जब केंद्र में कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार थी। लालू 2004-09 के दौरान केंद्रीय रेल मंत्री थे। लालू के उस दौर में जमीन के बदले नौकरियां दी गईं और भूमि के सस्ते हस्तांतरण के बदले आईआरसीटीसी होटल के घोटाले सामने आए। विशेष जज विशाल गोगने ने लालू यादव के आपराधिक साजिश का मुख्य सूत्रधार होने की आशंका जताई है। आपराधिक साजिश के अलावा, धोखाधड़ी, सार्वजनिक पद के दुरुपयोग और जनसेवक द्वारा आपराधिक दुराचरण की धाराओं में आरोप तय किए गए हैं। अदालत ने 244 पन्नों के फैसले में कहा है कि तत्कालीन रेलमंत्री लालू प्रसाद यादव ने सुजाता होटल, प्रेमचंद गुप्ता की पत्नी का होटल, के निदेशक विजय और विनय कोचर आदि के साथ मिलकर आपराधिक साजिश रची। रांची और पुरी के बीएनआर होटलों की उप-लीज के अनुबंधों में अनुचित लाभ दिए गए।

बदले में कोचर बंधुओं ने पटना की कीमती जमीन लालू के करीबी, पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रेमचंद गुप्ता की कंपनी को बेची। वह कंपनी लालू परिवार के नियंत्रण में आ गई। कंपनी के शेयर तेजस्वी और राबड़ी देवी के नाम कर दिए गए। जमीन हस्तांतरण भी मामूली कीमत पर उनके नाम हो गया। जिस संपत्ति का बाजार-मूल्य 94 करोड़ रुपए था और सर्किल रेट ही 32 करोड़ रुपए से अधिक था, वह 65 लाख रुपए में ही तेजस्वी और राबड़ी देवी के नाम कर दी गई। तब तेजस्वी नाबालिग थे, लेकिन करोड़ों रुपए की कंपनी और संपत्ति के मालिक थे। अदालत में वे कह रहे थे कि वे निर्दोष हैं। तो करोड़ों रुपए का हस्तांतरण उनके नाम कैसे हो गया? देश में किसी अन्य परिवार के साथ ऐसा क्यों नहीं हुआ? अदालत का गंभीर संदेह है कि तत्कालीन रेलमंत्री ने टेंडर प्रक्रिया को भी प्रभावित किया। तेजस्वी यादव इस मामले को सियासी साजिश करार दे रहे हैं और लगातार लड़ने की हुंकार भर रहे हैं। भारत सरकार में रेल मंत्री लालू यादव थे, घोटाला परिवार में रचा गया, तो सियासी साजिश कौन करेगा? यूपीए सरकार मई, 2014 तक रही।

विचार

यह महंगाई नहीं, नग्न बाजारवाद का बेशर्म परीक्षण है!

जब आपूर्ति कम होती है तो बाजार में चीजें दिखाई नहीं पड़ती हैं और उनकी कालाबाजारी होती है। अभी न तो जमाखोरी हो रही है, न ही कालाबाजारी। हो रही है तो सिफ र्और सिफ र्बेहिसाब-बेलगाम मुनाफाखोरी। इसे नग्न बाजारवाद का बेशर्म परीक्षण भी कह सकते हैं। जाहिर है कि सरकार या सरकारों ने अपने आपको जनता से काट लिया है। यह हमारे लोकतंत्र का बिल्कुल नया चेहरा है- घोर जनद्रोही और शुद्ध बाजारपरस्त। इस समय राष्ट्रीय जीवन के विभिन्न क्षेत्रों से आ रही तमाम दारुण खबरों के बीच आम आदमी के लिए सबसे ज्यादा निराश-हताश करने और डराने वाली खबर यह है कि उसे महंगाई से राहत मिलने के कोई आसार नहीं हैं। 'बहुत हुई महंगाई की मार...' का नारा लगाकर 2014 में प्रधानमंत्री बने नरेन्द्र मोदी, उनकी सरकार और उनकी पार्टी तो अब कभी भूल से भी महंगाई का नाम नहीं लेती। दो महीने पहले स्वतंत्रता दिवस के मौके पर लाल किले से संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा था, 'मैं जल्दी ही एक बड़ा फैसला लेने जा रहा हूं, जो आपको 'डबल दिवाली' का अहसास कराएगा।' उन्होंने वस्तु एवं सेवा कर यानी जीएसटी की दरों में सुधार करने की बात करते हुए कहा था कि लोगों को दिवाली का तोहफा मिलेगा और उनका जीवन आसान होगा। फिर पिछले महीने यानी सितंबर की 21 तारीख को राष्ट्र के नाम संदेश में उन्होंने जीएसटी की दरों में कटौती का ऐलान करते हुए दावा किया कि इससे आम लोगों को 2.5 लाख करोड़ रुपये की अनुमानित बचत होगी। उन्होंने यह दावा भी किया कि जीएसटी की दरों में सुधार से रोजमर्रा की कई जरूरी चीजें कर मुक्त और कई चीजें सिर्फ पांच फीसदी टैक्स के दायरे में आ गई हैं। प्रधानमंत्री ने अपनी इस घोषणा को 'जीएसटी बचत उत्सव' का नाम दिया। प्रधानमंत्री की इस घोषणा का मीडिया ने जोर-शोर से प्रचार किया। खुद सरकार ने भी मोदी को 'गरीबों का मसीहा' बताते हुए इसके प्रचार-प्रसार पर अरबों रुपये फूंक डाले। जबकि हकीकत यह है कि जीएसटी की दरों में कटौती का यह फैसला जीएसटी परिषद की 56वीं बैठक में लिया गया था। गौरतलब है कि देश के सभी राज्यों के मुख्यमंत्री जीएसटी परिषद के सदस्य हैं। इसलिए जीएसटी की दरों में कटौती का फैसला अकेले प्रधानमंत्री का नहीं बल्कि सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों की सहमति से लिया गया था। ऐलान पीएम ने किया था। अगर सभी राज्य सहमत नहीं होते तो यह फैसला नहीं हो सकता था। बहरहाल गाजे-बाजे के साथ हुई प्रधानमंत्री की घोषणा के बावजूद बाजार में रोजमर्रा की जरूरत की वस्तुओं मसलन अनाज, दाल-दलहन, आटा, चीनी, मसाले, सब्जी, फल, दूध, खाद्य तेल, घी, दवाई, साबुन, कपड़ा, चप्पल-जूते आदि की कीमतों में रत्ती भर की कमी नहीं आई है। हां, कुछ चीजों के दामों में पहले की अपेक्षा कुछ बढ़ोतरी जरूर हो गई है। पेट्रोल और डीजल के दाम पहले से ही बढ़े हुए हैं, जबकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में उनके दामों में निरंतर कमी आ रही है। ऐसा नहीं कि महंगाई का कहर हाल के वर्षों में कोई पहली बार टूटा हो। महंगाई पहले भी होती रही है। जरूरी चीजों के दाम पहले भी अचानक बढ़ते रहे हैं, लेकिन थोड़े समय बाद फिर नीचे भी आए हैं परन्तु इस समय तो मानो बाजार में आग लगी हुई है। वस्तुओं की लागत और उनके बाजार भाव में कोई संगति नहीं रह गई है। इस मामले में आम आदमी लाचार और असहाय होते हुए जिस सरकार से आस लगाए हुए है कि वह कुछ करेगी, वह सरकार सिर्फ निर्गुण विकास, स्वदेशी और राष्ट्रवाद का बेसुरा राग अलापते हुए जनता को आत्मनिर्भर बनने की नसीहत दे रही है। कीमतों की इस दोहरी मार ने आम आदमी के भोजन के इंतजाम को इकहरा कर दिया है। इस सिलसिले में सरकार की ओर से कभी-कभार दी जाने वाली सफाई भी कतई विश्वसनीय नहीं है। मानसून का कमजोर रहना या पर्याप्त बारिश नहीं होना, ऐसा कारण नहीं है कि इनका असर सभी चीजों पर एक साथ पड़े। इसका सबसे बड़ा प्रमाण यह है कि कीमतें इतनी ज्यादा होने के बावजूद बाजार में किसी भी आवश्यक वस्तु का अकाल-अभाव दिखाई नहीं पड़ता। जब आपूर्ति कम होती है तो बाजार में चीजें दिखाई नहीं पड़ती हैं और उनकी कालाबाजारी होती है। अभी न तो जमाखोरी हो रही है, न ही कालाबाजारी। हो रही है तो सिफ र्और सिफ र्बेहिसाब-बेलगाम मुनाफाखोरी। इसे नग्न बाजारवाद का बेशर्म परीक्षण भी कह सकते हैं। जाहिर है कि सरकार या सरकारों ने अपने आपको जनता से काट लिया है। यह हमारे लोकतंत्र का बिल्कुल नया चेहरा है- घोर जनद्रोही और शुद्ध बाजारपरस्त। तीन दशक पहले तक जब किसी चीज के दाम असामान्य रूप से बढ़ते थे तो सरकारें कुछ तो हस्तक्षेप करती थीं। यह अलग बात है कि इस हस्तक्षेप का कोई खास असर नहीं होता था, क्योंकि उस मूल्य वृद्धि की वजह वाकई उस चीज की दुर्लभता या अपर्याप्त आपूर्ति होती थी। यह स्थिति पैदा होती थी उस वस्तु के कम उत्पादन की वजह से। अब तो सरकारों ने औपचारिकता या दिखावे का हस्तक्षेप भी बंद कर दिया है। वे बिल्कुल बेफिक्र हैं- महंगाई का कहर झेल रही जनता को लेकर भी और जनता को लूट रही बाजार की ताकतों को लेकर भी। कुछ साल पहले तक महंगाई पर लगाम लगाने के मकसद से रिजर्व बैंक भी हरकत में आता था और अपने स्तर पर कुछ कदम उठाता था, लेकिन अब महंगाई उसकी चिंता के दायरे में नहीं आती। उसकी स्वायत्ता का अब अपहरण हो चुका है।

हरियाणा पुलिस का संकट काल

-डॉ. सत्यवान सौरभ-

हरियाणा इन दिनों एक ऐसे दौर से गुजर रहा है, जहाँ पुलिस महकमे की साख, मनोबल और संवेदनशीलता तीनों एक साथ संकट में दिखाई दे रहे हैं। पहले आईपीएस अधिकारी पूरन कुमार की आत्महत्या ने पूरे राज्य को झकझोर दिया और अब एएसआई संदीप लाठर की खुदकुशी ने इस त्रासदी को और गहरा कर दिया है। दोनों घटनाएँ न केवल पुलिस विभाग के भीतर की बेचैनी को उजागर करती हैं, बल्कि यह भी बताती हैं कि कानून के रखवाले ही जब अपने जीवन से हार मानने लगें, तो समाज की बुनियाद कितनी डगमगा जाती है।

एएसआई संदीप लाठर ने आत्महत्या से पहले जो वीडियो जारी किया, उसमें उसने अपने अफसरों और सिस्टम के रवैये पर सवाल उठाए। इससे पहले आईपीएस पूरन कुमार की मौत के बाद भी कई सवाल अनुत्तरित रह गए थे। अब इन दो आत्महत्याओं ने मिलकर एक ऐसा सिलसिला शुरू कर दिया है, जिसने हरियाणा पुलिस की छवि पर गहरा धब्बा छोड़ दिया है। आम जनता यह सोचने पर मजबूर है कि जो विभाग सुरक्षा और न्याय का प्रतीक माना जाता है, उसके भीतर इतना असंतोष, अविश्वास और भय कैसे पनप गया।

हरियाणा पुलिस देश की सबसे अनुशासित और जुझारू पुलिस बलों में गिनी जाती रही है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में हालात ऐसे बने हैं कि इस बल के भीतर मनोबल टूटने लगा है। कहीं राजनीतिक दबाव है, कहीं जातिगत खींचतान, तो कहीं अफसरों के बीच अंतर्विरोध। आईपीएस पूरन कुमार की आत्महत्या के मामले में कई लोगों ने सवाल उठाया था कि क्या उन्हें किसी साजिश का शिकार बनाया गया? और अब संदीप लाठर की मौत के बाद यह सवाल और भी गंभीर रूप ले चुका है।

यह पूरा घटनाक्रम किसी वेब सीरीज की तरह उलझा हुआ प्रतीत होता है, जिसमें हर पात्र का अपना दर्द है और हर मोड़ पर नया रहस्य खुलता है। परंतु यह कोई काल्पनिक कथा नहीं, बल्कि एक वास्तविक त्रासदी है-उन परिवारों की जिनके सदस्य कानून के रक्षक थे और अब उनकी आत्माएं न्याय की पुकार लगा रही हैं।

कानून और व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी जिन लोगों के कंधों पर होती है, जब वही खुद अवसाद, निराशा और असहायता के शिकार हों, तो यह किसी भी राज्य के लिए चेतावनी की घंटी है। हरियाणा में हाल के वर्षों में कई बार पुलिस कर्मियों ने खुले मंच से यह स्वीकार किया है कि उनकी कार्यस्थितियाँ बेहद तनावपूर्ण हैं। लंबी ड्यूटी, छुट्टियों की कमी, ऊपरी आदेशों का दबाव और समाज की नकारात्मक धारणा झ ये सभी कारण एक पुलिसकर्मी के मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा असर डालते हैं।

चिंता की बात यह है कि आत्महत्या जैसे चरम कदम का सिलसिला अब पुलिस में आम होता जा रहा है। पहले चंडीगढ़, अब रोहतक-हर बार एक नई जगह से वही खबर आती है कि एक और वदीर्धारी ने अपनी जान दे दी। यह सवाल उठाना लाजमी है कि आखिर पुलिस विभाग में ऐसा माहौल क्यों बन रहा है जहाँ मनोबल इतना कमजोर पड़ रहा है कि जीवन ही बोझ लगने लगे।

कुछ लोगों का तर्क है कि इन घटनाओं के पीछे जातिवाद और राजनीति की भूमिका है। हरियाणा जैसे राज्य में, जहाँ जातीय समीकरण राजनीति से लेकर प्रशासन तक गहराई से जुड़े हुए हैं, यह संभावना पूरी तरह से नकारा नहीं जा सकती। किसी अधिकारी के साथ भेदभाव या दबाव, चाहे वह जातिगत हो या राजनीतिक, मानसिक रूप से तोड़ सकता है। यह वही आग है जो धीरे-धीरे पूरे सिस्टम को निगल रही है। हरित प्रदेश हरियाणा का सामाजिक ताना-बाना तभी सुरक्षित रहेगा, जब प्रशासन जातिवाद से ऊपर उठकर ईमानदार और निष्पक्ष कार्रवाई करेगा। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि शहीद कौन है-आईपीएस पूरन कुमार या एएसआई संदीप लाठर? दोनों ही अपने-अपने स्तर पर सिस्टम से लड़ते हुए हार गए। अगर कोई पुलिसकर्मी अपने अफसरों से न्याय की उम्मीद खो दे, तो वह किससे उम्मीद करेगा? जब ₹सेवा, सुरक्षा और सहयोग₹ का आदर्श वाक्य ही खोखला लगने लगे, तो यह न केवल संस्थागत विफलता है बल्कि मानवीय करुणा का भी अंत है। इस पूरे घटनाक्रम में मुख्यमंत्री नायब सैनी और डीजीपी ओपी सिंह की जिम्मेदारी बेहद अहम हो जाती है। उच्च स्तरीय जांच तो जरूरी है, लेकिन उससे भी ज्यादा जरूरी है एक ऐसा सिस्टम तैयार करना जो पुलिसकर्मियों के मानसिक स्वास्थ्य की रक्षा करे। जिला स्तर पर काउंसलिंग सत्र आयोजित किए जाने चाहिए ताकि कर्मचारी अपने तनाव, दबाव और व्यक्तिगत समस्याओं को साझा कर सकें। यदि किसी पुलिसकर्मी की मानसिक स्थिति अस्थिर पाई जाए तो उसे तुरंत मनोवैज्ञानिक सहायता दी जानी चाहिए और जब तक वह पूरी तरह सक्षम न हो, उसे सर्विस रिवॉल्वर न दिया जाए। यह सुझाव किसी सजा की तरह नहीं, बल्कि एक सुरक्षा कवच की तरह देखा जाना चाहिए। पुलिस की नौकरी आसान नहीं होती। हर दिन अपराधियों से सामना, समाज की उम्मीदें, और ऊपर से आदेशों की जटिलता- इन सबके बीच इंसानियत को बचाए रखना कठिन है। अगर मानसिक स्थिरता को प्राथमिकता नहीं दी गई, तो ऐसी आत्महत्याओं की श्रृंखला आगे भी जारी रह सकती है। हरियाणा सरकार को यह भी समझना होगा कि पुलिस सिर्फ कानून लागू करने वाली एजेंसी नहीं, बल्कि समाज का आईना है। जब उसमें दरारें पड़ती हैं, तो समाज की छवि भी टूटती है। पुलिस के भीतर आपसी सहयोग, सम्मान और संवाद की संस्कृति को मजबूत करना बेहद आवश्यक है। अफसरों और अधीनस्थों के बीच संवाद की कमी ही सबसे बड़ा कारण बनती है मनोबल गिरने का।

राज्य के गृह मंत्रालय को चाहिए कि वह एक स्वतंत्र ₹पुलिस मानसिक स्वास्थ्य प्रकोष्ठ₹ स्थापित करे, जो केवल पुलिसकर्मियों की भावनात्मक और मानसिक स्थिति पर निगरानी रखे। साथ ही, विभाग के भीतर जवाबदेही तय हो कि कोई भी अफसर अपने अधीनस्थों पर अनावश्यक दबाव या अपमानजनक व्यवहार न करे।

आज हरियाणा पुलिस एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है जहाँ उसे अपने अस्तित्व और आदर्श दोनों को बचाना है। यह समय आत्ममंथन का है-कि आखिर कहाँ गलती हुई, किस बिंदु पर वह सेवा और सुरक्षा से संदेह और संदेहास्पद मौतों तक पहुँच गई। राजनीतिक हस्तक्षेप, जातिवादी खींचतान, मीडिया ट्रायल और सोशल मीडिया के दबाव ने पहले ही खाकी की गरिमा को कमजोर किया है। अब जरूरत है उस आत्मविश्वास को लौटाने की जो कभी हरियाणा पुलिस की पहचान हुआ करता था।

सत्ता में बैठे लोगों को यह समझना होगा कि पुलिस केवल आदेश मानने वाली मशीन नहीं, बल्कि संवेदनशील मनुष्य हैं। जब तक उन्हें सम्मान, न्याय और सुरक्षा नहीं मिलेगी, तब तक कानून का शासन भी सुरक्षित नहीं रहेगा। आखिर में राहत साहब के शब्द इस पूरे घटनाक्रम का सटीक बयान करते हैं –

₹चरागों को उछाला जा रहा है, हवा पर रौब डाला जा रहा है, न हार अपनी, न अपनी जीत होगी, मगर सिक्का उछाला जा रहा है।₹ हरियाणा पुलिस के लिए यह वक्त आत्ममंथन का है-एक तरफ व्यवस्था की सच्चाई है, दूसरी तरफ वदीर्धारियों की टूटती हिम्मत।

अगर इस सच्चाई को स्वीकार कर सुधार के रास्ते नहीं खोले गए, तो यह सेवा, सुरक्षा, सहयोग नहीं बल्कि संघर्ष, संदेह और आत्मघात की परंपरा बन जाएगी। हरियाणा को आत्मघाती पुलिस नहीं, आत्मसम्मान से भरी पुलिस की जरूरत है-ताकि लोग जब ₹खाकी₹ देखें, तो डर नहीं, भरोसा महसूस करें।

युद्धों से भला शांति कैसे आएगी?

-प्रो. मनोज डोगरा-

विश्व में युद्ध किसी भी देश से हो, निर्दोष लोगों की जान का दुश्मन बन जाता है। बबार्दी, बर्बरता, मौत, मातम व नुकसान यही वो चीजें हैं जो युद्ध देकर जाता है। जीवन भर का दुःख, पीड़ा का जन्म होता है। युद्ध कभी भी किसी भी देश के लिए लाभदायक सिद्ध नहीं होता है, क्योंकि उसमें मानवता को क्षति होती है। इसलिए युद्ध न केवल मृत्यु और विनाश का कारण बनते हैं, बल्कि स्थायी शारीरिक और मानसिक चोट भी पहुंचाते हैं, जो अंत तक उन लोगों को परेशान करती रहेगी जो उनसे प्रभावित होते हैं। पृथ्वी पर जीवन अनमोल और अद्वितीय है। तार्किक रूप से, हम अपनी सभ्यता की प्रगति के ऐसे चरण में हैं कि हमें युद्धों के निहितार्थों को जानना चाहिए और उन्हें होने ही नहीं देना चाहिए। युद्धों में कोई वास्तविक विजेता नहीं होता है क्योंकि इसमें शामिल सभी पक्षों को परिणाम भुगतना पड़ता है जिसमें अक्सर दोनों पक्षों के हताहतों की संख्या अधिक होती है। जब भी युद्ध होता है, दोनों देशों को मानवीय मूल्यों से हाथ धोना पड़ता है। उन देशों की तो क्षति होती ही है, इसका असर दूसरे देशों पर भी पड़ता है, चाहे वह आर्थिक तौर पर हो, राजनीतिक, सामाजिक या नैतिक तौर पर, युद्धों से होने वाली क्षति की कभी भी भरपाई नहीं हो पाती। विश्व गवाह है प्रथम व द्वितीय विश्व युद्ध के दंशों का, जिनकी याद जब भी आती है, नरसंहार व बबार्दी की तस्वीर जहन में जाग जाती है। सवाल उठता है लाभ क्या हुआ? आज जहां तकनीक का युग है, एक-दूसरे देश पर निर्भरता बढ़ती जा रही है, वहीं दूसरी तरफ युद्ध का खतरा भी दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। थोड़े से विवाद पर एक देश दूसरे देश पर गोला बारूद बरसाने लग जाता है। एक मोर्चे पर लड़ाई रुकती नहीं कि उतने में दूसरा मोर्चा उभर कर युद्ध के मुहाने पर आकर खड़ा हो जाता है। रूस-यूक्रेन का युद्ध सालों से चला आ रहा है जिसमें केवल मानवता का नुकसान हो रहा है, तो दूसरी तरफ इजरायल-फिलिस्तीन, इजरायल-ईरान की लड़ाई भी विश्व को डरा रही है। रूस के द्वारा यूक्रेन के खिलाफ छेड़ा गया युद्ध अभी तक जारी है और फिलहाल इसका कोई परिणाम नहीं दिख रहा। सभी देश एक-दूसरे पर निर्भर हैं जिससे एक बात निश्चित है कि इसका प्रभाव पूरे विश्व मं पड़ रहा है। युद्ध चाहे कोई भी हो, कौनसा भी हो, लेकिन वह कभी भी किसी भी देश की लोकतांत्रिक राजनीति और अर्थव्यवस्था के लिए ठीक नहीं होता। एक युद्ध जिन देशों के बीच में छिड़ता है, केवल उनकी ही नहीं बल्कि पूरे विश्व की शांति भंग करता है। इसका उदाहरण हमें यूक्रेन बनाम रूस तथा इजरायल-फिलिस्तीन व इरान के युद्ध से मिल रहा है। लाखों लोग रूस-यूक्रेन युद्ध में अपनी जान गंवा चुके हैं। आखिर उनका दोष क्या था? आम जनता कभी भी युद्ध नहीं चाहती बल्कि यह तो उसे झेलना पड़ता है। वो तो अपने शासक के निजी कारणों की वजह से इसमें पिस जाती है। केवल एक व्यक्ति की वजह से जो कि स्वयं युद्ध लड़ता भी नहीं है, उसकी वजह से लाखों बेकसूर लोगों की जान चली जाती है। न जाने कितने लोगों से उनका परिवार छिन जाता है, और अगर जनता इसके खिलाफ कोई कदम उठाना चाहे तो उनकी आवाज को दबा दिया जाता है तथा उन्हें देशद्रोही घोषित कर दिया जाता है। उदाहरण के लिए अगर आप यूक्रेन को लें तो यह देखने को मिलेगा कि यूक्रेन के खिलाफ रूस का युद्ध यूक्रेनी लोगों के लिए मानवीय, सामाजिक और आर्थिक संकट पैदा कर रहा है। सिर्फ यूक्रेन ही नहीं बल्कि रूस को भी बहुत हानि हो रही है लेकिन रूस युद्ध की आड़ में अंधा हो गया है जिसे अपना और अपने लोगों का नुकसान नहीं दिख रहा। उसको अब हार मानने से होने वाली लज्जा अपने लोगों की जान से ज्यादा प्यारी है। इस पूर्ण पैमाने पर सैन्य आक्रमण के परिणाम वस्तुओं की वैश्विक आपूर्ति को बाधित कर रहे हैं, खाद्य और ऊर्जा की कीमतों में तेजी से वृद्धि कर रहे हैं। यूक्रेन युद्ध और उसके बाद रहने की लागत के संकट का मतलब है कि सबसे गरीब बच्चों को आवश्यक सेवाओं तक पहुंचने की संभावना और भी कम है और बाल विवाह, हिंसा, शोषण तथा दुर्व्यवहार का खतरा अधिक है। कई लोगों के लिए, बचपन की गरीबी जीवन भर रहती है। यूक्रेन के खिलाफ रूस का युद्ध शुरू होने के लगभग दो साल बाद, इसने पश्चिम को एकजुट कर दिया है, लेकिन बाकी दुनिया के साथ बढ़ती हुई खाई को उजागर कर दिया है जो भविष्य की वैश्विक व्यवस्था की रूपरेखा को परिभाषित कर रही है। इसने युद्ध, लोकतंत्र और शक्ति के वैश्विक संतुलन के दृष्टिकोण में तीव्र भौगोलिक अंतर का खुलासा किया। रूस की आक्रामकता एक विश्व व्यवस्था के उद्भव को चिह्नित करने वाला ऐतिहासिक मोड़ हो सकता है। रूस द्वारा किए गए आक्रमण से भारत पर पश्चिमी गठबंधन और रूस के बीच चयन करने का दबाव बढ़ रहा है।

रूस के साथ मजबूत संबंध बनाए रखना भारत के राष्ट्रीय हितों को पूरा करता है। भारत को रूस के साथ एक मजबूत रणनीतिक गठबंधन बनाए रखना है। परिणामस्वरूप भारत रूस को अलग-थलग करने के उद्देश्य से किसी भी पश्चिमी रणनीति में शामिल नहीं हो सकता है। भारत के लिए, दो प्रत्यक्ष प्रभाव हुए हैं और दूसरा, लेकिन कोई कम महत्वपूर्ण, अप्रत्यक्ष प्रभाव नहीं है, शुरूआत के लिए इसने ऊर्जा और उर्वरक दोनों के लिए हमारे आयात बिल को बढ़ा दिया।

क्या यही है 'संघ' के सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की सच्चाई ?

-निर्मल रानी-

गत 2 अक्टूबर यानी विजय दशमी के दिन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आर एस एस) की स्थापना के 100 वर्ष पूरे हो गये। संघ की स्थापना डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार द्वारा 1925 में विजय दशमी के दिन राष्ट्र निर्माण और सामाजिक जिम्मेदारी के 'घोषित उद्देश्य' से की गयी थी। संगठन की स्थापना के समय यही बताया गया था कि संघ एक स्वयंसेवी संगठन है, जिसका उद्देश्य देशवासियों में संस्कृति के प्रति जागरूकता, अनुशासन, सेवा और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को बढ़ाना है। शताब्दी वर्ष के इस अवसर पर देश भर में अनेक आयोजन हुये जिसमें संघ का गुणगान किया गया। संघ समर्थक सत्ताधारियों द्वारा संघ का कसीदा पढ़ने वाले अनेक लेख लिखे गये। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जोकि स्वयं भी संघ प्रचारक रह चुके हैं, ने राष्ट्र निर्माण में आर एस एस के योगदान की सराहना की। मोदी ने संघ के शताब्दी समारोह में कहा कि -'संघ ने पिछली एक सदी में अनगिनत जीवनों को दिशा दी और मजबूत बनाया। जिस तरह सभ्यताएं महान नदियों के किनारे विकसित होती हैं, उसी तरह संघ की धारा के साथ सैकड़ों जीवन खिले और आगे बढ़े हैं। फर का उद्देश्य हमेशा एक ही रहा राष्ट्र निर्माण।₹ इस अवसर पर प्रधानमंत्री द्वारा संघ के नाम पर स्मारक सिक्के और डाक टिकट भी जारी किए गये। संघ के लोग इसे विश्व का सबसे बड़ा समाजसेवी संगठन बताते हैं। आज देशभर में लाखों स्वयंसेवकों के माध्यम से संघ अपने 'घोषित व अघोषित' कार्यों में सक्रिय है। परन्तु यह भी सच है कि स्थापना के समय से ही संघ विवादों में घिरा रहा है। इतना बड़ा संगठन होने के बावजूद संघ पर संस्था के रजिस्टर्ड संस्था न होने के साथ साथ इस पर साम्प्रदायिकता फैलाने व धर्म जाति के आधार पर नफरत फैलाने का भी आरोप लगता रहा है। देश का एक बड़ा वर्ग महात्मा गाँधी की हत्या में संघ की साम्प्रदायिक विचारधारा को भी जिम्मेदार मानता है। इस बात के भी ऐतिहासिक प्रमाण मिलते हैं कि बापू की हत्या के बाद संघ कार्यालय में जश्न मनाया गया था और मिठाइयां बांटी गयीं थीं। देश के विभाजन से लेकर आज तक देश में हुये अनेकानेक साम्प्रदायिक दंगों में संघ के कार्यकर्ता आरोपित रहे हैं। इतना ही नहीं बल्कि संघ के अनेक कार्यकताओं पर चरित्रहीन होने,बलात्कार व बाल व्यभिचारी होने तक के आरोप लगते रहे हैं। और इसे भी अजीब संयोग समझा जाना चाहिये कि संघ की स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने के अवसर पर जब संघ,सत्ता व भाजपा संघ के शताब्दी वर्ष के जश्न में डूबे हुये हैं इसी दौरान संघ द्वारा संचालित शाखाओं में जहां बच्चे ₹संस्कार₹ के नाम पर भेजे जाते हैं,केरल के एक युवक द्वारा संघ व इसके अनेक सदस्यों द्वारा उसके साथ बार-बार किये गये यौन शोषण के बाद आत्महत्या कर लेने जैसे कदम ने संघ के वास्तविक चाल चरित्र और चेहरे को उजागर कर दिया है। केरल के कोट्टायम जिले के एलिकुलम निवासी 26 वर्षीय आईटी प्रोफेशनल युवक, अनंदु आजी ने 9 अक्टूबर 2025 को तिरुवनंतपुरम के थंपानूर स्थित एक होटल के कमरे में आत्महत्या कर ली।

अनंदु आजी की आत्महत्या के बाद उनके द्वारा मलयालम भाषा में लिखा गया 7 से 15 पेज लंबा सुसाइड नोट सार्वजनिक हुआ। इस नोट में अनंदु ने बेहद गंभीर आरोप लगाए हैं। जिसमें आरएसएस (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) के सदस्यों द्वारा बचपन से उसके साथ लगातार किये जा रहे यौन शोषण और बलात्कार का जिक्र है।

मंडावर के जंगलों में फिर दिखा पैंथर, दहशत में ग्रामीण

द डेस्प्रिंग

मंडावर/मनोज खंडेलवाल । मंडावर नगरपालिका क्षेत्र के पहाड़ी जंगलों में इन दिनों एक अदृश्य खौफ पसरा हुआ है। बीते कई दिनों से पैंथर के देखे जाने की खबरों और उसके फोटो-वीडियो के वायरल होने के बाद ग्रामीणों की रातों की नींद उड़ गई है। गाँव मंडावर के आस-पास के इलाकों में यह खूंखार जानवर लगातार घूमता नजर आ रहा है, जिससे पूरे क्षेत्र में भय और बेचैनी का माहौल गहरा गया है। ग्रामीण अब सांझ ढलते ही घरों के दरवाजे

बंद कर लेते हैं और बच्चों व मवेशियों को बाहर नहीं निकलने देते। वन विभाग की टीम ने पैंथर को पकड़ने के लिए पहाड़ी क्षेत्र में एक विशेष पिंजरा लगाया हुआ है, लेकिन कई रातों की कोशिशों के बावजूद सफलता अब तक हाथ नहीं लगी। विभागीय कर्मचारियों द्वारा हर रात पिंजरे में एक श्वान को लालच के रूप में सुरक्षित तरीके से रखा जाता है और सुबह उसे मुक्त कर दिया जाता है, मगर चालाक पैंथर अब तक जाल में नहीं आया है। शुक्रवार शाम को फिर से गाँव मंडावर के मोक्षधाम और जलदाय विभाग कार्यालय के नजदीकी जंगलों में पैंथर देखे जाने से हड़कंप मच गया। ग्रामीण गुड्डी सैनी ने बताया कि करीबन शाम सात बजे पहाड़ी की ओट में पैंथर घूमता हुआ दिखाई दिया, जिसे कई ग्रामीणों ने मोबाइल कैमरे में कैद कर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। सूचना मिलते ही मंडावर पुलिस मौके पर पहुँची, क्षेत्र का निरीक्षण किया और ग्रामीणों से सतर्क रहने, बच्चों व पशुओं को अकेला न छोड़ने तथा रात के समय खेतों या जंगल की ओर न जाने की अपील की। वहीं स्थानीय वन मित्र छोटेलाल मीना ने बताया कि पैंथर की मूवमेंट की पुष्टि हो चुकी है और टीम ने पिंजरे के आसपास फिर से चारा डालने की तैयारी कर ली है। विभाग लगातार स्थिति पर नज़र बनाए हुए है और उम्मीद की जा रही है कि जल्द ही पैंथर को सुरक्षित पकड़ा जा सकेगा। इधर, ग्रामीणों के अनुसार प्रशासन को इलाके में अतिरिक्त पिंजरे लगाने और रात के समय गश्त बढ़ानी चाहियें। उनका कहना है कि जब तक पैंथर को पकड़ा नहीं जाता, भय का यह माहौल समाप्त नहीं होगा। इस बीच मंडावर पुलिस और वन विभाग की संयुक्त टीमें चौकसी में जुटी हैं। जंगल की अंधेरी चुप्पी के बीच अब सिर्फ एक सवाल गूंज रहा है – क्या आज रात वह पिंजरे में फँसेगा या फिर मौत का यह साया मंडावर

जेकेके में साकार हुई भारत की विराट सांस्कृतिक छवि

सुनहरी यादें देकर विदा हुआ 28वां लोकरंग, 28 राज्यों के 2500 कलाकारों ने दी असरदार प्रस्तुति

द डेस्प्रिंग

जयपुर ।11 दिनों से लोक कलाओं के लालित्य से सराबोर कर रहे लोकरंग महोत्सव का समापन समारोह शुक्रवार को हुआ। 11 दिनों से लोक कलाओं के लालित्य से सराबोर कर रहे लोकरंग महोत्सव का समापन समारोह शुक्रवार को हुआ। 'लुप्तप्राय वाद्ययंत्रों की लयबद्ध मनमोहक धुन, भारत के सांस्कृतिक वैभव की अद्भुक झांकी और और दीपावाली का उत्साह जवाहर कला केन्द्र में नजर आया। 11 दिनों से लोक कलाओं के लालित्य से सराबोर कर रहे लोकरंग महोत्सव का समापन समारोह शुक्रवार को हुआ। जहां राष्ट्रीय लोक नृत्य समारोह के अंतर्गत मध्यवर्ती में विभिन्न राज्यों के लोक कलाकारों ने प्रस्तुति दी, वहीं खास तौर पर 50 से अधिक वाद्य यंत्रों की सिम्फनी, चारों दिशाओं से नृत्य करते कलाकारों के एक मंच पर आने से भारत मिलन का जो दृश्य साकार हुआ उसने कला प्रेमियों के दिल पर अमिट छाप छोड़ दी।

मध्यवर्ती से सभी कलाकार शोभा यात्रा निकालते हुए शिल्पग्राम पहुंचे जहां से लोकरंग के झंडे को उतारकर 11 दिवसीय राष्ट्रीय लोकनृत्य समारोह और राष्ट्रीय हस्तशिल्प मेले का विधिवत समापन हुआ। गौरतलब है कि 7 अक्टूबर से शुरु हुए 11 दिवसीय महोत्सव में 25 राज्यों के लगभग 2500 कलाकारों ने मध्यवर्ती के मंच पर भारत की विविध संस्कृति का अद्भुत और आकर्षक दृश्य प्रस्तुत किया। प्रत्येक दिन विभिन्न राज्यों के कलाकार मंच पर पौराणिक कथाओं और लोक संस्कृति को जीवंत करते रहे।

विहिप एवं गौ रक्षा दल ने गौवंश की सुरक्षा एवं पॉलिथिन प्रतिबंध को लेकर दिया ज्ञापन

द डेस्प्रिंग

बाड़ी/आशीष शर्मा । विश्व हिंदू परिषद ,गौ रक्षा दल ने गोवंशों की सुरक्षा के लिए पॉलिथिन पर प्रतिबंध लगाने की मांग की। जिसके तहत विश्व हिंदू परिषद एवं गौ रक्षा दल द्वारा उपखण्डाधिकारी बाड़ी को गोवंशों की सुरक्षा के लिए पॉलिथीन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के लिए ज्ञापन दिया गया । गौरक्षा प्रमुख अजय कसाना ने बताया कि गौवंश की सड़कों पर पड़े कचरे एवं प्लास्टिक पॉलिथिन को खाकर अकाल मृत्यु हो रही है।इसलिए गौवंश की सुरक्षा की दृष्टिगत पॉलिथिन पर प्रतिबंध लगाना जरूरी है। वही विहिप

अध्यक्ष डॉ. जितेंद्र गुलपारिया ने क्षेत्र वासियों से अपील करते हुए कहा कि दुकानदार, सब्जी विक्रेता सहित आम नागरिक खाने-पीने की वस्तुओं को पॉलिथिन की थैलियों में भरकर इधर-उधर सड़कों पर न फैंके। इस मौके पर अजय कसाना सचिन डॉयला, हर्षित अवस्थी, बृजेश राजपूत, प्रशांत गुर्जर , श्यामू शर्मा, शिव शर्मा ,चिराग शर्मा, रोहित गुर्जर, मयंक शर्मा समेत कई गौ रक्षक उपस्थित रहे।

मिशन शक्ति 5.0 : प्रेमनगर पुलिस द्वारा नाबालिग लड़की सकुशल परिजनों को सुपुर्द

द डेस्प्रिंग

(अनुभव मोहन सक्सेना ब्यूरो बरेली) । मिशन शक्ति 5.0' के तहत बरेली प्रेमनगर पुलिस और महिला सुरक्षा हेतु विशेष दल ने उत्कृष्ट कार्य किया। गुरुवार को पीआरवी 0162 को सड़क पर घूमती हुई एक नाबालिग लड़की मिली, जिसे तत्काल थाने लाया गया। उप निरीक्षक आरती चौधरी द्वारा पूछताछ करने पर लड़की ने अपना नाम नन्दिनी (उम्र 15 वर्ष, कक्षा 9 की छात्रा) तथा घर खटीमा बताया। लड़की ने बताया कि वह कल, 15.10.2025 की शाम से घर से लापता थी और पिछले दो महीने से बीमार है। प्रेमनगर पुलिस के महिला

सुरक्षा दल ने त्वरित कार्यवाही करते हुए परिजनों से संपर्क साधा। जिसके बाद खटीमा, उद्यम सिंह नगर निवासी नन्दिनी की बड़ी बहन प्रेमनगर थाने पहुँची और पहचान की।प्रेमनगर पुलिस द्वारा नाबालिग लड़की को उसकी बहन के सकुशल सुपुर्द कर दिया गया। प्रेमनगर पुलिस की इस तत्परता और संवेदनशीलता की सराहना की जा रही है।

राज्यवर्धन राठौड़ बोले- झोटवाड़ा को मॉडल क्षेत्र बनाएं

आने वाली पीढ़ियां कहें- यहीं से विकास की दिशा बदली थी

द डेस्प्रिंग

जयपुर । कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने वीडियो जारी करके जयपुर के झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में पिछले 22 महीनों को ब्योरा दिया है। कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने वीडियो जारी करके जयपुर के झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में पिछले 22 महीनों को ब्योरा दिया है। उन्होंने वीडियो जारी कर कहा है कि बुनियादी ढांचे, सड़क, सीवरेज, ड्रेनेज, शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन और जल प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में व्यापक विकास कार्य शुरू किए गए हैं। यह जनता के भरोसे, सहभागिता और मजबूत टीमवर्क का परिणाम है, जिसने झोटवाड़ा को एक नई दिशा दी है।

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा,

यह तो बस शुरुआत हैज हमारा संकल्प है कि हम सब मिलकर झोटवाड़ा विधानसभा को मॉडल क्षेत्र बनाएं ताकि आने वाली पीढ़ियां कहें "यहीं से विकास की दिशा बदली थी। सीवरेज और ड्रेनेज के क्षेत्र में ?450 करोड़ की लागत से दो बड़े प्रोजेक्ट्स पर काम शुरू- राठौड़

उन्होंने कहा- सीवरेज और ड्रेनेज के क्षेत्र में रू.450 करोड़ की लागत से दो बड़े प्रोजेक्ट्स पर काम शुरू हो चुका है। वार्ड 47, 48, 51, 53, 56, 59, 60 और 63 (गोकुलपुरा, सिरसी, मीनावाला, पांच्यावाला, गिरधारीपुरा, धाबास, गजसिंहपुरा) तथा मुंडियारामसर से सिरसी रोड पर सीवरेज का कार्य प्रगति पर है। रू.48 करोड़ के मास्टर ड्रेनेज प्रोजेक्ट के तहत मुंडियारामसर से सिरसी रोड और कालवाड़ रोड से बांडी नदी तक जल निकासी की व्यवस्था का कार्य भी शुरू किया गया है। इससे इस मानसून में आठों अंडरपास में जलभराव की समस्या समाप्त होने की उम्मीद है। इसके अतिरिक्त, वार्ड 56 मे रू.2 करोड़ से पंपिंग स्टेशन और पार्क का विकास हो रहा है, जबकि वार्ड 53 मे रू.3 करोड़ से तलाई विकास, वाटर हार्वेस्टिंग, ओपन जिम और पार्क का निर्माण किया जा रहा है।

सुमेरपुर परियोजना स्तर पर महिला बाल विकास विभाग द्वारा 08वां पोषण माह

द डेस्प्रिंग

नगराज वैष्णव । पंचायत समिति सुमेरपुर भवन में मनाया गया जिसमें श्रीमान उपनिदेशक महोदय राजेश कुमार,श्रीमान विकास अधिकारी प्रमोद दवे,श्रीमान तहसीलदार दिनेश आचार्य उपस्थित रहे. मुख्य आतिथ्य एवं राजेश कुमार उप निदेशक बाल विकास विभाग पाली की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उनके द्वारा गर्भवती महिलाओं, धात्री महिलाओं एवं बच्चों को कुपोषण से बचने के लिए किए जा रहे कार्यों की सरहना की उप निदेशक बाल विकास विभाग पाली राजेश कुमार ने कार्यकर्ताओं को विभाग में चल रहीविभिन्न योजनाओं की विस्तृतजानकारी देते हुए जिम्मेवारी के साथकार्य करने के निर्देश दिए। सुपरवाइजर प्रिया वर्मा ने बताया कि परियोजना स्तर की आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा महिलाओं व बच्चोंको दिए जाने वाले पोषाहार के विभिन्न व्यंजन प्रदर्शनी लगाई गई उप निदेशक राजेश कुमार ने कार्यकर्ताओं द्वारा बनाए गए विभिन्न व्यंजनों कीप्रदर्शनी का अवलोकन कर व्यंजनोंका स्वाद भी टेस्ट कर उन्हें धन्यवाद दिया इस अवसर पर सुपरवाइजर प्रिया वर्मा, सुमन कुमारी (कनिष्ठ लेखाकार) ,करण सिंह देवडा (वरिष्ठ सहायक) तेज सिंह राजपूत ब्लॉक समन्वयक ,प्रेमराज कनिष्ठ सहायक, भगवती अहीर सहित परियोजना स्तर की समस्त आंगनवाड़ी कार्यकर्ता उपस्थित रही

सामाजिक समरसता सहभोज समाज में एकता का संदेश

पैरासूट नही पैराग्लाइडर उतरते हैं लालकुंआ में - ललित आर्य

द डेस्प्रिंग

सितारगंज (दीपक भारद्वाज) चोरगलिया आज वरिष्ठ भाजपा नेता ललित कुमार आर्य ने प्रेसवार्ता की व कई अहम मुददों पर बेबाकी से अपनी बात रखीं . कुछ समय पूर्व लालकुंआ विधानसभा के गौलापार - चोरगलियां में भव्य कार्यक्रम किया गया ॥सामाजिक समरसता सहभोज ॥ जिसमें भाजपा युवा नेता व प्रदेश महामंत्री युवा मोर्चा दीपेन्द्र सिंह कोश्यारी जी का जन्मदिन मनाया गया तथा सामाजिक सहभोज के माध्यम से सामानता का संदेश दिया गया कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री / राज्यपाल श्रीभगत सिह कोश्यारी की गरिमामयी उपस्थिति रही मुख्य अतिथि रेखा आर्य महिला सशस्तीकरण. खेल. युवा कल्याण

रही. कार्यक्रम में हजारों क्षेत्रिय जनता के साथ स्थानीय जनप्रतिनिधि भी रहें . ललित आर्य ने बताया की विपक्षी व विरोधी इसे युवा नेता दीपेन्द्र कोश्यारी की लांचिग बता रहे है जबकी दीपेन्द्र 7 - 8 वर्षो से लालकुंआ में सक्रीय हैं तथा जनता के बीच है ये कार्यक्रम दीपेन्द्र ने सामाजिकता का संदेश देने को तैयार किया और काफी हद तक प्रदेश में संदेश देने में सफल रहें! कार्यक्रम में वर्तमान प्रदेश महामंत्री श्रीमती दीप्ति रावत भारद्वाज . मेयर जोगेन्द्र रौतेला. जिला अध्यक्ष श्री प्रताप सिह बिस्ट मंडी अध्यक्ष अनिल कपूर डब्बू . राज्य मंत्री शंकर कोरगां. जिला पंचायत अध्यक्ष दीपा दर्मवाल नगर पंचायत अध्यक्ष सुरेन्द्र लोटनी. दुग्ध संघ अध्यक्ष मुकेश बोरा दर्जा मंत्री दिनेश आर्य व सभी जनप्रतिनिधि शामिल रहें. ललित आर्य ने 4-5 लोगों द्वारा जो दुष्प्रचार शोसल मिडिया में फैलाया जा रहा है कि दीपेन्द्र कोश्यारी पैरासूट है उस पर भी अपनी बात रखते हुये कहां की पहले तो जो लोग ऐसा माहौल बना रहें है वो समझ लें पैरासूट किसे कहते है कोई बिहार. मध्य प्रदेश. उत्तर प्रदेश हिमाचल से नही आया सब पर्वतीय पहाड़ो से आये है सांसद अजय भट्ट. सौरभ बहुगुणा . यशपाल आर्य स्वयं मुख्यमंत्री धामी चम्पावत से उपचुनाव लड़े ये उत्तराखण्ड वाशियों के लिये कब से ऐसा चलन बना रहें हैं जो लोग ऐसे प्रचार में लगें है वो अपने समर्थक जनप्रतिनिधि का सीधा नुकशान कर रहें है पैरासूट नही पहांड़ से पैराग्लाईडर उतरा है और सभी पैराग्लाईडर ही उतरें हैं. बाकि पार्टी जिस पर अपना विश्वास रखेगी उसे ही सब एकजुटता से जितायगें ललित आर्य ने कहां की विकास की राजनिति हो विनाश की नही समाज को बांटने की राजनिति लालकुंआ विधानसभा में नही चलेगी ये जनता ने सहभोज से दिखा भी दिया

मण्डावरी हत्याकांड का खुलासा – अवैध संबंध के विवाद में युवक की पीट-पीटकर हत्या, चार आरोपी गिरफ्तार

डीएसटी दौसा और मण्डावरी थाना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई से खुला सनसनीखेज राज

द डेस्प्रिंग

मण्डावरी / मनोज खंडेलवाल । क्षेत्र में 15 अक्टूबर की रात घटित हुए युवक की निर्मम हत्या के सनसनीखेज मामले का

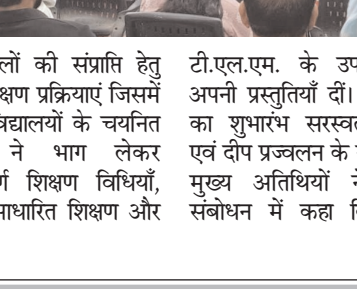

पुलिस ने पर्दाफाश कर दिया है। डीएसटी दौसा और मण्डावरी थाना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। प्रारंभिक जांच में खुलासा हुआ है कि हत्या का कारण मृतक के आरोपी परिवार की एक महिला से अवैध संबंध था, जिसे लेकर उपजे आक्रोश में चारों युवकों ने लाठी, सरियों और बेल्ट से हमला कर युवक की हत्या कर दी। थानाधिकारी रामकंवर के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने दर्ज प्रकरण संख्या के तहत त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों – दिलखुश मीना, दिलराज मीना उर्फ धोल्या, अभिषेक मीना उर्फ अभि और यशपाल मीना उर्फ पीयूष उर्फ पन्नू को धरदबोचा। मामला उस समय उजागर हुआ जब 16 अक्टूबर की सुबह मृतक मक्खनलाल मीना (18 वर्ष) के पिता भोगराज मीना ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसके पुत्र को 15 अक्टूबर की रात किसी ने फोन कर बुलाया था। देर रात इन्द्रराज के पुत्र ने फोन पर कहा – "हमने तेरे बेटे के हाथ-पैर तोड़कर टीला वाले बाबा के रास्ते में फेंक दिया है।" सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुँचे, जहाँ मक्खनलाल मृत अवस्था में पड़ा मिला। शव को मण्डावरी उपजिला चिकित्सालय ले जाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। रिपोर्ट दर्ज होते ही डीएसटी दौसा और थाना पुलिस की टीमें सक्रिय हो गईं। आरोपियों की तलाश में दौसा, जयपुर और सवाईमाधोपुर जिलों में दबिश दी गई। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि दो आरोपी ट्रेन से हैदराबाद भागने की फिराक में हैं। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उत्तर प्रदेश के गथुरा जंक्शन से अभिषेक मीना और यशपाल मीना को दबोच लिया, जबकि दिलखुश मीना और दिलराज मीना को मण्डावरी क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया गया। अनुसंधान से यह तथ्य सामने आया कि मृतक का आरोपी दिलराज मीना के परिवार की महिला से अवैध संबंध था। इसी रंजिश में चारों युवकों ने योजनाबद्ध तरीके से 15 अक्टूबर की रात ढाणी घोलीपाल तन खुर्रा क्षेत्र में मक्खनलाल को बुलाया और बेरहमी से पीट-पीटकर उसकी हत्या कर दी। गिरफ्तार आरोपी दिलखुश मीना (22) पुत्र इन्द्रराज, निवासी ढाणी घोलीपाल तन खुर्रा थाना मण्डावरी। दिलराज मीना उर्फ धोल्या (20) पुत्र इन्द्रराज, निवासी घोलीपाल तन खुर्रा के लिए विशेष टीमें गठित की गई हैं।

शिक्षा की गुणवत्ता और कक्षा स्तरीय सीखने के प्रतिफलों में सुधार के उद्देश्य

कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ

द डेस्प्रिंग

सितारगंज (दीपक भारद्वाज) । शिक्षा की गुणवत्ता और कक्षा स्तरीय सीखने के प्रतिफलों में सुधार के उद्देश्य से आज दिनांक 17 अक्टूबर को सितारगंज क्षेत्र में प्रारंभिक शिक्षा विभाग सितारगंज एवं अज़ीम प्रेमजी फाउंडेशन के संयुक्त प्रयास से "शिक्षक सेमिनार का आयोजन अत्यंत सफलतापूर्वक किया गया इस सेमिनार का मुख्य विषय था। कक्षा स्तरीय सीखने

के प्रतिफलों की संप्राप्ति हेतु प्रभावी शिक्षण प्रक्रियाएं जिसमें विभिन्न विद्यालयों के चयनित शिक्षकों ने भाग लेकर नवाचारपूर्ण शिक्षण विधियाँ, अनुभव आधारित शिक्षण और टी.एल.एम. के उपयोग पर अपनी प्रस्तुतियाँ दीं। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ मुख्य अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान नहीं बल्कि बच्चों में जीवन कौशल, जिज्ञासा और आत्मविश्वास विकसित करने की प्रक्रिया है। इस प्रकार के आयोजन शिक्षकों के बीच अनुभव साझा करने और अधिगम को गहराई देने में अत्यंत उपयोगी हैं सेमिनार में कुल 11 शिक्षकों ने अपनी प्रस्तुतियाँ दीं। पैनलिस्ट के रूप में डोरीलाल गंगवार, राकेश सुमन, राजेंद्र कार्की तथा मुबीना मलिक ने अपनी विशेषज्ञ टिप्पणियों के माध्यम से कार्यक्रम को और अधिक समृद्ध किया। पैनल सदस्यों ने शिक्षकों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि कक्षा में हर बच्चे की सीखने की गति और शैली अलग होती है, इसलिए व्यक्तिगत अधिगम पर ध्यान देते हुए क्रियात्मक एवं सहयोगात्मक शिक्षण विधियाँ अपनाना समय की मांग है। उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षण केवल अध्यापन नहीं, बल्कि बालमन को समझने और प्रेरित करने की कला है। कार्यक्रम का संचालन अत्यंत प्रभावशाली ढंग से जशोद मेहता एवं बीना चौहान द्वारा किया गया। दोनों संचालकों ने कार्यक्रम को ऊर्जावान, संवादात्मक और प्रेरणादायी बनाए रखा। समापन सत्र में सभी शिक्षकों ने यह संकल्प लिया कि वे अपने विद्यालयों में सीखी गई तकनीकों और विचारों को लागू करेंगे, जिससे कक्षा-कक्ष में बच्चों का सीखना अधिक रोचक और सार्थक बने सेमिनार के अंत में सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र प्रदान किए गए तथा भविष्य में ब्लॉक स्तरीय शिक्षण कार्यशालाओं के आयोजन की घोषणा भी की गई शिक्षक सेमिनार 2025 यह संदेश देकर संपन्न हुआ कि यदि शिक्षक स्वयं सीखते रहें और अपने अनुभव साझा करते रहें, तो शिक्षा की गुणवत्ता में निरंतर सुधार संभव है कार्यक्रम ने न केवल शिक्षकों को एक साझा मंच प्रदान किया बल्कि यह भी सिद्ध किया कि सीखने की प्रक्रिया तब सबसे प्रभावी होती है जब उसमें शिक्षक और विद्यार्थी दोनों सक्रिय भागीदार बनते हैं।

'शुद्ध आहार, मिलावट पर वार अभियान'

चौमूं के चीथवाड़ी में 500 किलोग्राम मिलावटी दूध व मावा नष्ट करवाया, 20 नमूने लिए

द डेस्प्रिंग

जयपुर । 'शुद्ध आहार, मिलावट पर वार अभियान' के तहत सीएमएचओ जयपुर प्रथम डॉ. रवि शेखावत के निर्देशन एवं पुलिस प्रशासन के सहयोग से चौमूं के चीथवाड़ी गांव में 15 मावा निर्माण यूनिटों का निरीक्षण किया। इस दौरान मावा एवं दूध के 20 नमूने लेकर जांच लिए भेजे हैं। दो निर्माण यूनिट पर मावे में मिलावट करने वाली स्किम्ड मिल्क पाउडर, वनस्पति एवं इससे बने करीब 500 किलो मिलावटी दूध एवं मावे को मौके पर नष्ट करवाया। इधर, फर्म कमल सेठू, मुकेश मावा पनीर भंडार, बाबूलाल मावा पनीर उद्योग, आरएल मिल्क प्रॉडक्ट के निरीक्षण में सफाई व अन्य खामियां मिलीं। इनको नोटिस जारी किया। फर्म मुकेश मावा पनीर भण्डार एवं मदनलाल शर्मा मावा निर्माता के पास लाइसेंस नहीं होने पर धारा-63 के तहत प्रकरण का कोर्ट में परिवाद दर्ज कराया जाएगा।

स्किम्ड मिल्क पाउडर, रिफाइंड सोयाबीन तेल की मिलावट

खाद्य सुरक्षा आयुक्त टी.शुभमंगला ने बताया कि फर्म मावा निर्माता मदनलाल शर्मा द्वारा स्किम्ड मिल्क पाउडर, रिफाइंड सोयाबीन तेल, दूध से मिलावटी मावा तैयार पाया गया। लगभग 50 किलो मावा 90 लीटर क्रीम निकला हुआ/कम फेट का दूध, 35 किलोग्राम स्किम्ड मिल्क पाउडर को मौके पर नष्ट कराया गया। इसी तरह से फर्म लाला हरि एल.एच.मावा पनीर द्वारा स्किम्ड मिल्क पाउडर, वनस्पति, दूध आदि से मिलावटी मावा तैयार कर रहे थे। लगभग 100 किलो मावा 125 लीटर घोल (क्रीम निकला हुआ/कम फेट का दूध व मिल्क पाउडर) 75 किलोग्राम स्किम्ड मिल्क पाउडर व 2 किलो वनस्पति को मौके पर नष्ट कराया गया।

संक्षिप्त समाचार

बिहार एसआईआर से चुनाव आयोग ने भी ली सीख, पश्चिम बंगाल में ढील देने की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार में मतदाता सूची के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) को लेकर उठे विवादों और कानूनी चुनौतियों के बाद, चुनाव आयोग अब इस प्रक्रिया में बड़े बदलाव करने जा रहा है। इसका उद्देश्य मतदाताओं की परेशानियों को कम करना और प्रक्रिया को मतदाता अनुकूल बनाना है। बिहार में स्ढ्ढक्र के दौरान दस्तावेजों की जटिल मांग, फॉर्म न भरने पर नामों की बड़ी संख्या में हटाई गई प्रविष्टियां (डिलीशन) और बहुत कम समय सीमा जैसी समस्याओं को लेकर मतदाताओं में असंतोष था। अब आयोग इन तीनों बिंदुओं पर लचीलापन लाने की योजना बना रहा है। बिहार में पहली बार हर मतदाता से नए दस्तावेजों की मांग की गई थी, जिससे लोगों में भ्रम और तनाव फैला। अब आयोग इस नीति में बदलाव पर विचार कर रहा है ताकि कम से कम मतदाताओं को दस्तावेज जमा करने पड़ें। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी पुराने रजिस्टरों और पारिवारिक लिंक के आधार पर ऐसे मतदाताओं की पहचान कर रहे हैं जिनसे नए सिरे से प्रमाण पत्र नहीं मांगे जाएंगे। बिहार में इस साल एसआईआर के दौरान करीब 65 लाख नाम ड्राफ्ट वोटर लिस्ट से हटा दिए गए थे इनमें मृतक, स्थानांतरित व्यक्ति और वे लोग शामिल थे जिन्होंने एन्यूमरेशन फॉर्म या दस्तावेज जमा नहीं किए। यह प्रक्रिया पहले के रिवीजन की तुलना में असामान्य थी। अब आयोग विचार कर रहा है कि ड्राफ्ट सूची से नाम न हटाए जाएं, बल्कि हर मतदाता को अंतिम सूची प्रकाशित होने से पहले फिर से शामिल होने का अवसर दिया जाए। बिहार में एसआईआर प्रक्रिया तीन महीने तक चली। 25 जून से एक महीने तक एन्यूमरेशन, फिर 30 दिन में वेरिफिकेशन, और 30 सितंबर को अंतिम सूची जारी की गई। यह कार्यक्रम विधानसभा चुनावों की घोषणा से सिर्फ छह दिन पहले पूरा हुआ। इस तंग समय सीमा ने मतदाताओं और सरकारी कर्मचारियों दोनों पर बेहद दबाव डाला। अब आयोग मानता है कि इतनी कठोर समय सीमा, वह भी चुनाव से ठीक पहले, व्यावहारिक नहीं है। इसलिए भविष्य के स्ढ्ढक्र में अवधि बढ़ाने का फैसला लिया जा सकता है। चुनाव आयोग के पास अगले एसआईआर के लिए ज्यादा समय नहीं है। पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में मई 2026 तक नई विधानसभा बननी है। आयोग आम तौर पर फरवरी के अंत तक चुनाव कार्यक्रम घोषित करता है, इसलिए दीपावली के तुरंत बाद इन राज्यों में एसआईआर की घोषणा की संभावना है। हाल ही में बाढ़ या मौसम की विपरीत परिस्थितियों से प्रभावित राज्य तथा वे राज्य जहां स्थानीय निकाय चुनाव होने हैं, उनमें एसआईआर को अगले चरण में आयोजित किया जाएगा।

मिलावट का गंदा खेल, गाजियाबाद में कहां से आया साढ़े सात कुंतल नकली पनीर?

नई दिल्ली, एजेंसी। गाजियाबाद के खाद्य सुरक्षा विभाग ने मंगलवार देर रात अलीगढ़ से लाए जा रहे सात कुंतल मिलावटी पनीर नष्ट कराया। इसके साथ ही विभाग की अन्य टीम ने 300 किलोग्राम मिलावटी खोए के नमूने लेकर उसे भी नष्ट कराया। जिला अभिहित अधिकारी अरविंद कुमार यादव ने बताया कि मंगलवार देर रात खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम जनपद की सभी सीमाओं पर तैनात थी। यूपी गेट पर तैनात टीम ने करीब रात एक बजे अलीगढ़ से आ रहे माल वाहक वाहन को रोका और उसकी जांच की। इस दौरान 750 किलो मिलावटी पनीर के नमूने लेकर उसे मौके पर नष्ट कराया। वहीं, दूसरी टीम चौपला मंदिर के पास तैनात थी। मेरठ से माल वाहक वाहन में बोरियों में भरकर लाया जा रहा 300 किलो मिलावटी खोए को पकड़ा। नमूना लेकर इसे भी मौके पर नष्ट कराया। अधिकारी ने बताया कि विभाग द्वारा अभियान चलाकर अब तक जनपद से कुल 126 नमूने खाद्य पदार्थों के लिए जा चुके हैं। इसमें विभिन्न प्रकार जैसे खोए की मिठाई, सोनपापड़ी, बर्फी, मेवों की मिठाई के साथ अन्य खाद्य सामग्री शामिल हैं। इसके अलावा कृषि विभाग और एसटीएफ आगरा की टीम ने मुरादनगर में बंबा रोड कॉलोनी में एक गोदाम पर छापेमारी कर एक हजार से अधिक खाद के कट्टे बरामद किए। पुलिस ने गोदाम को सील कर सैंपल जांच के लिए भेज दिए। एसटीएफ आगरा को सूचना मिली कि मुरादनगर में बंबा रोड पर एक गोदाम में भारी मात्रा में नकली डीएपी उर्वरक रखा गया है।

आंखों देखा हाल: बाजार में घूम रहे हैं कॉलोनियों के नक्शे

जयपुर में अवैध कॉलोनियों की बाढ़, बाहरी इलाकों का सबसे बुरा हाल; JDA मास्टर प्लान की राह में ये बड़ा रोड़ा

द डेस्प्रिंग

जयपुर। राजधानी जयपुर में इन दिनों अवैध कॉलोनियों का सृजन तेजी से बढ़ रहा है। सबसे ज्यादा बुरा हाल शहर के बाहरी इलाकों का है। सीकर रोड, आगरा रोड, दिल्ली रोड से लेकर कालवाड़ और सिरसी रोड तक कृषि भूमि पर अवैध कॉलोनियां खुलेआम बसाई जा रही हैं। जेडीए क्षेत्र के विस्तार से आने वाले महीनों में ग्रामीण क्षेत्रों में भी भू-माफिया सक्रिय होने की आशंका है। यहां भी कृषि भूमि पर अवैध कॉलोनियां विकसित होंगी। जब जेडीए मास्टर प्लान को अमल में लाने की कोशिश करेगा, तब अधिकारियों के सामने इन अवैध निर्माणों को हटाने की बड़ी चुनौती खड़ी होगी। फिलहाल, बाहरी जोनों में कृषि भूमि पर धड़ल्ले से कॉलोनियां बन रही है। रोकथाम के नाम पर केवल औपचारिक कार्रवाई हो रही है। नतीजतन, कुछ ही समय में कॉलोनियां विकसित हो जाती है और उनमें लोग बसने भी लगते हैं।

कार्रवाई हुई- पर काम चालू है

5 नवम्बर को सीकर रोड स्थित सफेदा फार्म के पास जेडीए ने 16 बीघा कृषि भूमि पर अवैध रूप से विकसित किए जा रहे वेयरहाउस प्रोजेक्ट को ध्वस्त किया था। लेकिन अब वहीं फिर से निर्माण कार्य जारी है।

वर्तमान स्थिति- प्रवर्तन शाखा में 18 स्वीकृत पदों में से केवल 11 अधिकारी कार्यरत हैं। 11 नए पदों की मंजूरी हाल ही में दी गई है, लेकिन नियुक्ति प्रक्रिया पूरी नहीं हुई है।

रोकथाम में ढिलाई: अधूरी टीम, बढ़ता दायरा

अवैध कॉलोनियों पर लगाम लगाने के लिए प्रवर्तन अधिकारियों की जरूरत है, लेकिन जेडीए के पास स्टाफ की भारी कमी है। पिछले दो साल से अधिकारियों के कई पद खाली हैं। जेडीए का दायरा बढ़ने से प्रवर्तन टीमों की संख्या भी बढ़नी चाहिए, लेकिन फिलहाल एक अधिकारी पर एक से अधिक जोनों की जिम्मेदारी है।

नाम	जोन संख्या / क्षेत्र
किशन सिंह भंडारी	01
घनश्याम सिंह राठौड़	02, 11
इरशाद कुरैशी	03, मुख्यालय, स्टोर
राजेश पाठक	05, 05-ए
अरुण पूनियां	06, 07
भरत सिंह राठौड़	08, 10, 10-ए
ब्रज भूषण अग्रवाल	09
मनीष शर्मा	12
ममता मीणा	13
गंगाराम	14, पृथ्वीराज नगर-दक्षिण
भवानी सिंह तंवर	पृथ्वीराज नगर-उत्तर

आगरा रोड:

यहां हालात सबसे खराब हैं। बगराना क्षेत्र में शिवि विहार नाम से अवैध कॉलोनी विकसित की जा रही है। कॉलोनी में न तो पार्क है, न ही कोई सार्वजनिक सुविधा क्षेत्र। करीब चार हजार वर्ग गज में सिर्फ सड़कें और भूखंड हैं। इसी इलाके में बगराना डिपो मार्केट भी तैयार हो रहा है, जिसमें 36 दुकानें बनाई जा चुकी हैं।

सुमेल:

यहां राधा वल्लभ नगर-प्रथम नाम से 9732 वर्ग गज में 111 भूखंडों की कॉलोनी विकसित हो रही है। सुविधा क्षेत्र और पार्क के नाम पर कुछ भी नहीं-पूरा भूभाग सड़कों और प्लॉट्स में बांट दिया गया है।

कालवाड़ रोड:

चम्पापुरा गांव में गोकुल नगर नाम से कॉलोनी बस रही है। इसी तरह, सिरसी रोड पर दो बीघा भूमि पर नेहा रेजीडेंसी और निमेड़ा में आदर्श नगर नामक अवैध कॉलोनियां बन रही हैं।

अदालतों का दायरा बढ़ा, अब पूर्व सांसद-विधायक भी आएंगे रडार पर

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में कानून का शिकंजा अब और सख्त होने जा रहा है। राजधानी की तीन विशेष अदालतें, जो पहले केवल मौजूदा सांसदों और विधायकों के खिलाफ बाल अधिकारों और यौन अपराधों से जुड़े मामलों की सुनवाई करती थीं, अब पूर्व सांसदों और विधायकों को भी अपने दायरे में लाएंगी। दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना के कार्यालय ने बुधवार को इसकी घोषणा की, जिसने कानूनी हलकों में हलचल मचा दी है। राउज एवेन्यू कोर्ट में स्थित ये तीन विशेष अदालतें बाल संरक्षण अधिकार आयोग (सीपीसीआर) अधिनियम और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत मामलों की सुनवाई के लिए बनाई गई थीं। अब दिल्ली सरकार के प्रस्ताव को एलजी की मंजूरी मिलने के बाद इन अदालतों का दायरा बढ़ गया है। यानी, अब चाहे मौजूदा नेता हों या रिटायर्ड, अगर उन पर बच्चों के अधिकारों का उल्लंघन या यौन अपराध से जुड़ा कोई आरोप है, तो इन

अदालतों में उनकी जवाबदेही तय होगी। एलजी कार्यालय के बयान के मुताबिक, इन तीन अदालतों को जुलाई 2023 में सांसदों और विधायकों के खिलाफ मामलों के लिए बनाया गया था। यह फैसला दिल्ली हाईकोर्ट के 2020 के निर्देश के बाद लिया गया था। लेकिन, पिछली केजरीवाल सरकार ने इस अधिसूचना को तीन साल से ज्यादा समय तक लटकाए रखा। अब जाकर इस दिशा में कदम उठाया गया है, जिसे कानूनी विशेषज्ञ एक बड़ा बदलाव मान रहे हैं। दिल्ली में पहले से ही आठ अन्य अदालतें बच्चों के खिलाफ अपराधों, बाल अधिकारों के उल्लंघन और पॉक्सो एक्ट के तहत मामलों की सुनवाई कर रही हैं।

दिल्ली के नए सचिवालय के लिए आईपी बस डिपो पर लग सकती है फाइनल मुहर, रेस में सबसे आगे

नई दिल्ली, एजेंसी।
नए सचिवालय के लिए छह स्थानों को चिह्नित किया गया है। इसमें से आईपी बस डिपो की जगह को सबसे उपयुक्त माना जा रहा है। इस पर जल्द ही निर्णय होने की संभावना है।

जानकारी के अनुसार, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कुछ माह पहले दिल्ली सरकार का नया सचिवालय बनाने की बात कही थी। इसके लिए जगह चिह्नत करने की जिम्मेदारी पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा को सौंपी गई थी। उन्होंने दिल्ली में छह जगहों को इसके लिए चिन्हित किया था। इसमें राजघाट पावर प्लांट, आईपी पावर स्टेशन, आईपी बस डिपो, ट्वीन टावर आईटीओ, खैबर पास और गुलाबी बाग शामिल हैं। इन सभी जगहों को लेकर पीडब्ल्यूडी द्वारा अध्ययन किया गया है। इसमें

सबसे बेहतर जगह आईपी स्थित बस डिपो को माना जा रहा है।

पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश वर्मा ने बताया कि आईपी बस डिपो वाली जगह लगभग खाली पड़ी है। ऐसे में यहां अधिक तोड़फोड़ नहीं करनी पड़ेगी और निर्माण कार्य का काफी समय बचेगा। अन्य जगहों पर निर्माण कार्य के लिए उस जगह को तोड़कर पहले मलबे को हटाना पड़ेगा और इसके बाद निर्माण कार्य चालू हो सकेगा। इसमें काफी ज्यादा समय लगेगा। इसके अलावा बस डिपो के पास पांच एकड़ जमीन खाली पड़ी है। ऐसे में दिल्ली सचिवालय बनाने के लिए यहां अधिक जगह है। पीडब्ल्यूडी की ओर से अन्य जगहों का प्रस्ताव भी सरकार के पास भेजा गया है। जल्द ही इस बारे में अंतिम निर्णय ले लिया जाएगा। नए सचिवालय के निर्माण से कामकाज में तेजी आएगी। साथ ही जगह की किल्लत भी दूर हो जाएगी। आईपी बस डिपो की जगह पर नई इमारत बनाकर सरकार उसे किराए पर लगाएगी और इससे सरकार को राजस्व की प्राप्ति होगी। पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश वर्मा ने बताया कि दिल्ली सरकार नया सचिवालय कम समय में बनाने वाली कंपनी को न केवल टेंडर देगी, बल्कि उन्हें समय पर काम खत्म करने के लिए प्रोत्साहन राशि भी देगी। दफ्तर तैयार होने से सरकार को इसका आर्थिक लाभ मिलेगा। नए सचिवालय में अपने दफ्तर स्थानांतरित करने के बाद इमारत की बची हुई जगह को अलग-अलग सरकारी कार्यालयों के लिए किराए पर दिया जाएगा।

इजरायल का गुस्सा आसमान पर!

धोखेबाज है हमास, अब धरती से मिटा देंगे नामोनिशान

येरूसलम , एजेंसी। इजरायल में गाजा की ओर जारी गतिरोध और बंधकों के मुद्दे ने एक बार फिर तेज मोड़ ले लिया है। सेना के चीफ ऑफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल इयाल जमीर ने स्पष्ट कहा है कि जब तक सभी बंधकों को वापस नहीं लाया जाता, सेना को चैन नहीं लगेगा। उनके गुस्से की वजह हमास द्वारा हाल ही में की गई वह हरकत है जिसमें उसने इजरायली बंधक के शव की जगह गलती (या धोखा) करके एक फिलिस्तीनी व्यक्ति का शव सौंप दिया। जमीर ने कहा कि बंधकों की वापसी इजरायली सेना का नैतिक, राष्ट्रीय और यहूदी कर्तव्य है।

उन्होंने बताया कि राजनीतिक नेतृत्व के साथ मिलकर सेना सभी समझौतों को लागू करने पर अडिग रहेगी, लेकिन तब तक आराम नहीं किया जाएगा जब तक

कहा-बेइज्जती की हद पार...

हर एक बंधक वापस न आ जाए।हमास ने अब तक कम-से-कम 21 मृत बंधकों के शव अपने कब्जे में रखे हुए हैं; पिछले दो दिनों में उसने केवल सात शव लौटा दिए। सोमवार को उसने 20 जीवित बंधकों को रिहा कर दिया था पर मृत बंधकों के मामले में निकासी की प्रक्रिया और पहचान विवादों में घिरती जा रही है। बुधवार को हमास द्वारा सौंपे गए चार शवों में से इजरायल के कई मीडिया और अधिकारियों का दावा है कि एक शव किसी इजरायली बंधक का नहीं बल्कि गाजा का एक फिलिस्तीनी नागरिक निकला। हिब्रू मीडिया के हवाले से एक अधिकारी ने खुलासा किया कि बरामद शवों की पहचान की जा रही है और प्रारंभिक जांच में पाया गया कि एक शव असत्यापित है। इजरायल में इससे पहले भी ऐसी घटनाएँ दर्ज हुई हैं इस साल के आरंभ में भी हमास ने एक शव सौंपने का दावा किया था जिसे बाद में इजरायली जांच में फिलिस्तीनी मनुष्य का निकला और असली अवशेष बाद में ही सौंपे गए थे।

मंत्री इतमार बेन ग्वीर का कड़ा बयान: हमास की इस हरकत पर इजरायल के कट्टर दक्षिणपंथी नेता इतमार बेन ग्वीर ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्ग पर लिखा- बेइज्जती की हद हो गई। ट्रकों को रास्ता खोलने के कुछ ही पलों बाद, हमास वापस अपनी पुरानी चाल झूठ, धोखा और शवों के साथ छल पर आ गया। नाजी आतंकवाद सिर्फ़ हथियारों की भाषा समझता है। इससे निपटने का एकमात्र तरीका है इसे धरती से मिटा देना। उनका यह अनुमानित आक्रमक वक्तव्य देश में और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर तीखी आलोचना/चिंता का विषय बन सकता है, क्योंकि इससे संघर्ष और हिंसा की भाषा प्रबल होने का डर भी व्यक्त किया जा रहा है। गलत शव सौंपे जाने की बात वार्ता पर भरोसा कम कर सकती है और युद्धविराम की शर्तों पर दोबारा भरोसा बहाल करना मुश्किल बना सकती है।

संयुक्त राष्ट्र की चेतावनी: भुखमरी की चपेट में आ सकते हैं 1.4 करोड़ लोग

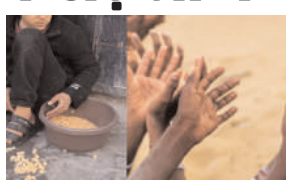

जिनेवा, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र की खाद्य सहायता एजेंसी ने बुधवार को कहा कि उसके प्रमुख दानदाताओं द्वारा वित्त पोषण में की गई कटौती से छह देशों में उसकी गतिविधियां बुरी तरह प्रभावित हो रही हैं। उसने चेताया कि इससे करीब 1.4 करोड़ लोग भुखमरी की कगार पर पहुंच सकते हैं। विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) ने अपनी नई रिपोर्ट में कहा कि इस वर्ष उसका वित्त पोषण अब तक की सबसे बड़ी चुनौती का सामना कर रहा है।

डब्ल्यूएफपी ने कहा, इस चुनौती का मुख्य कारण अमेरिका (डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के तहत) तथा अन्य प्रमुख पश्चिमी देशों द्वारा अनुदान में की गई भारी कटौती है। एजेंसी ने चेतावनी दी कि उसकी खाद्य सहायता प्राप्त करने वाले 1.37 करोड़ लोगों को अब आपात स्तर की भुखमरी का सामना करना पड़ सकता है। जिन देशों में मुख्य व्यवधान देखने को मिल रहे हैं, वे अफगानिस्तान, कांगो, हैती, सोमालिया, दक्षिण सूडान और सूडान हैं। डब्ल्यूएफपी ने बताया कि इस साल उसे 40 कम वित्त पोषण मिलने के आसार हैं। इस तरह उसका अनुमानित बजट 10 अरब डॉलर से घटकर 6.4 अरब डॉलर रह जाएगा।

गजब का टोपीबाज! कमियां निकालकर 2 साल तक फ्री में खाता रहा खाना

बीजिंग, एजेंसी। आधुनिक जीवन में फूड डिलीवरी ऐप्स ने भले ही लोगों के लिए खाना मंगाना आसान कर दिया हो लेकिन जापान के नागोया शहर के एक व्यक्ति ने इसी सुविधा का फायदा उठाकर एक डिलीवरी प्लेटफॉर्म को तगड़ा नुकसान पहुंचाया है। 38 वर्षीय ताकुया हिगाशिमोतो ने कथित तौर पर दो साल तक प्लेटफॉर्म की रिफंड पॉलिसी में खामियां ढूंढकर मुफ्त में खाना खाया जिससे कंपनी को लगभग 3.7 मिलियन येन (24,000 अमेरिकी डॉलर) यानी करीब 21 लाख रुपये का चूना लगा।

साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार हिगाशिमोतो जो पिछले कई सालों से बेरोजगार है ने फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म डेमाए-कैन की रिफंड पॉलिसी का दुरुपयोग किया। वह प्लेटफॉर्म पर ऑर्डर करता था। ऑर्डर मिलने के बाद भी वह झूठा दावा करता था कि उसे खाना नहीं मिला है। इस धोखाधड़ी से उसने दो वर्षों में 1,095 ऑर्डरों के लिए रिफंड

शख्स ने निकाला फूड डिलीवरी कंपनी का दिवाला

प्राप्त किया। हिगाशिमोतो ने इस दौरान ईल बेंटो, हैमबर्गर स्टेक और आइसक्रीम जैसी महंगी और लक्ज़री चीजें ऑर्डर कीं।

अपनी पहचान छुपाने और लगातार रिफंड पाने के लिए हिगाशिमोतो ने बेहद शातिर तरीके से काम किया। उसने डेमाए-कैन प्लेटफॉर्म पर 124 फर्जी खाते बनाए। ये सभी खाते फर्जी नामों से और गलत पतों पर पंजीकृत थे। वह इन फर्जी खातों के लिए प्रीपेड मोबाइल फोन कार्ड खरीदता था। जिसके लिए उसने फर्जी पहचान पत्रों का इस्तेमाल किया और फिर उन कार्डों को तुरंत रद्द कर देता था। एक उदाहरण के तौर पर 30 जुलाई को उसने ऐप के चैट फीचर का उपयोग करके दावा किया कि उसे अपना ऑर्डर नहीं मिला। उसी दिन उसे 16,000 येन (105 अमेरिकी डॉलर) का रिफंड मिल गया। गिरफ्तारी के बाद उसने पुलिस को बताया, पहले तो मैंने यह सिर्फ एक चाल के रूप में शुरू किया। एक बार जब मुझे इस धोखाधड़ी का फल मिलने लगा तो मैं इसे रोक नहीं सका। यह मामला स्थानीय सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर तेज़ी से वायरल हो गया। घटना सामने आने के बाद डेमाए-कैन प्लेटफॉर्म ने अपनी पहचान सत्यापन प्रणाली में सुधार करने और असामान्य लेन-देन के लिए एक चेतावनी प्रणाली लागू करने का संकल्प लिया है। सोशल मीडिया यूज़र्स ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया दी। एक यूज़र ने लिखा, प्लेटफॉर्म की रिफंड पॉलिसी में सुधार की ज़रूरत है। वे ग्राहकों के साथ बहुत ज़्यादा नरमी बरतते हैं। एक अन्य यूज़र ने हिगाशिमोतो के मेहनत की तरफ इशारा करते हुए कहा, वह काफी चतुर है।

ट्रंप और शी की जल्द मुलाकात तय, अमेरिका-चीन ट्रेड वार के बीच अमेरिकी वित्त मंत्री ने की पुष्टि

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और चीन के बीच जारी व्यापारिक तनाव के बीच एक बड़ा बयान सामने आया है। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से जल्द मुलाकात तय है। उन्होंने बताया कि यह बैठक संभवत: इस महीने होने वाले एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग सम्मेलन के दौरान होगी। बेसेंट ने कहा कि ट्रंप इस बैठक के लिए पूरी तरह तैयार हैं। दोनों नेताओं के बीच बहुत अच्छा रिश्ता है और बातचीत जारी है। बेसेंट ने कहा कि अमेरिका और चीन के बीच इस समय उच्च स्तर पर संवाद जारी है। उन्होंने बताया कि दोनों पक्ष ढ्ढरूस्न और वर्ल्ड बैंक की वार्षिक बैठकों के दौरान भी कार्य-स्तरीय चर्चाएं कर रहे हैं। उन्होंने कहा मैं चीन के साथ चल रही चर्चाओं को लेकर आशावादी हूं। हम कई स्तरों पर संवाद बढ़ा रहे हैं। यह बयान ऐसे समय आया है जब दोनों देशों के बीच ट्रेड वार फिर से गर्म हो गया है। हाल ही में चीन ने दुर्लभ खनिजों के निर्यात पर नियंत्रण लगाया था, जिसके बाद ट्रंप ने बैठक रद्द करने की धमकी दी थी। इसके जवाब में व्हाइट हाउस ने चीन के खिलाफ नए टैरिफ पैकेज की घोषणा की। ट्रंप ने चीनी आयात पर 100 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाने का ऐलान करते हुए कहा था कि अब चीन को हमारे बाजारों में अनुचित लाभ नहीं मिलेगा। विश्लेषकों का मानना है कि एपीईसी सम्मेलन में होने वाली यह मुलाकात व्यापार तनाव कम करने की दिशा में अहम कदम साबित हो सकती है। दोनों देशों के बीच संवाद बहाल होना, वैश्विक बाजारों में स्थिरता का संकेत दे सकता है। हालांकि, ट्रंप प्रशासन के नए 100 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क और सॉफ्टवेयर निर्यात नियंत्रण के फैसले के बाद माहौल अभी भी तनावपूर्ण है।

इन वजहों से खाना चाहिए तिल-गुड़

आयुर्वेद सेहतमंद रहने के लिए मौसम, शरीर की प्रकृति और उम्र के हिसाब से खान-पान का चुनाव करने पर जोर देता है। गर्मियों में शरीर को ठंडक देने वाली चीजें खानी चाहिए। वहीं, सर्दियों में उन चीजों को डाइट में शामिल करना चाहिए, जो शरीर को अंदर से गर्मी दे सकें। सर्दियों में तिल-गुड़ खाना आपकी सेहत को बेहतर बना सकता है। इन दोनों की तासीर गर्म होती है और आयुर्वेद के अनुसार, यह सर्दियों में स्वास्थ्य को कई तरीकों से लाभ पहुंचा सकते हैं। सर्दी के समय पर बनने वाली गजक और लड्डुओं में इन दोनों चीजों का इस्तेमाल किया जाता है। ये दोनों चीजें टेस्टी ही नहीं, बल्कि हेल्दी भी होती हैं। सर्दियों में तिल-गुड़ क्यों खाना चाहिए, इस बारे में हमने आयुर्वेदिक डॉक्टर से बात की।

तिल-गुड़ खाने के फायदे

- तिल और गुड़ दोनों की तासीर गर्म होती है। यह शरीर को अंदर से गर्माहट पहुंचाते हैं।
- एक्सपर्ट के मुताबिक, सर्दियों में इन दोनों चीजों को साथ में खाने के कई फायदे हैं।
- खासकर, मकर संक्रान्ति के आस-पास तिल-गुड़ का सेवन सेहत के लिहाज से भी अच्छा है।
- इस समय पर सर्द हवाएं चलती हैं लेकिन साथ ही सूरज की किरणों में भी थोड़ी तेजी आने लगती है। इसकी वजह से शरीर में वात दोष बढ़ने लगता है और स्किन ड्राई हो जाती है।
- इसे दूर करने के लिए तिल और गुड़ खाना फायदेमंद होता है।
- तिल और गुड़ में पाए जाने वाले थर्मोजेनिक गुणों की वजह से ये शरीर को गर्म रखने में मदद करते हैं।
- तिल के बीज बालों की ग्रोथ और स्किन हेल्थ को सुधारते हैं।
- इनमें प्रोटीन, कैल्शियम, आयरन और मैग्नीशियम भरपूर मात्रा में पाया जाता है।
- गुड़ में मौजूद डाइजेस्टिव एंजाइम्स, तिल में मौजूद न्यूट्रिएंट्स को अब्जॉर्ब करना आसान बनाते हैं क्योंकि तिल के बीजों को अकेले पचा पाना मुश्किल होता है।
- तिल के बीजों में मैग्नीशियम और एंटी-ऑक्सीडेंट्स होते हैं। इनसे बीपी कंट्रोल में रहता है और दिल भी सेहतमंद रहता है।
- तिल में बीजों में मौजूद कैल्शियम और मैग्नीशियम की वजह से ये हड्डियों के लिए बहुत अच्छे होते हैं और सर्दियों में तिल-गुड़ खाने से जोड़ों में दर्द से बचा जा सकता है।
- इन दोनों से इम्यूनिटी भी बूस्ट होती है।
- गुड़ खून की कमी को भी दूर करता है। जिन महिलाओं को एनीमिया है, उन्हें इसका सेवन जरूर करना चाहिए।
- सर्दियों में तिल-गुड़ को डाइट में शामिल कर आप स्वाद के साथ सेहत को भी बेहतर बना सकते हैं।

शरीर की हर कोशिका को हाइड्रेट, डीटॉक्स करता है पानी

पानी सबसे जरूरी पोषक तत्व है और पानी पीने के ढेरों फायदे हैं. वास्तव में पानी को जीवन के लिए अमृत कहा गया है। ऐसे में जरूरी है कि आप पानी से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्यों के बारे में जानें क्योंकि पानी मनुष्य के शरीर का 70 फीसदी हिस्सा बनाता है और शरीर की हर कोशिका को हाइड्रेट, डीटॉक्स करता है, शरीर का तापमान सामान्य बनाए रखकर जीवनशैली को स्वस्थ बनाता है।

पानी शरीर में डीटॉक्स करने में बेहद कारगर है, जिससे शरीर के इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने में मदद मिलती है। दिन भर हमारे शरीर में पर्यावरण एवं भोजन आदि के माध्यम से कई तरह के टॉक्सिन्स जमा हो जाते हैं। मल, मूत्र एवं पसीने के जरिए इन टॉक्सिन्स को शरीर से बाहर निकाला जाता है, इसे डीटॉक्सिफिकेशन कहते हैं। पसीना आने से शरीर का तापमान भी सामान्य बना रहता है। गर्मियों में अक्सर हम ज्यादातर समय घर के अंदर बिताते हैं, हम एसी में रहते हैं, ऐसे में दिन भर में पर्याप्त मात्रा में पानी पीना बहुत महत्वपूर्ण है। वे लोग जो कम पानी पीते हैं, उनका यूरीन सैचुरेटेट होता है और कई बार इसमें स्टोन बनने की संभावना भी हो जाती है। यूरीन को डाइल्यूट करने और साथ ही स्टूल्स (मल) को सामान्य बनाए रखने के लिए भी उचित मात्रा में पानी पीना बहुत जरूरी है। इसके अलावा, रक्त की सामान्य संरचना को बनाए रखने के लिए भी पानी का सेवन सही मात्रा में करना जरूरी है। रक्त शरीर के सभी अंगों तक पोषक तत्व पहुंचाता है। यह शरीर की उर्जा बढ़ाता है और मैटाबोलिक रेट बढ़ाकर मानसिक थकान दूर करता है। जर्नल ऑफ क्लिनिकल एंडोक्राइनोलोजी एण्ड मैटाबोलिज्म द्वारा किए गए एक अध्ययन के अनुसार 500 एमएल पानी पीने से मैटाबोलिज्म की दर 30 फीसदी तक बढ़ जाती है। कुछ शहरों में खारा पानी होता है, ऐसे स्थानों पर पानी को साफ करके पीना चाहिए। पानी को साफ करने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि इसे 10 मिनट के उबालें। जहां पानी उबालना संभव न हो, वहां उपभोक्ता का जागरुक होना जरूरी है। उन्हें पानी की गुणवत्ता की जांच कर सुनिश्चित करना चाहिए वे सुरक्षित पेयजल का ही सेवन करें। इससे आप स्वस्थ, हाइड्रेटेड रहेंगे और अपने इम्यून सिस्टम को मजबूत बना सकेंगे।

कोशिका की संरचना में पानी का महत्व

कोशिकाओं को स्वस्थ बनाए रखने के लिए पानी जरूरी है, यह बालों, त्वचा और नाखुनों की कोशिकाओं का अभिन्न हिस्सा है। पानी कोलाजन के उत्पादन में मदद कर कोशिकाओं की उम्र बढ़ने से रोकता है। इसके अलावा, पानी जोड़ों एवं रीढ़ की हड्डी को स्वस्थ बनाए रखने के लिए भी जरूरी है क्योंकि पानी शरीर में लुब्रिकेन्ट की भूमिका निभाता है, जिसके परिणामस्वरूप जोड़ों के बीच फ्रिक्शन कम होता है।

शरीर का तापमान बनाए रखने में मदद करता है

शरीर का तापमान सामान्य बनाए रखने के लिए तरल का संतुलन बहुत महत्वपूर्ण होता है। आपके शरीर में एंजाइम ठीक से काम करते रहें, इसके लिए शरीर का तापमान सामान्य बना रहना बहुत जरूरी है, अगर ऐसा नहीं होगा तो शरीर के सभी काम रूक जाएंगे।

शरीर में फैट यानि वसा को बर्न करने में मदद करता है

कई अध्ययनों में पाया गया है कि पानी का सेवन सही मात्रा में करने से शरीर की वसा को बर्न करने में मदद मिलती है, इस तरह यह वजन कम करने में भी मददगार है।

हाइड्रेट और रीहाइड्रेट करने का सबसे अच्छा तरीका

प्यास लगना डीहाइड्रेशन का संकेत है, इसलिए जरूरी है कि आप दिन भर पानी पीते रहें। डीहाइड्रेशन के कारण शरीर में ऊर्जा का स्तर कम हो जाता है और इम्यून सिस्टम (बीमारियों से लड़ने की ताकत) कमजोर पड़ जाता है। वे लोग जो अधिक सक्रिय रहते हैं, शारीरिक व्यायाम करते हैं, खेलते हैं, उनमें पसीना ज्यादा बहता है, ऐसे में उनके लिए अपने शरीर को नियमित रूप से हाइड्रेट करना बहुत जरूरी है। शरीर से पानी ज्यादा निकल जाने से क्रैम्प्स पड़ने लगते हैं और शरीर लेक्टेट को बफर करने में सक्षम नहीं रहता। अक्सर देखा जाता है कि एथलीट्स और बॉस्केटबॉल खिलाड़ियों को हाइपरथर्मिया हो जाता है या पानी की कमी एवं बहुत ज्यादा डीहाइड्रेशन के चलते उनका ब्लड प्रेशर गिर जाता है। ऐसी स्थिति में रीहाइड्रेट करना बहुत जरूरी है। अगर आपमें डायरिया, कम पानी पीना, पेट में फ्लू, बहुत ज्यादा दवाएं लेना जैसी स्थितियां हैं या आपने पिछली रात ज्यादा शराब का सेवन किया है तो ऐसे में शरीर को रीहाइड्रेट करना बहुत अधिक महत्वपूर्ण होता है। रीहाइड्रेशन ओरल माध्यम से या इन्ट्रावीनस तरीके से किया जा सकता है। हममें से ज्यादातर लोग पानी पीने पर ठीक से ध्यान नहीं देते। दिन भर चलने वाले वर्चुअल मीटिंग्स, असाइनमेन्ट और घर के कामों के बीच अक्सर हम पानी पीना भूल जाते हैं। ऐसी स्थिति में हमें अपने पास पानी की बोतल रख या हेल्थ ऐप के जरिए रिमाइंडर लगाकर बार-बार पानी पीते रहना चाहिए।

पाचन में करता है मदद

अक्सर लोग ये सवाल पूछते हैं 'पानी पीने का सही समय क्या है? खाना खाने से पहले? खाना खाने के बाद? खाना खाने के दौरान? इन तीनों समय में पानी पीने से भोजन को पचाने में मदद मिलती है। पानी पीने से सलाईवा यानि लार की सही मात्रा बनती है, लार में इलेक्ट्रोलाईट, म्यूकस और एंजाइम होते हैं जो भोजन पचाने में मदद करते हैं और मुख के स्वास्थ्य को सामान्य बनाए रखते हैं। भोजन का पाचन मुख में ही शुरू हो जाता है और उम्र बढ़ने के साथ लार का उत्पादन कम मात्रा में होने लगता है। अगर आपको महसूस हो रहा है कि आपका मुंह सूख रहा है तो ज्यादा मात्रा में पानी पीना शुरू कर दें।

हल्दी वाले दूध का अधिक सेवन हो सकता है नुकसानदायक

हमारी रसोई में उपलब्ध हल्दी वो औषधि है, जो देसी नुस्खों और उपायों में रामबाण के तौर पर इस्तेमाल की जाती है। एंटीऑक्सीडेंट और एंटीइंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर हल्दी का सेवन बेहद लाभकारी माना गया है। ऐसे में सर्दियों के दिनों में रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए हल्दी वाले दूध के सेवन की सलाह दी जाती है। हल्दी वाला दूध सर्दी-जुकाम और संक्रामक रोगों से बचाव में असरदार होता है। लेकिन कहते हैं न कि एक निश्चित मात्रा से अधिक औषधि का सेवन भी जहर के समान है, हल्दी दूध के अधिक सेवन में भी यही बात लागू होती है।

जी हां, आपको बता दें कि सर्दियों में अगर सेहत बनाने के लिए आप भी हल्दी वाले दूध का खूब सेवन कर रहे हैं तो आपको इससे होने वाले नुकसान के बारे में भी जान लेना चाहिए। दरअसल, हल्दी वाले दूध का अधिक सेवन कई सारी शारीरिक समस्याओं की वजह बन सकता है, तो वहीं कुछ विशेष परिस्थिति में तो ये घातक भी हो सकता है। तो चलिए जान लेते हैं कि आखिर हल्दी वाले दूध के अधिक सेवन से किस तरह की शारीरिक समस्याएं पेश आ सकती हैं।

शरीर में आयरन की कमी

आप पौष्टिकता के लिए हल्दी वाले दूध का सेवन करते हैं लेकिन आपको पता होना चाहिए इसकी अधिकता के कारण शरीर में आयरन की कमी हो सकती है। दरअसल, हल्दी में पाए जाने वाले करक्यूमिन नामक कंपाउंड, शरीर में आयरन के अवशोषण में बाधा बनता है। इसलिए जो लोग आयरन की कमी से जूझ रहे हैं, लोगों को खासतौर पर सीमित मात्रा में हल्दी वाले दूध का सेवन करना चाहिए।

लिवर की समस्या

हल्दी वाले दूध के सेवन का कारण लिवर की समस्या भी हो सकती है। असल में हल्दी में मौजूद करक्यूमिन लिवर में सूजन पैदा करता है, जिसके कारण लिवर की समस्या हो सकती है।

पेट की समस्याएं

हल्दी वाले दूध का अधिक सेवन शरीर के पीएच को प्रभावित करता है, जिसके कारण पेट में गैस और अपच की समस्या बढ़ सकती है। इसलिए अगर आप पेट की समस्या से पीड़ित हैं तो आपको हल्दी वाले दूध का सेवन से बचना चाहिए।

गर्भवती महिलाओं के लिए हानिकारक

हल्दी वाले दूध का सेवन गर्भवती महिलाओं के लिए हानिकारक माना जाता है। एक्सपर्ट की माने तो हल्दी के अधिक सेवन से गर्भाशय में ऐंठन, दर्द हो सकता है। वहीं कई बार इसके चलते ब्लीडिंग की भी समस्या हो जाती है। इसीलिए डॉक्टर्स प्रेग्नेंट महिलाओं को हल्दी वाले दूध के सेवन से बचने की सलाह देते हैं।

शरीर में एलर्जी की प्रतिक्रिया

वहीं हल्दी दूध के अधिक सेवन से आपको एलर्जिक रिएक्शन भी हो सकते हैं, दरअसल हल्दी में पाए जाने वाले कंपाउड्स के चलते कुछ लोगों को स्किन पर रैशेज और सांस लेने में दिक्कत भी होती है। इसलिए अगर आपकी बॉडी एलर्जिक है तो आपको हल्दी वाले दूध के सेवन से परहेज करना चाहिए।

पेट की जिद्दी चर्बी को खत्म करने की ताकत रखती है हल्दी

अगर आप सोच रहे हैं कि हल्दी का उपयोग सिर्फ खाने का स्वाद और रंग बढ़ाने तक सीमित है, तो आप गलत हैं। यह एक ऐसा मसाला है, जो पेट की जिद्दी चर्बी को खत्म करने की ताकत रखता है, बस आपको इस्तेमाल करना आना चाहिए।

वजन कम करने के लिए लोग कुछ भी करने को तैयार रहते हैं। लेकिन सर्दियों के दिनों में वजन कम करना बहुत मुश्किल होता है। लगातार बैठे रहने से पेट की चर्बी तो निकल जाती ही है लेकिन पेट के साथ-साथ जांघें और कमर भी मोटी दिखने लगती है। बहुत से लोग कमर और पेट के आकार को कम करने के लिए जिम जाकर घंटों एक्सरसाइज नहीं कर पाते हैं। वजन कम करने के लिए क्या करें? पेट और कमर की चर्बी कम करने और सुडौल शरीर पाने के लिए आप किचन में रखे मसालों का इस्तेमाल कर सकते हैं। अगर बात करें मसालों की तो इनमें हल्दी एक ऐसा जादुई मसाला है, जो पेट की चर्बी को काटने का काम करता है। खाने को स्वाद और रंग देने वाले इस मसाले को आप वजन कम करने वाले हथियार के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं। चलिए जानते हैं कि आप वजन घटाने के लिए हल्दी का उपयोग कैसे कर सकते हैं।

पेट की चर्बी का नामोनिशान मिटा सकती है हल्दी

एक अध्ययन के अनुसार, हल्दी वजन घटाने के लिए फायदेमंद है। पशु अध्ययनों से पता चला है कि हल्दी में एक शक्तिशाली यौगिक करक्यूमिन होता है, जो फैट बर्न करने का काम करता है। वजन कम करने में असमर्थ 44 लोगों पर किए गए एक अध्ययन से पता चला कि दिन में दो बार 800 मिलीग्राम करक्यूमिन लेने से उनका बीएमआई (बॉडी मास इंडेक्स) कम हो गया। इसके अलावा कमर और कूल्हे की चर्बी भी कम हुई।

हल्दी के गुण

कच्ची हल्दी में एंटीबैक्टीरियल, एंटी-ऑक्सीडेंट, एंटी-फंगल गुण होते हैं। इसमें विटामिन सी, पोटैशियम, प्रोटीन, फाइबर, कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम, कॉपर, जिंक, थायमिन, राइबोफ्लेविन होता है। ये पोषक तत्व शरीर को शारीरिक समस्याओं से बचाते हैं।

वजन घटाने के लिए हल्दी वाला पानी कैसे तैयार करें?

- मोटापा कम करने के लिए आप कच्ची हल्दी को गर्म पानी में उबालकर पी सकते हैं। इस मिश्रण का खाली पेट सेवन करने से आपको तेजी से वजन घटाने में मदद मिल सकती है।
- इसके लिए 2 गिलास पानी में कच्ची हल्दी के टुकड़े डालकर उबाल लें
- जब एक गिलास पानी बचे तो आंच बंद कर दें और पानी को छानकर एक गिलास में निकाल लें
- सुबह खाली पेट सबसे पहले इसका सेवन करें।
- अगर आप हल्दी वाला पानी नहीं पीना चाहते तो आप हल्दी वाले दूध का सेवन कर सकते हैं

संक्षिप्त समाचार

सीजेआई पर जूता फेंकने वाले वकील पर अवमानना का केस, अटॉर्नी जनरल की मंजूरी मिली

नई दिल्ली। अटॉर्नी जनरल ने भारत के चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया बीआर गवई पर जूता फेंकने वाले एक वकील के खिलाफ अवमानना की कार्यवाही शुरू करने की परमिशन दे दी है। यह जानकारी गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट को दी गई। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन प्रमुख विकास सिंह ने जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जयमाल्या बागची की बेंच से सुनवाई की अपील की है। सिंह ने कहा कि 6 अक्टूबर को हुई इस घटना को लेकर सोशल मीडिया पर उन्माद फैल गया है। यह सुप्रीम कोर्ट की अखंडता और गरिमा को ठेस पहुंचा रहा है। आरोपी को भी पछतावा नहीं है। हालांकि बेंच ने कहा कि जब अदालत में पहले से ही कई केस पेंडिंग है, इस केस पर 5 मिनट खर्च करना कितना सही होगा। कोर्ट में विकास सिंह ने सुझाव दिया कि सोशल मीडिया पर अपमानजनक टिप्पणियों के खिलाफ एक व्यापक आदेश पारित किया जा सकता है। उन्होंने जॉन डो आदेश की मांग रखी। हालांकि, जस्टिस बागची ने कहा कि इस तरह के एकमुश्त आदेश से और बहस छिड़ जाएगी। महत्वपूर्ण बात यह है कि जब ऐसे हमलों से संयमित तरीके से निपटें। जस्टिस बागची बोले- हमारा व्यवहार और हम खुद को कैसे संभालते हैं, उससे हमें सम्मान मिलता है। CJI ने इसे एक गैर-जिम्मेदार नागरिक का कृत्य बताकर दरकिनार कर दिया है। आपको इस बात पर विचार करना होगा कि क्या उस घटना को उठाना जरूरी है जिसका हमने निपटारा कर दिया है। इस पर सिंह ने कह कि जूता फेंकने की घटना का महिमा मंडन बंद होना चाहिए।

बेंगलुरु में पत्नी को एनेस्थीसिया देकर मारने वाला डॉक्टर गिरफ्तार, शादी को 10 महीने हुए थे

बेंगलुरु। बेंगलुरु पुलिस ने 29 साल की डर्मेटोलॉजिस्ट की मौत के लगभग छह महीने बाद उसके पति को हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि विक्टोरिया अस्पताल के गैस्ट्रो-सर्जन 31 साल के डॉ. महेंद्र रेड्डी को पत्नी डॉ. कृतिका एम रेड्डी की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया है। कृतिका के पिता, के मुनिरेड्डी की शिकायत के आधार पर मराठहल्ली पुलिस ने मामला दर्ज किया था। उनका कहना था कि विसरा रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है कि बेटी को एनेस्थीसिया की दवा प्रोपोफोल का ओवरडोज दिया गया था, ताकि मौत को प्राकृतिक बताया जा सके।

डॉक्टर दंपती बेंगलुरु के गुंजूर में रहते थे। 21 अप्रैल को कृतिका ने पेट दर्द की शिकायत की, जिसके बाद महेंद्र ने दवाइयां इंजेक्ट करने के लिए उसके दाहिने पैर में एक कैनुला डाला। अगले दिन, काम पर जाने से पहले महेंद्र, कृतिका को उसके माता-पिता के घर छोड़ गया था। अगले दिन कृतिका ने पैर में दर्द की शिकायत की और व्हाट्सएप पर महेंद्र से पूछा कि क्या वह कैनुला हटा सकती है। उसने मना कर दिया। साथ ही कहा कि एक और खुराक दर्द को वापस आने से रोक देगी। उसी रात कृतिका ने माता-पिता के साथ खाना खाकर कमरे में चली गई। फिर महेंद्र ने आखिरी डोज का इंजेक्शन लगाया। 24 अप्रैल को सुबह 7.30 बजे, महेंद्र ने अपनी सास को फोन करके बताया कि कृतिका कोई रिएक्शन नहीं दे रही है। उसके पिता आए और उसे बिना हिले-डुले पाया। वे उसे अस्पताल ले गए, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया।

बंगाल गैंगरेप- पीड़ित के पिता की ममता बनर्जी से माफी

दुर्गापुर। पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर में गैंगरेप पीड़ित MBBS छात्रा के पिता ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से माफी मांगी है। पीड़ित के पिता ने कहा- ममता बनर्जी मेरे लिए मां जैसी हैं। अगर मैंने कुछ भी गलत कहा है, तो मैं उनसे माफी मांगता हूं। मैं उन्हें कोटि-कोटि प्रणाम करता हूं। दरअसल, CM ममता ने गैंगरेप मामले पर कहा था कि लड़कियों को रात में बार नहीं निकलना चाहिए। इससे नाराज पीड़ित के पिता ने कहा था- ऐसा लग रहा है कि बंगाल में औरंगजेब शासन है। वह (ममता बनर्जी) महिला होकर इतनी गैर-जिम्मेदाराना बात कैसे कह सकती हैं? इधर, दुर्गापुर पुलिस पीड़ित से आरोपियों की पहचान कराने के लिए पहचान परेड (टेस्ट आइडेंटिफिकेशन परेड) की तैयारी कर रही है। पुलिस कोर्ट से इसकी इजाजत मांगेगी। परमिशन मिली, तो पीड़ित को आरोपियों के सामने लाया जाएगा और वह खुद उनकी पहचान करेगी। MBBS छात्रा से 10 अक्टूबर की रात उसके मेडिकल कॉलेज के पास गैंगरेप हुआ था। इस मामले में उसके दोस्त सहित 6 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पीड़ित के दोस्त ने अब तक नहीं बताया है कि वह उसे छोड़कर क्यों भागा और कॉलेज आने के बाद किसी को घटना की जानकारी क्यों नहीं दी। दोस्त के साथ डिनर पर गई थी छात्रा पीड़ित ओडिशा की रहने वाली है और दुर्गापुर के एक मेडिकल कॉलेज में MBBS सेकेंड ईयर की स्टूडेंट है। वह 10 अक्टूबर की रात 8 से 9 बजे के बीच अपने एक पुरुष मित्र के साथ डिनर पर गई थी। रात करीब 10 बजे, वापस लौटते समय मेडिकल कॉलेज के पास कुछ लोगों ने उससे रेप किया।

जैसलमेर अग्निकांड में मौत का आंकड़ा बढ़ा

जोधपुर/जैसलमेर। जैसलमेर बस अग्निकांड में पुलिस ने बुधवार रात बस मालिक तुराब अली और ड्राइवर शौकत को गिरफ्तार कर लिया। एसपी अभिषेक शिवहरे ने बताया- इस मामले में 2 FIR दर्ज हुई थी। वहीं, इस अग्निकांड में मृतकों की संख्या 22 हो गई है। 54 साल की भागा बानो की गुरुवार सुबह इलाज के दौरान मौत हो गई। अब तक की रिपोर्ट के अनुसार, जोधपुर एम्स और महात्मा गांधी अस्पताल में रखे 18 शव परिजनों को सौंप दिए हैं। एक शव की पहचान नहीं हो पाई है। हादसे के बाद परिवहन विभाग की टीम ने जैनम कोच क्राफ्टर, जोधपुर परिसर में तैयार हो रही 66 बसों को जब्त किया है। टीम यह भी जांच की जा रही है कि बस बॉडी निर्माण के दौरान निर्धारित बॉडी कोड मानकों का उल्लंघन तो नहीं किया गया। राज्य सरकार ने एक स्वतंत्र संस्था सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ रोड ट्रांसपोर्ट (CIRT) पुणे को भी इस घटना की तकनीकी जांच के लिए बुलाया है। CIRT की टीम संभवतः आगामी शनिवार एवं रविवार को जैसलमेर का दौरा करेगी और अपनी रिपोर्ट राज्य सरकार को प्रस्तुत करेगी। इधर, हादसे के पीड़ितों के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने आर्थिक पैकेज की घोषणा की है। जिस परिवार में तीन या इससे ज्यादा लोगों की जान गई है, उन्हें कुल 25 लाख की आर्थिक सहायता दी जाएगी। एक परिवार से एक या दो मौत होने पर प्रति व्यक्ति 10-10 लाख रुपए दिए जाएंगे। गंभीर घायलों को 2-2 लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की गई है। साधारण रूप से घायल हुए लोगों को एक-एक लाख रुपए मिलेंगे।

रोहतक एएसआई को बेटे ने दी मुखाग्नि

रोहतक/जींद। हरियाणा के रोहतक में गुरुवार को साइबर सेल के ASI संदीप लाठर पंचतत्व में विलीन हो गए। पैतृक गांव जींद के जुलाना में स्थित श्मशान घाट में उनका अंतिम संस्कार किया गया। उनके बेटे ने मुखाग्नि दी। अंतिम संस्कार में डिप्टी स्पीकर सहित हरियाणा सरकार के 4 मंत्री और कार्यवाहक DGP पहुंचे। इनके अलावा सांसद दीपेंद्र हुड्डा, अभय चौटाला समेत विपक्ष के कई बड़े नेता भी पहुंचे। जुलाना की विधायक विनेश फोगाट ने घर पहुंच कर परिवार से मुलाकात की। इससे पहले पोस्टमॉर्टम के बीच केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर पहुंचे थे। उन्होंने ASI के परिजन से बात की। इस दौरान उन्होंने आश्वासन दिया कि ASI की पत्नी को सरकारी नौकरी मिलेगी और उनके बच्चों की पढ़ाई का खर्च सरकार उठाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि इस बारे में वह सीएम नायब सैनी से करेंगे। ASI के परिजन दिवंगत IPS पूरन कुमार की पत्नी और अन्य पर FIR करने की मांग कर रहे थे। इसके चलते पोस्टमॉर्टम में देरी हुई। हालांकि, पुलिस ने IPS की पत्नी IAS अमनीत कुमार समेत 3 लोगों पर FIR दर्ज कर दी थी। इसके बाद परिजन बुधवार देर रात पोस्टमॉर्टम के लिए राजी हो गए। इसके बाद लाश को देर रात मामा के गांव लाढ़ौत से PGI मॉर्चरी में शिफ्ट कर दिया गया था। परिवार के दबाव में दिवंगत IPS वाई पूरन कुमार की पत्नी IAS अफसर अमनीत पी कुमार समेत अन्य परिजनों पर एफआईआर दर्ज हुई। इसमें एएसआई की पत्नी संतोष के बयानों के अलावा सुसाइड नोट और लास्ट वीडियो को आधार बनाया गया है। पुलिस ने हालांकि अभी एफआईआर सार्वजनिक नहीं की है।

पाक रक्षामंत्री बोले- तालिबान के फैसले दिल्ली से हो रहे

भारत के लिए प्रॉक्सी वॉर लड़ रहा, उकसाया तो सैन्य कार्रवाई करेंगे

एजेंसी, इस्लामाबाद

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने तालिबान के फैसले दिल्ली में लिए जा रहे हैं। उन्होंने अफगानिस्तान पर भारत के लिए प्रॉक्सी वॉर लड़ने का आरोप लगाया। जियो न्यूज से बातचीत में आसिफ ने तालिबान से हुए सीजफायर पर कहा, मुझे शक है कि यह सीजफायर टिक पाएगा, क्योंकि अफगान तालिबान को दिल्ली से सहयोग मिल रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर पाकिस्तान को उकसाया तो सैन्य कार्रवाई की जाएगी। आसिफ ने कहा कि हमारे पास जवाब देने की पूरी क्षमता है। अगर उन्होंने युद्ध का दायरा बढ़ाया, तो हम हमला करेंगे। लेकिन हम बातचीत के लिए भी तैयार हैं।

पाकिस्तानी टैंकों की लूट को अफवाह बताया: पाकिस्तानी मंत्री ने तालिबानी लड़ाकों के टैंक लूटे जाने को भी अफवाह बताया। उन्होंने कहा कि तालिबानी लड़ाके जिस मॉडल की टैंक पर दिखाई दे रहे हैं, वह पाकिस्तान का नहीं है। मुझे पता नहीं उन्होंने यह टैंक कहां से लिया है... किसी कबाड़ी से लिया है या पुराने

जमाने का टैंक चला रहे हैं। वे फेक तस्वीरें बना कर या वीडियो बना कर दिखा रहे हैं। आसिफ ने कहा कि काबुल की तरफ से लगातार झूठ बोला जा रहा है, वे प्रॉक्सी वॉर लड़ रहे हैं।

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान जाने वाले ट्रकों पर रोक लगाई: तालिबान से विवाद के बीच पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के लिए ट्रांजिट ट्रेड सुविधा रोक दी है। इसके चलते अफगानिस्तान व्यापार के लिए पाकिस्तानी जमीन का इस्तेमाल नहीं कर पाएगा। इस फैसले के बाद कराची और पोर्ट कासिम से अफगानिस्तान जाने वाले ट्रकों की आवाजाही पूरी तरह बंद हो गई है। जो कंटेनर पहले से लोड होकर रवाना हुए थे, उन्हें भी बंदरगाहों पर उतार दिया गया है। पाकिस्तान के फेडरल बोर्ड ऑफ रेवेन्यू (FBR) के आदेश के मुताबिक, क्वेटा और पेशावर के कस्टम स्टेशन अब अतिरिक्त कंटेनरों को संभालने की स्थिति में नहीं हैं। सभी अफगान ट्रांजिट गेट पास रद्द कर दिए गए हैं और नए कंटेनरों की ढुलाई रोक दी गई है। अफगानिस्तान समुद्र से दूर है और अपने व्यापार के लिए पाकिस्तान की जमीन का इस्तेमाल करता है। अफगान ट्रांजिट ट्रेड के तहत कराची से रोजाना सैकड़ों ट्रक अफगानिस्तान की ओर रवाना होते थे। पाकिस्तान और तालिबान में बीते एक हफ्ते से जारी संघर्ष के बाद बुधवार शाम 48 घंटे के लिए सीजफायर पर सहमति बनी। बुधवार को पाकिस्तान ने अफगानिस्तान की राजधानी काबुल समेत कंधार के स्पिन बोल्डक में हवाई हमले किए। इन हमलों में लगभग 15 लोग मारे गए, जबकि 100 से ज्यादा घायल हुए। जवाब में तालिबान ने भी पाकिस्तान के पेशावर में ड्रोन अटैक किया। इस हमले में एक प्लाजा के कमरे को निशाना बनाया गया है। दावा किया जा रहा है कि इसका इस्तेमाल खुफिया गतिविधियों के लिए एक सीक्रेट ऑफिस के तौर पर किया जा रहा था।

पंजाब का डीआईजी 5 लाख रिश्वत लेते अरेस्ट, मोहाली ऑफिस से पकड़ा गया

एजेंसी, चंडीगढ़

पंजाब में रोपड़ रेंज के DIG हरचरन सिंह भुल्लर को सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (CBI) ने रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा है। उसने मंडी गोबिंदगढ़ के स्क्रैप कारोबारी से 5 लाख रिश्वत मांगी थी। कारोबारी ने CBI को शिकायत दी। इसके बाद CBI ने ट्रैप बिछाया। गुरुवार को कारोबारी पैसे लेकर मोहाली स्थित ऑफिस से पहुंचा था। यहीं से टीम ने भुल्लर को पकड़ लिया। ऑफिस के साथ CBI की टीम उसके चंडीगढ़ के सेक्टर 40 में स्थित घर में पहुंची है। जहां जांच जारी है। भुल्लर को कल चंडीगढ़ में CBI की स्पेशल कोर्ट में पेश किया जा सकता है। भुल्लर विभिन्न जिलों में SSP रह चुका है। रोपड़ रेंज में तैनाती के दौरान ही कई अवैध कार व्यापार के मामले सामने आए थे, जहां चेसिस नंबर बदलकर स्क्रैप गाड़ियां बेची जा रही थीं। सूत्रों के मुताबिक भुल्लर इन मामलों को दबाने के लिए रिश्वत लेता था। हरचरन सिंह भुल्लर 2007 बैच का IPS अधिकारी है। 27 नवंबर 2024 को उसे रोपड़ रेंज का DIG लगाया गया था।

स्क्रैप कारोबारी ने शिकायत में बताया था कि भुल्लर ने उसके अवैध कार व्यापार को जारी रखने

चंडीगढ़ में घर पर भी रेड, कारोबारी से मांगी घूस

के बदले मासिक रिश्वत मांगी थी। DIG ने पहले 2 लाख रुपए की मांग की, लेकिन बाद में इसे 5 लाख तक बढ़ा दिया। सीबीआई ने शिकायत के बाद एक गुप्त टीम गठित की और ट्रैप लगाया। मोहाली स्थित ऑफिस में कारोबारी ने भुल्लर को पैसे दिए। जैसे ही भुल्लर ने पैसे लिए, पुलिस ने उसे पकड़ लिया। पूछताछ में भुल्लर ने रिश्वत की बात कबूल की। अब उस पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम (PC एक्ट) की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। भुल्लर की गिरफ्तार का पता चलते ही रिश्तेदार उसके चंडीगढ़ के सेक्टर 40 में स्थित घर पर पहुंचे। इस दौरान रिश्तेदार ने बताया कि दुख के समय रिश्तेदार के साथ खड़ा होना चाहिए। इसलिए हम आए थे। लेकिन अंदर सीबीआई की टीम है। ऐसे में हमें अंदर नहीं जाने दिया गया।

सरकार ने फूड-ड्रिंकिंग प्रोडक्ट पर ओआरएस लेबल के नियम बदले

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्र सरकार की खाद्य सुरक्षा संस्था (FSSAI) ने कहा कि यदि किसी फूड-ड्रिंकिंग प्रोडक्ट का फार्मूला विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) से मंजूर न किया गया हो तो कंपनी उस प्रोडक्ट पर ओरल रिहाइड्रेशन साल्ट (ORS) का लेबल नहीं लगा सकेगी। सभी कंपनियों को उनके प्रोडक्ट्स से ORS लेबल हटाने के निर्देश भी दिए गए हैं। केंद्र सरकार के 2022 और 2024 के आदेश में कंपनियों को अपने प्रोडक्ट में ORS शब्द जोड़ने की अनुमति दी गई थी जैसे प्रीफिक्स (शुरू में) या सफिक्स (अंत में)।

इसके बाद कुछ फ्रूट ड्रिंक, नॉन-कार्बोनेटेड या रेडी-टू-ड्रिंक पेय पदार्थ ORS का लेबल लगाने लगे थे। हालांकि, तब शर्त रखी गई थी कि उस प्रोडक्ट पर साफ लिखना होगा कि उत्पाद WHO द्वारा अनुशंसित ORS फार्मूला नहीं है। अब FSSAI ने इन पुराने आदेशों को पूरी तरह रद्द कर दिया है।

कंपनियां डब्ल्यूएचओ से फार्मूला मंजूर होने के बाद लेबल लगा सकेंगी, 2022-24 के आदेश रद्द किए

सरकार ने कहा कि इससे फर्जी ORS उत्पादों पर लगाम लगेगी और ग्राहकों को असली, सुरक्षित और WHO मानक वाले ORS प्रोडक्ट ही मिलेंगे। इससे स्वास्थ्य सुरक्षा को मजबूत करने में मदद मिलेगी। बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. शिवरंजनी संतोष ने सोशल मीडिया पर सरकार के इस कदम की सराहना की।

चीन से फाइटर जेट खरीदेगा इंडोनेशिया

एजेंसी, जकार्ता

इंडोनेशिया ने अपनी सैन्य क्षमता बढ़ाने के लिए चीन से 42 J-10C फाइटर जेट खरीदने का फैसला किया है। यह पहली बार है जब इंडोनेशिया किसी गैर-पश्चिमी देश से विमान खरीद सौदा कर रहा है। इंडोनेशिया के रक्षा मंत्री सजफ्री सजमसुद्दीन ने बुधवार को कहा कि, 'ये जल्द ही जकार्ता के आसमान में उड़ते नजर आएंगे।' पहले J-10C को सिर्फ चीन की वायुसेना के लिए डिजाइन किया गया था, लेकिन अब चीन इसे दूसरे देशों को भी बेचेगा। वित्त मंत्री पुरबया युधी सदेवा ने मीडिया से कहा कि 75 हजार करोड़ से ज्यादा का बजट मंजूर हो गया है। हालांकि, ये चीन से कब आएंगे, इसकी जानकारी अभी जारी नहीं की गई है। ये विमान पाकिस्तान के पास भी मौजूद है। पाकिस्तान ने मई में संघर्ष के दौरान इस विमान का भारत के खिलाफ इस्तेमाल किया था।

अपने लड़ाकू विमान अपग्रेड कर रहा इंडोनेशिया: यह सौदा इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के नेतृत्व वाली सरकार की सैन्य सुधार योजना का हिस्सा है। इसके लिए उन्होंने दुनिया भर की यात्राएं की हैं। नई सैन्य हथियार प्रणालियां, निगरानी और क्षेत्रीय रक्षा क्षमताएं हासिल करने के लिए चीन, फ्रांस, रूस, तुर्की और अमेरिका गए। वर्तमान में इंडोनेशियाई

वायुसेना के पास अमेरिका, रूस और ब्रिटेन से आए लड़ाकू विमान हैं, लेकिन इनमें से कई पुराने हो चुके हैं और इन्हें अपग्रेड या बदलने की जरूरत है। J-10C जैसे आधुनिक विमान इंडोनेशिया को चौथी पीढ़ी के लड़ाकू जेट्स की क्षमता प्रदान करेंगे, जो हवा से हवा और हवा से जमीन हमलों में सक्षम हैं। इंडोनेशिया केवल चीन पर निर्भर नहीं हो रहा। तुर्की के राष्ट्रपति रेचेप तैयप एर्दोगन ने जून में ऐलान किया था कि तुर्की इंडोनेशिया को 48 KAAN लड़ाकू विमान देगा। ये विमान तुर्की में निर्मित होंगे और पांचवीं पीढ़ी के स्टेल्थ फाइटर होंगे। इसके अलावा, जनवरी 2024 में फ्रांस के साथ 42 दसॉल्ट राफेल लड़ाकू विमानों का सौदा फाइनल हुआ। जिसकी पहली डिलीवरी 2026 की शुरुआत में होने की उम्मीद है। फ्रांस से ही दो स्कॉर्पीन इवॉल्व्ड सबमरीन और 13 थेल्स

75 हजार करोड़ में लेगा 42 विमान, पाकिस्तान भारत के खिलाफ इसका इस्तेमाल कर चुका

ग्राउंड कंट्रोल इंटरसेप्शन रडार की खरीद की भी घोषणा की। ये सौदे दिखाते हैं कि इंडोनेशिया अपनी सैन्य खरीदारी के लिए किसी एक देश पर निर्भर नहीं है। इंडोनेशिया इंस्टीट्यूट फॉर डिफेंस एंड स्ट्रैटेजिक स्टडीज के रक्षा विश्लेषक बेनी सुकादिस ने इस सौदे पर गंभीर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि इंडोनेशिया राजनीतिक रूप से नॉन-एलाइंड देश है, लेकिन सरकार को अपने फैसलों के प्रभावों को कम नहीं आंकना चाहिए। दशकों तक पश्चिमी देशों (जैसे अमेरिका और यूरोप) से हथियार खरीदने के बाद चीन से इतना बड़ा सौदा इंडोनेशिया की सुरक्षा नीति में बदलाव का संकेत दे सकता है। सुकादिस ने चेतावनी दी कि एशिया में चीन के बढ़ते सैन्य प्रभाव के बीच यह कदम क्षेत्रीय संवेदनशीलता पैदा कर सकती है। खासकर दक्षिण चीन सागर में, जहां चीन के क्षेत्रीय दावे हैं और इंडोनेशिया समेत कई देशों के साथ विवाद चल रहे हैं।

दिल्ली में दिवाली के अगले दिन कृत्रिम बारिश की तैयारी

एजेंसी, नई दिल्ली

दिवाली से पहले ही दिल्ली में प्रदूषण बढ़ने लगा है। बुधवार को दिल्ली के 5 सेंटरों आनंद विहार, नॉर्थ कैंपस, मथुरा रोड, द्वारका, वजीरपुर में प्रदूषण का लेवल (एक्यूआई) 300 पार कर गया। तेजी से बढ़ रहे प्रदूषण को लेकर पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने बताया कि दिल्ली में क्लाउड सीडिंग यानी कृत्रिम बारिश को लेकर तैयारी पूरी कर ली गई है। सिरसा ने कहा चुनिंदा इलाकों में दिवाली के एक दिन बाद कृत्रिम बारिश कराई जा सकती है। मौसम विभाग अगले 2-3 दिनों में जब हरी झंडी देगा तो ब्लास्टिंग/स्प्रे के बाद क्लाउड सीडिंग का एक सैंपल लिया जाएगा। हम जल्द बादलों के छाने का इंतजार कर रहे हैं।

सिरसा ने बताया कि हम एक प्लेन भेजकर काम शुरू कर सकते हैं। सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। 2 पायलट इसके लिए 4 दिन तक ट्रेनिंग ले चुके हैं। 3 घंटे में इसका असर नजर आ जाएगा। इधर, दिल्ली से लगे नोएडा में भी वायु गुणवत्ता 'खराब' हो गई थी। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने 14 अक्टूबर को दिल्ली-एनसीआर में GRAP-1 के तहत प्रतिबंध लगाए हैं। नोएडा प्राधिकरण ने वायु प्रदूषण के प्रभावों को कम करने

के लिए GRAP-1 उपायों के तहत सड़कों पर पानी का छिड़काव शुरू कर दिया है।

बुधवार को दिल्ली में प्रदूषण का लेवल: सबसे ज्यादा प्रदूषण आनंद विहार में 345 दर्ज किया गया। डीयू नॉर्थ कैंपस में 307, सीआरआरआई मथुरा रोड में 307, द्वारका सेक्टर-8 में 314 और वजीरपुर में प्रदूषण का स्तर 325 'बेहद खराब' कैटेगरी में दर्ज किया गया। दिल्ली के 20 सेंटरों पर AQI खराब कैटेगरी में दर्ज किया, जबकि 13 सेंटरों पर यह मीडियम कैटेगरी में रिकॉर्ड किया गया। माना जा रहा है कि दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण बढ़ने के

सरकार बोली- मौसम विभाग की मंजूरी का इंतजार, राजधानी में प्रदूषण का लेवल 300 पार

पीछे परिवहन उत्सर्जन का बड़ा योगदान रहा है।

प्रदूषण की वजह पराली जलाना, इसे रोकने कानून भी बना: उत्तर और मध्य भारत में दिवाली के बाद पराली जलाने का सिलसिला शुरू हो जाता है। इस वजह से प्रदूषण बढ़ने की रफ्तार भी तेज होने लगती है। दिल्ली के सबसे नजदीक हरियाणा और पंजाब में सबसे ज्यादा पराली जलाई जाती है। 2015 में नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (NGT) ने पराली जलाने पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया था। इससे किसानों को पराली का सफाया करने में परेशानी होने लगी। केंद्र सरकार ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (CAQM) अधिनियम 2021 के तहत पराली जलाने पर नियम लागू किए। इसके मुताबिक 2 एकड़ से कम जमीन पर पराली जलाने पर 5,000 रुपए के जुर्माने का प्रावधान है। 2 से 5 एकड़ जमीन पर 10,000 रुपए और 5 एकड़ से ज्यादा जमीन पर पराली जलाने पर 30,000 रुपए का जुर्माना लगता है।

नारायण-सुधा मूर्ति का जाति जनगणना में शामिल होने से इनकार

एजेंसी, बेंगलुरु

इंफोसिस के फाउंडर एनआर नारायण मूर्ति, उनकी पत्नी और राज्यसभा सांसद सुधा मूर्ति ने कर्नाटक में चल रहे सामाजिक और शैक्षणिक सर्वे यानी जाति जनगणना में भाग लेने से इनकार कर दिया है। कुछ दिन सर्वे करने वाले लोग उनके घर गए थे, तो उन्होंने कहा- हम अपने घर पर सर्वेक्षण नहीं करवाना चाहते है। न्यूज एजेंसी PTI के मुताबिक, सुधा मूर्ति ने सर्वे फॉर्म में जानकारी भरने से इनकार करते हुए एक घोषणापत्र पर साइन किए हैं। इसमें उन्होंने लिखा- हम किसी भी पिछड़े समुदाय से नहीं हैं। इसलिए, उन समुदायों के लिए कराए जा रहे सरकार के सर्वे में भाग नहीं लेंगे।

कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने सुधा मूर्ति और उनके परिवार के रुख पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा- सर्वे में भाग लेना या

न लेना ऑप्शनल है। अगर कोई जानकारी नहीं देना चाहता है तो हम किसी को भी इसमें भाग लेने के लिए मजबूर नहीं कर सकते। कर्नाटक में 22 सितंबर को जाति जनगणना शुरू हुई थी। कर्नाटक राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग (KSCBC) इस सर्वे को करवा रहा है। इसे 7 अक्टूबर को खत्म करना था, लेकिन बाद में इसे 18 अक्टूबर तक बढ़ा दिया गया। कर्नाटक हाईकोर्ट ने 25 सितंबर को KSCBC को एक सार्वजनिक अधिसूचना जारी करके यह बताने का निर्देश दिया था कि यह सर्वे ऑप्शनल हैं।

ट्रम्प बोले- भारत अब रूस से तेल नहीं खरीदेगा, भारतीय पीएम ने भरोसा दिया

एजेंसी, वॉशिंगटन डीसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया कि भारत अब रूस से तेल नहीं खरीदेगा। ट्रम्प ने गुरुवार को व्हाइट हाउस में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि, प्रधानमंत्री मोदी मेरे दोस्त हैं। हमारे बीच बहुत अच्छे संबंध हैं। भारत के रूस से तेल खरीदने से मुझे खुशी नहीं थी लेकिन आज उन्होंने (पीएम मोदी) मुझे भरोसा दिया कि वे रूस से तेल नहीं खरीदेंगे। अब हमें चीन से भी यही करवाना होगा। दरअसल, अमेरिका अगस्त 2025 में भारत पर रूस से तेल खरीदने की वजह से 25% एक्स्ट्रा टैरिफ लगा चुका है। इससे पहले उसने 25% रेसिप्रोकल यानी जैसे को तैसा टैरिफ लगाया था। इससे भारत पर कुल टैरिफ 50% हो गया है। वहीं, ट्रम्प के इस दावे के बाद भारत में विपक्षी नेता राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर निशाना साधा है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर पीएम पर 5 आरोप लगाए हैं। उन्होंने X पर लिखा- पीएम मोदी डर गए हैं

ट्रम्प बोले- मोदी मुझसे प्यार करते हैं: ट्रम्प ने मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए यह भी कहा कि, हाल में भारत में अमेरिकी राजदूत बनने जा रहे सर्जियो गोर और पीएम मोदी की मुलाकात हुई थी। इस मीटिंग के बाद सर्जियो ने मुझे बताया कि, वे (मोदी) ट्रम्प से प्यार करते हैं, हालांकि मैं चाहूंगा कि यहां प्यार शब्द का गलत मतलब न निकालें, मैं किसी का पॉलिटिकल करियर खराब नहीं करना चाहता। मैंने सालों से भारत को देखा है, वहां हर साल सरकार बदल जाती है। मेरे दोस्त (मोदी) लंबे समय से वहां पर हैं। उन्होंने भरोसा दिया कि भारत अब रूस से तेल नहीं खरीदेगा। हालांकि वे इसे तुरंत रोक नहीं सकते, लेकिन इसका एक प्रोसेस है जिसे जल्द पूरा किया जाएगा।

MEA का जवाब - जनता के हित में फैसले लेते: ट्रम्प के दावे पर भारतीय विदेश मंत्रालय (MEA) के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, 'भारत तेल

और गैस का बड़ा खरीदार है। जनता के हितों की रक्षा करना हमारी प्राथमिकता रही है। हमारी आयात नीतियां इसी मकसद को पूरी करती हैं। ऊर्जा नीति के दो लक्ष्य हैं, पहला स्थिर कीमतें तय करना और दूसरा सुरक्षित आपूर्ति बनाए रखना।' जायसवाल ने आगे कहा, 'इसके लिए हम ऊर्जा स्रोतों को व्यापक बनाते हैं और बाजार स्थितियों के अनुसार विविधता लाते हैं। जहां तक अमेरिका का सवाल है, हम कई सालों से अपनी ऊर्जा खरीद का विस्तार करने का प्रयास कर रहे हैं। पिछले दशक में इसमें लगातार प्रगति हुई है।' उन्होंने बताया कि

राहुल गांधी बोले - प्रधानमंत्री मोदी अमेरिकी राष्ट्रपति से डर गए

अमेरिकी प्रशासन ने भारत के साथ ऊर्जा सहयोग को बढ़ाने में रुचि दिखाई है। इस पर चर्चाएं जारी हैं।

रूस बोला- तेल आपूर्ति भारत के लिए फायदेमंद: भारत में रूस के राजदूत डेनिस अलीपोव ने ट्रम्प के भारत को लेकर किए गए दावे पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा, "भारत को रूसी तेल की आपूर्ति के मामले में निरंतर सहयोग चल रहा है। मुझे लगता है कि हम भारत के साथ इस क्षेत्र में सहयोग पर चर्चा जारी रखेंगे।" उन्होंने कहा, "जहां तक भारत और अमेरिका के संबंधों का सवाल है, हम उनमें हस्तक्षेप नहीं करते हैं। यह भारत और अमेरिका के बीच का मामला है। भारत का हमारे साथ द्विपक्षीय संबंध है।" डेनिस अलीपोव ने यह भी कहा कि रूस की तेल आपूर्ति भारतीय अर्थव्यवस्था और भारतीय लोगों के बहुत फायदेमंद है

भारत पर प्रतिबंध का मकसद रूस पर दबाव बनाना: अमेरिका ने रूस पर दबाव बनाने के लिए भारत पर आर्थिक प्रतिबंध लगाए हैं। ट्रम्प कई बार यह दावा कर चुके हैं कि, भारत के तेल खरीद से मिलने वाले पैसे से रूस, यूक्रेन में जंग को बढ़ावा देता है। ट्रम्प प्रशासन रूस से तेल लेने पर भारत के खिलाफ की गई आर्थिक कार्रवाई को पैनल्टी या टैरिफ बताता रहा है। ट्रम्प भारत पर अब तक कुल 50 टैरिफ लगा चुके हैं। इसमें 25% रेसीप्रोकल यानी जैसे को तैसा टैरिफ और रूस से तेल खरीदने पर 25% पैनल्टी है। रेसीप्रोकल टैरिफ 7 अगस्त से और पेनल्टी 27 अगस्त से लागू हुआ। व्हाइट हाउस प्रेस सचिव केरोलिना लेविट के मुताबिक इसका मकसद रूस पर सेकेंडरी प्रेशर डालना है, ताकि वह युद्ध खत्म करने पर मजबूर हो सके।

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक अमरदीप शर्मा के लिए जैमन प्रिंटर्स प्रा. लि. रोड नं. 14 पी विश्वकर्मा इंडस्ट्रियल एरिया जयपुर, 302013 से मुद्रित एवं एफ- 43 गोविंदम टावर ,करधनी कालवाड़ रोड जयपुर से प्रकाशित। प्रधान कार्यालय:- एफ- 43 गोविंदम टावर करधनी कालवाड़ रोड जयपुर 302012 (राज.) संपादक अमरदीप शर्मा । राजस्थान मीनू सेन प्रबंध संपादक सीकर मोः नंबर 8619639447